आज शब्द नहीं दे रहे... भारी मन से माघ मेले से विदा हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद - 7

ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने में भारत सक्षम : हरदीप पुरी- 10

ईयू के देशों में आयुष चिकित्सकों के लिए खुले अनंत संभावनाओं के द्वार- 11

टी-20 विश्व कप में अर्शदीप और हार्दिक होंगे सफलता की कुंजी : रोहित - 12

आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

9.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.02

सूर्यास्त 05.49

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष एकादशी 01:55 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 29 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 65, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

डिप्टी सीएम अजित पवार की विमान हादसे में मौत

पुणे के बारामती में लैंडिंग के दौरान रनवे से टकराया विमान, 4 अन्य की गई जान, महाराष्ट्र में 3 दिन का राजकीय शोक

- विजिबिलिटी कम होने पर पहली बार में पायलट नहीं करा सके थे लैंडिंग, पुन: प्रयास में हुआ हादसा, दिवंगत पवार का अंतिम संस्कार आज
- हादसे में पायलट सुमित कपूर, सह-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक, पीएसओ विधिप जाधव व विमान परिचारिका पिंकी माली की भी गई जान

पुणे, एजेंसी

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार (66) समेत पांच लोगों की बुधवार सुबह पुणे जिले में बारामती हवाई अड्डे के निकट विमान दुर्घटना में मौत हो गई। पवार 5 फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव के लिए पुणे में चार रैलियों को संबोधित करने के वास्ते सुबह मुंबई से रवाना हुए थे। दुर्घटना में जान गंवाने वालों में कैप्टन सुमित कपूर भी शामिल हैं, जिनके पास 15,000 घंटे का उड़ान अनुभव था। 1,500 घंटे का उड़ान अनुभव रखने वालीं सह-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक, निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) विधिप जाधव और विमान परिचारिका पिंकी माली की भी दुर्घटना में मौत हो गई। पवार के सम्मान में महाराष्ट्र ने 30 जनवरी तक राजकीय शोक रहेगा।

सरकार ने बताया कि विमान एटीसी ने बुधवार सुबह खराब दृश्यता के बाद हवा में एक चक्कर लगाने के बाद लियरजेट विमान को उतरने की अनुमति दे दी थी। लेकिन अंततः अनुमति मिलने के बाद भी विमान ने एटीसी को कोई 'रीड-बैक' या प्रतिक्रिया नहीं दी और कुछ ही क्षण बाद रनवे किनारे पर वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। वीएसआर वेंचर्स के बेड़े में सात लियरजेट 45 विमान (जिसमें यह दुर्घटनाग्रस्त विमान भी शामिल है), पांच एम्बरर 135बीजे विमान, चार किंग एयर बी200 विमान और एक पिलाटस पीसी-12 विमान शामिल हैं। उड़ानों की निगरानी करने वाली 'फ्लाइट रडार' के अनुसार, विमान ने मुंबई से सुबह 8:10 मिनट पर उड़ान भरी और सुबह लगभग आठ बजकर 45 मिनट पर यह रडार से गायब हो गया। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। पवार के परिवार में उनकी पत्नी सुनेत्रा और दो बेटे पार्थ और जय हैं। सुनेत्रा राज्यसभा सदस्य हैं। अजित पवार की अगुवाई वाली राकांपा ने हाल में पुणे और पिंपरी चिंचवड में हुए निकाय चुनाव में अपने चाचा शरद पवार की राकांपा (शप) से गठबंधन में चुनाव लड़ा था। हादसे की खबर के बाद पवार परिवार में शोक छा गया। सांसद सुप्रिया सुले और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार परिजनों से मिलते समय भावुक होकर रो पड़ीं। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, विमान हवा में थोड़ा अस्थिर दिख रहा था और जैसे ही जमीन से टकराया, विस्फोट हो गया।

पुणे जिले में बारामती हवाई अड्डे के निकट हुई विमान दुर्घटना के बाद लगी आग।

चार्टर्ड प्लेन 'लियरजेट 45' में इनकी गई जान

अजित पवार, उप मुख्यमंत्री (महाराष्ट्र)

सुमित कपूर पायलट (दिल्ली)

शांभवी पाठक, सह-पायलट (ग्वालियर)

विदीप जाधव पीएसओ, (महराष्ट्र)

पिंकी माली, फ्लाइट अटेंडेंट (जौनपुर)

एएआईबी जांच के लिए दुर्घटनास्थल पर पहुंची

हैदराबाद। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) बुधवार को बारामती हवाई अड्डे पर हुए विमान हादसे की जांच के लिए दोपहर बाद बारामति पहुंच गई। एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए विमान से बरामद किए जाने वाले 'ब्लैक बॉक्स' (जिसमें फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर शामिल हैं) का विश्लेषण किया जाएगा। बुधवार सुबह, 16 साल पुराना और मध्यम आकार का विमान दूसरी बार लैंडिंग के प्रयास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

अजित पवार की मृत्यु से स्तब्ध हूं: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को कहा कि वह विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु से बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अजित पवार आम लोगों के नेता थे और जमीनी स्तर पर उनकी पकड़ काफी मजबूत थी। मोदी ने कहा, अजित पवार जननेता थे और उनका जमीनी स्तर पर गहरा जुड़ाव था। महाराष्ट्र की जनता की सेवा में वह हमेशा समर्पित रहे और एक परिश्रमी नेता के रूप में उनका व्यापक सम्मान था। मोदी पवार के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

एक अच्छा मित्र खो दिया : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत को अविश्वसनीय बताया और कहा कि उन्होंने एक अच्छा मित्र खो दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अजित पवार की मृत्यु से एक ऐसा खालीपन आ गया है जिसे कभी भरा नहीं जा सकेगा। उनके साथ बेहद करीब से काम करने के बाद यह विश्वास कर पाना मुश्किल हो रहा है कि वह अब हमारे बीच नहीं रहे। उन्होंने कहा कि इस तरह का नेतृत्व उभरने में कई साल लग जाते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को इस त्रासदी की जानकारी दी।

... वो आखिरी 26 मिनट

- बारामती विमान यातायात नियंत्रण कक्ष (एटीसी) के अनुसार, विमान से पहली बार सुबह आठ बजकर 18 मिनट पर संपर्क हुआ।
- इसके बाद, जब विमान बारामती से 30 नॉटिकल मील दूर था तब उसने संपर्क किया। पायलट को अपने विवेक से 'दृश्य मौसम संबंधी स्थितियों' में नीचे उतरने की सलाह दी गई।
- चालक दल ने हवाओं और दृश्यता के बारे में पूछा। तब उसे बताया गया कि हवाएं शांत हैं और दृश्यता लगभग 3,000 मीटर है।
- इसके बाद विमान ने आखिरी तौर पर रनवे 11 के करीब आने की सूचना दी, लेकिन कहा कि रनवे उसे दिखाई नहीं दे रहा है। उसने पहले प्रयास में हवा में चक्कर लगाना शुरू किया।
- चक्कर लगाने के बाद, चालक दल से फिर पूछा गया कि क्या उन्हें रनवे दिखाई दे रहा है। जवाब था- फिलहाल रनवे नजर नहीं आ रहा है। जब रनवे नजर आएगा, हम संपर्क करेंगे। कुछ सेकंड बाद, चालक दल ने बताया कि उसे रनवे दिखाई दे रहा है।
- विमान को सुबह आठ बजकर 43 मिनट पर रनवे 11 पर उतरने की अनुमति दी गई। हालांकि, उसने (चालक दल ने) लैंडिंग की अनुमति के बारे में कोई उत्तर नहीं दिया (एटीसी को जवाब नहीं दिया)। इसके बाद, सुबह आठ बजकर 44 मिनट पर एटीसी ने रनवे 11 के किनारे के आसपास आग की लपटें देखीं।
- आपातकालीन सेवाएं तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचीं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

ब्रीफ न्यूज

सोना 1.71 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को चांदी में लगातार तीसरे दिन तेजी आई और यह 15,000 रुपये यानी 4.05 प्रतिशत बढ़कर 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। 99.9% शुद्धता वाला सोना भी 5,000 रुपये यानी तीन प्रतिशत बढ़कर 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया।

(विस्तृत कारोबार पेज पर)

ट्रंप ने ईरान पर हमले की दी धमकी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ईरान पर हमले की धमकी दी। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, उम्मीद है कि ईरान जल्द बातचीत के लिए आगे आएगा। ईरान पर जून में हुए हमलों का जिक्र करते हुए ट्रंप ने लिखा, अगला हमला इससे कहीं ज्यादा खतरनाक होगा।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था : मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसद के बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति ने पढ़ा अभिभाषण
- कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व ने हमारी सेना का पराक्रम देखा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को संसद के बजट सत्र के पहले दिन कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा जब देश ने अपने संसाधनों के बल पर आतंकियों के अड्डों को ध्वस्त कर दिया।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इसके साथ ही कड़ा संदेश दिया कि भारत पर किसी भी आतंकी हमले का जवाब दृढ़ और निर्णायक होगा। संसद के बजट सत्र की शुरुआत में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा, भारत ने सिद्ध किया है कि शक्ति का प्रयोग उत्तरदायित्व और विवेक के साथ किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर से विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा है। उन्होंने कहा सिंधु जल समझौते को स्थगित किया जाना भी आतंकवाद के विरुद्ध हमारी लड़ाई का हिस्सा है।

जी राम जी पर विपक्ष का विरोध

राष्ट्रपति ने मनरेगा की जगह सरकार द्वारा लाए गए कानून का जिक्र करते हुए कहा, ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार और विकास के लिए विकसित भारत - जी राम जी कानून बनाया गया है। नए सुधार से गांव में एक सौ पच्चीस दिन के रोजगार की गारंटी होगी। इस दौरान विपक्ष ने इस कानून का विरोध करते हुए नारेबाजी की और इसे वापस लेने की मांग की।

अनिल अंबानी की कंपनियों की 1,800 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने बुधवार को कहा कि उसने रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ जारी धनशोधन जांच के तहत 1,800 करोड़ रुपये से अधिक की नयी संपत्तियों को कुर्क किया है। कुर्क की गई कुल संपत्ति का मूल्य अब लगभग 12,000 करोड़ रुपये हो गया है।

ईडी ने कहा कि धन शोधन के तहत 4 अलग-अलग अंतरिम आदेश जारी किए हैं। कुर्क की गई संपत्तियों में बैंक जमा, गैर-सूचीबद्ध निवेशों में शेयरधारिता और कुछ अचल संपत्तियां शामिल हैं। आरएचएफएल, आरसीएफएल, यस बैंक धोखाधड़ी के साथ-साथ रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड से जुड़े धोखाधड़ी के मामलों में कुर्की की गई है।

लखनऊ भेजे गए अलंकार, समर्थकों का हंगामा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार की दोपहर कड़ी सुरक्षा के बीच लखनऊ भेज दिया गया। बाहर भेजे जाने की सूचना पर उनके समर्थक आक्रोशित हो उठे और गाड़ी रोकने की कोशिश करते हुए जमकर हंगामा किया। पुलिस अलंकार अग्निहोत्री को गाड़ी में बैठाकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में बाहर भेजने में सफल रही। उनके साथ कुछ करीबी मित्र भी गए हैं। निलंबित अफसर को कहां भेजा गया है, इस पर अफसर मौन रहे, अलबत्ता अलंकार ने स्वयं मैसेज करके बताया है कि वह सुरक्षित हैं और लखनऊ के लिए जा रहे हैं। अलंकार ने रात लगभग 8.50 बजे घर पहुंच कर सकुशल पहुंचने की सूचना दी।

निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार को बुधवार दोपहर निजी वाहन से बरेली से बाहर भेजने से पहले पुलिस-प्रशासनिक अमले ने सुबह से भूमिका बनानी शुरू कर दी थी। एडीएम सिटी सौरभ दुबे व एसपी सिटी मानुष पारिक समेत आला पुलिस-प्रशासनिक अफसर सिटी मजिस्ट्रेट के घर के बाहर जुट गए थे। करीब दो घंटे तक चली वार्ता के बाद अलंकार को बाहर भेजने का माहौल तैयार हुआ। अलंकार को बाहर भेजने की जानकारी मिलते ही समर्थकों में जबर्दस्त आक्रोश फैल गया और हंगामा शुरू हो गया। समर्थकों ने अलंकार को बरेली से बाहर न जाने देने के लिए रोकने का भरकस प्रयास किया। गुस्साए समर्थकों ने पुलिस से धक्का-मुक्की कर दी और अलंकार को ले जा रही कार पर चढ़कर नारेबाजी शुरू कर दी। धक्का-मुक्की में एक इंस्पेक्टर जमीन पर गिर गए। पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर समर्थकों को गाड़ी के आगे से हटाया। इसके बाद पुलिस व प्रशासन अलंकार को बरेली से बाहर भेजने में कामयाब रहा। इसके बाद समर्थकों ने रामपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर जाम लगाकर नारेबाजी की। वहीं, एडीएम सिटी सौरभ दुबे से अलंकार को कहां ले जाने के बाबत पूछने पर उन्होंने स्पष्ट कुछ नहीं बताया। कहा कि वे अपने दोस्तों के साथ गए हैं, अपने घर ही जाएंगे।

पुलिस के साथ नोकझोंक व हाथापाई करते अलंकार अग्निहोत्री के समर्थक।

- अफसरों ने बाहर भेजने के मसले पर चुप्पी साधी, धक्का मुक्की में इंस्पेक्टर गिरे, नारेबाजी
- अलंकार अग्निहोत्री ने स्वयं मैसेज करके बताया, वह सुरक्षित हैं और लखनऊ के लिए जा रहे हैं

एनसीसी युवाओं को राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाने का आंदोलन : मोदी

- राष्ट्रीय कैडेट कोर की रैली को प्रधानमंत्री ने किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में राष्ट्रीय कैडेट कोर के सदस्यों से बातचीत करते प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ऐसा आंदोलन है जो देश के युवाओं को आत्मविश्वासी, अनुशासित, संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाता है। उन्होंने कहा कि देश में कैडेटों की संख्या में निरंतर बढ़ रही है और हाल के वर्षों में यह 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो गई है जिसमें देश के सीमावर्ती और तटीय क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मोदी ने दिल्ली छावनी के करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक एनसीसी पीएम रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, यह ऐसा मंच है जहां युवा अपनी विरासत को गर्व से जीते हैं। उन्होंने देशभर में 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हुए उत्सवों का उल्लेख किया। 'परमवीर सागर यात्रा' को एक उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले सरकार ने अंडमान और निकोबार के 21 द्वीपों का नामकरण परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर किया था, और कैडेटों ने अपनी नौकायन यात्रा के माध्यम से राष्ट्रीय नायकों के सम्मान की इस भावना को आगे बढ़ाया।

कार्यक्रम मुख्यमंत्री ने किया सिद्धार्थनगर महोत्सव का शुभारंभ, 1052 करोड़ की 229 परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

उपद्रव की जगह अब होते हैं उत्सव, 25 करोड़ आबादी परिवार : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश की 25 करोड़ आबादी को परिवार मानकर सरकार ने विकास का अभियान आगे बढ़ाया है। बीमार मानसिकता के लोगों ने पूर्वी उत्तर प्रदेश को लंबे समय तक बीमार बनाए रखा, लेकिन डबल इंजन सरकार ने दृढ़ संकल्प के साथ इस बीमारी को जड़ से खत्म किया। अब उत्तर प्रदेश उपद्रव से उत्सव की ओर बढ़ चुका है।

सीएम बुधवार को पांच दिवसीय सिद्धार्थनगर महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने 1052 करोड़ की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

सिद्धार्थनगर महोत्सव का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

योगी ने कहा कि सरकार बिना भेदभाव के विकास के लिए धन उपलब्ध करा रही है। जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों से योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय की उपस्थिति पर मुख्यमंत्री ने उनका आभार भी व्यक्त किया। योगी ने कहा कि एक समय सिद्धार्थनगर आकांक्षी जनपद इसलिए था क्योंकि यहां विकास नहीं, बल्कि बीमारी और पलायन था। इंसेफेलाइटिस से बच्चों की मौतें होती थीं। पीएम मोदी की प्रेरणा से 2017 में संकल्प लिया गया कि एक भी बच्चा इस बीमारी से नहीं मरेगा। आज यह बीमारी इतिहास बन चुकी है।

बांटकर नहीं, जोड़कर होता है विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि जाति, मत-मजहब, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बांटकर विकास नहीं किया जा सकता। सतत और समग्र विकास ही रामराज्य की अवधारणा का साकार रूप है। गरीबों को राशन, आवास, शौचालय, आयुष्मान कार्ड जैसी सुविधाएं बिना भेदभाव दी जा रही हैं। सरकार की योजनाओं का केंद्र गरीब, महिला, युवा और किसान हैं।

गोरखपुर-शामली बनेगा इकोनॉमिक कॉरिडोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिद्धार्थनगर की कनेक्टिविटी को फोरलेन से जोड़ा जा रहा है। खलीलाबाद-बहराइच रेल लाइन जिले से होकर गुजर रही है, जिससे निवेश बढ़ेगा। गोरखपुर-शामली इकोनॉमिक कॉरिडोर जनपद की तीन विधानसभा क्षेत्रों को जोड़ते हुए विकास का नया मार्ग बनेगा।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 29 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

यूपी-जापान संबंधों को नया आयाम

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश और जापान के बीच वेलनेस टूरिज्म, बौद्ध पर्यटन, खेल पर्यटन (विशेषकर गोल्फ), व्यंजन एवं खानपान, सांस्कृतिक यात्रा तथा साहित्य और ज्ञान आधारित पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए बुधवार को यामानाशी प्रांत से आए जापानी प्रतिनिधिमंडल और उप्र. सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने की। मंत्री जयवीर सिंह ने अप्रैल या मई में जापान में 'यूपी फेस्टिवल' के आयोजन की संभावना भी जताई।

उद्योग के लिए यूपी बना ड्रीम डेस्टिनेशन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार द्वारा किए गए व्यापक नियामक और प्रशासनिक सुधारों का असर अब जमीनी स्तर पर साफ दिखाई देने लगा है। वर्षों से जटिलताओं और अनुपालनों के बोझ से जूझ रहे उद्योग-व्यापार को बड़ी राहत मिली है। 577 प्रावधानों को अपराधमुक्त करने, 948 पुराने कानूनों को समाप्त करने और ट्रेड लाइसेंस जैसी अनिवार्यताओं को खत्म करने से प्रदेश उद्योगों के लिए 'ड्रीम डेस्टिनेशन' के रूप में उभर रहा है। सरकार के सुधारवादी कदमों से न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएं सरल हुई हैं, बल्कि निर्णय लेने की गति भी तेज हुई है।

एक ही परिवार के पांच सदस्यों को उम्रकैद

आजमगढ़, एजेंसी : जिले की एक अदालत ने हत्या के एक मामले में एक ही परिवार के पांच सदस्यों को बुधवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जबकि साक्ष्यों के अभाव में एक आरोपी को बरी कर दिया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश जय प्रकाश पांडेय ने सुनवाई पूरी होने के बाद यह फैसला सुनाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह मामला जहानगंज थाना क्षेत्र के बड़ौदा खुर्द गांव के निवासी शिकायतकर्ता राजेश कुमार और आरोपी राजकुमार के बीच लंबे समय से चले आ रहे जमीन विवाद से जुड़ा है। तीन जनवरी 2023 को राजकुमार और उसके तीन बेटों-दीपक उर्फ अमित, मनीष उर्फ डंपी और सतीश उर्फ पंपी व उसकी पत्नी आशा और एक रिश्तेदार अलका लाठी और कुल्हाड़ी से लैस होकर सुबह राजेश के घर में घुस गए। हमलावरों ने राजेश, उसकी पत्नी कौशल्या, उसके एक रिश्तेदार राकेश और राकेश की पत्नी बबीता पर हमला किया। हमले में लगी चोटों के कारण कौशल्या की मौके पर ही मौत हो गई। जांच के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने राजकुमार, उसके तीन बेटों और उसकी पत्नी आशा को दोषी ठहराया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

ऑडिट में उलझीं जल संरक्षण की 51 परियोजनाएं

कृषि विभाग और परती भूमि विकास की नोडल एजेंसी में खींचतान, अब कृषि निदेशालय कराएगा ऑडिट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : पहले गाइडलाइन फिर बजट और अब विभागीय ऑडिट में परती भूमि विकास विभाग की 34 जिलों में बनी 51 डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई-2.0 यानी जल संरक्षण की परियोजनाएं उलझ गई हैं। पारदर्शिता के लिए कृषि निदेशालय परियोजनाओं का विभागीय ऑडिट कराएगा। यह आदेश भी जारी कर दिया है।

इधर, परती भूमि विकास विभाग की राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी ने गाइडलाइन का हवाला दिया कि केंद्र की इस वित्त पोषित परियोजना में विभागीय ऑडिट का उल्लेख नहीं है, न ही सम्बंधित से इसकी स्वीकृति ली गई। केंद्र की गाइडलाइन के अनुसार, नोडल एजेंसी स्तर से परियोजना का मूल्यांकन (मिड एवं इंड टर्म) का कार्य विशेषज्ञ सरकारी एजेंसी कर रही है। साथ ही भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय में इमपैनल्ड सीए फर्म की ओर से ऑडिट किया जा रहा है। इसके जवाब में कृषि निदेशालय ने शासन स्तर से गठित कमेटी और निदेशक आंतरिक लेखा एवं लेखा परीक्षा निदेशालय की ओर से अनुमोदन के उपरांत ही ऑडिट कराने की बात कही है। राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि किसी तरह की आपत्ति नहीं है। कृषि विभाग ने नियमों के तहत ही ऑडिट का निर्णय लिया होगा। इस मामले पर निदेशक कृषि से संपर्क नहीं हो सका।

मार्च 2026 तक पूरी करनी है परियोजनाएं

यह योजना परती भूमि विकास विभाग की है, जो कर्मियों और संसाधनों की कमी होने पर कृषि विभाग को दी गई थी और भूमि संरक्षण शाखा द्वारा कार्य कराए गए। परियोजनाओं में जल संरक्षण के साथ किसान, ग्रामीण व महिलाओं को आजीविका से जोड़ना है। वर्ष 2023 में धरातल पर कार्य शुरू हुए थे और मार्च 2026 तक इसे पूर्ण करना है। कुल बजट 581 करोड़ रुपये निर्धारित है। इसमें 50 फीसद ही बजट मिलना बताया गया। इससे शेष कार्य व भुगतान करना है।

इन 34 जिलों में परियोजनाएं

लखनऊ, बरेली, कानपुर नगर, आजमगढ़, जौनपुर, कन्नौज, रामपुर, बदायूं, बिजनौर, सम्भल, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अमरोहा, हापुड़, कुशीनगर, देवरिया, महोबा, हमीरपुर, एटा, मथुरा, इटावा, मैनपुरी, चित्रकूट, रायबरेली, अमेठी, वाराणसी, सोनभद्र, मीरजापुर, प्रयागराज, फतेहपुर, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, सहारनपुर व बागपत।

योजना के मुख्य कार्य

- भूजल बढ़ाने के लिए कुओं की मरम्मत व जीर्णोद्धार
- जीर्ण जल संचय बंधियां, चेकडैम, तालाब आदि का जीर्णोद्धार
- कैटिल घाट, छठ पूजन घाट का निर्माण व मरम्मत
- जरूरत के हिसाब से चबूतरा, सीढ़ी, रूफटॉप, हैंडपंप, सोखपिट
- कृषि उत्पाद समूह व महिला समूह बनाना
- खेती, बागवानी, वनीकरण के लिए बीज, सिंचाई आदि में सहायता
- ऊसर, बंजर भूमि का समतलीकरण व कटान रोकना

चालकों को बगैर प्रशिक्षण मार्ग पर न भेजा जाए: एमडी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- परिवहन निगम के सभी 20 क्षेत्रों की समीक्षा

अमृत विचार: सभी चालक एवं परिचालक की ड्यूटी सॉफ्टवेयर के माध्यम से लगाना सुनिश्चित करें। चालकों को बगैर प्रशिक्षण दिलाये मार्ग पर न भेजा जाए। ड्राइवरों को यातायात एवं सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक कर उनकी नियमित काउन्सलिंग की जाए। साथ ही चालकों का ब्रेथ एनलाइजर टेस्ट भी निरंतर किया जाए। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले मौत के आंकड़ों में 50 प्रतिशत तक कमी लाई जाए। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन. सिंह ने बुधवार को यह दिशा-निर्देश जारी किए।

एमडी बुधवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में प्रदेश के सभी 20 क्षेत्रों के अफसरों से मुखातिब थे। इस दौरान सभी रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधकों/सेवा प्रबंधकों, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को जोड़ा गया था। समीक्षा के दौरान प्रबंध निदेशक ने सड़क सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन कराने के निर्देश दिये। प्रबंध निदेशक ने कहा कि गत वर्ष जनवरी में फैटल दुर्घटनाओं की कुल संख्या 23 व घायलों की संख्या 55 रही जबकि इस वर्ष माह जनवरी में 8 फैटल एवं घायलों की संख्या 27 रही।

बख्शे न जाएं भू-माफिया : मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में सुनीं लोगों की समस्याएं, कहा- किसी के साथ अन्याय नहीं होने देंगे

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी व्यक्ति की जमीन पर यदि कोई दबंग या भूमाफिया ने कब्जा किया है, तो उसे तुरंत कब्जामुक्त कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि दूसरे की जमीन कब्जा करने वाले या कमजोरों को परेशान करने वाले भूमाफिया को कतई बख्शा नहीं जाएगा। उनका कहना था कि सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी और हर नागरिक के जीवन में खुशहाली सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री ने यह बातें बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान कहीं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में करीब 150 लोगों ने अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने हर व्यक्ति से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित एवं संतोषजनक समाधान का निर्देश दिया। जनता दर्शन में भूमि कब्जा से जुड़ी शिकायत पर मुख्यमंत्री ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कोई दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न कर पाए।

गोरखनाथ मंदिर में महिला फरियादियों की समस्या सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मुख्यमंत्री ने की गोसेवा, खिलाई गुड़-रोटी

अमृत विचार : गोरखनाथ मंदिर में बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेका। तत्पश्चात उन्होंने मंदिर परिसर में स्थित गोशाला का भ्रमण किया और श्यामा, गौरी, गंगा, भोला सहित सभी गोवंश को अपने हाथों से गुड़-रोटी खिलाई। सीएम योगी की दिनचर्या में गोसेवा शामिल है। मुख्यमंत्री योगी ने अपने हाथ से बच्चों को मिष्ठान्न दिया और दो बच्चों को गोद में लेकर अन्नप्राशन कराया।

इसके अलावा, महिलाओं द्वारा पारिवारिक विवाद और ससुराल पक्ष से जुड़ी शिकायतें भी सामने आईं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दोनों पक्षों के साथ संवाद कर मामले का हल निकाला जाए और जरूरत पड़ने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता भी मांगने पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी ने आश्वस्त किया कि पैसे की कमी से किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

किसानों को एक फोन पर मिलेगी पूरी जानकारी, हेल्पलाइन शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक अहम पहल की है। अब किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। वे एक फोन कॉल के माध्यम से घर बैठे ही सभी जरूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए कृषि विभाग ने बुधवार को कृषि हेल्पलाइन की शुरुआत की।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख के साथ लखनऊ स्थित कृषि निदेशालय में बुधवार को हेल्पलाइन की शुरुआत की। कृषि मंत्री ने बताया कि किसान अब सोमवार से शुक्रवार सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक हेल्पलाइन नंबर 0522-2317003 पर कॉल कर कृषि विभाग से जुड़ी अनुदान, योजनाओं और कृषि निवेश की सभी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी। इस अवसर पर सचिव कृषि इंद्रविक्रम सिंह, कृषि निदेशक पंकज त्रिपाठी, अपर निदेशक आशुतोष मिश्र, संयुक्त निदेशक अखिलेश कुमार सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

हेल्पलाइन का उद्घाटन करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, साथ में मंत्री बलदेव सिंह औलख।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना बनी किसानों की सुरक्षा कवच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संचालित मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना प्रदेश के किसानों और उनके परिवारों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में उभरी है। योजना के तहत दुर्घटना की स्थिति में किसान परिवार को 5 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

- वित्तीय वर्ष 2025-26 में 18,145 किसानों को दी गई 873.58 करोड़ रुपये की सहायता

वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना के तहत 18,145 किसानों या उनके परिवारों को कुल 873.58 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं। योजना की शुरुआत से अब तक 1,08,098 किसानों और उनके परिवारों को लाभ मिल चुका है। वर्ष 2023-24 में योजना का दायरा बढ़ाकर भूमिहीन किसानों और खेतिहर श्रमिकों को भी शामिल किया गया था, जिससे उनकी सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सहायता सुनिश्चित हुई।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर योजना का पूर्ण डिजिटलीकरण किया जा रहा है। एनआईसी की मदद से विकसित वेब पोर्टल और सॉफ्टवेयर फरवरी 2026 तक पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। डिजिटल पोर्टल के माध्यम से किसानों को अब बार-बार तहसील या जिला कार्यालय आने की जरूरत नहीं होगी।

1000 करोड़ के यूपी स्टार्टअप फंड से नवाचार को मजबूती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीड कैपिटल, प्रोटोटाइप और भरण-पोषण भत्ते से स्टार्टअप को मिला सहारा

अमृत विचार : उप्र. सरकार नवाचार, स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। इसी दिशा में एक हजार करोड़ रुपये का यूपी स्टार्टअप फंड गठित किया गया है, जिसका उद्देश्य नए विचारों को व्यवसाय में बदलने में मदद करना है। अब तक इस फंड से स्टार्टअप को सीधे 325 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की जा चुकी है, जिससे प्रदेश में स्टार्टअप संस्कृति को मजबूती मिली है।

प्रदेश में वर्तमान में 19,000 से अधिक स्टार्टअप को डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त है, जिनमें 9,600 से अधिक महिला नेतृत्व वाले हैं। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने में यह बड़ी सफलता मानी जा रही है।

"स्टार्ट इन यूपी" योजना के तहत अब तक 3,000 से अधिक स्टार्टअप को मान्यता दी गई है, जबकि 2,100 से अधिक स्टार्टअप को इनक्यूबेशन सहायता प्राप्त हुई है। 76 मान्यता प्राप्त इनक्यूबेटर स्टार्टअप को तकनीकी, प्रबंधन और मेंटरशिप सहायता दे रहे हैं।

नए स्टार्टअप्स के लिए सीड कैपिटल और मार्केटिंग सहायता के तहत 376 आवेदन स्वीकृत किए गए और 26.43 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई। प्रोटोटाइप विकास के लिए 74 स्टार्टअप को 3.55 करोड़ की मदद दी गई। स्टार्टअप की शुरुआती चुनौतियों को कम करने के लिए भरण-पोषण भत्ता योजना में 2.46 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई और 566 इंसेंटिव आवेदन के तहत 32 करोड़ की सहायता दी गई। प्रदेश में सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तकनीकी शोध और नवाचार को बढ़ावा दे रहे हैं, जिन पर अब तक 27.18 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं।

अपर्णा और प्रतीक में हुई सुलह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाजवादी परिवार से जुड़े अपर्णा यादव और प्रतीक यादव के बीच चला आ रहा विवाद अब समाप्त होता दिख रहा है। दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से सुलह की बात की जा रही है। इसकी पुष्टि प्रतीक यादव ने अपनी पत्नी और अपर्णा यादव के साथ सोशल मीडिया पर एक नई तस्वीर साझा करते हुए की है।

बीते दिनों मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव ने सोशल मीडिया पर राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष व अपनी पत्नी अपर्णा यादव की तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्हें 'स्वार्थी महिला', 'परिवार नाशक' और 'बुरी आत्मा' जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने लिखा था कि अपर्णा ने उनके पारिवारिक रिश्तों को बर्बाद कर दिया है, उनकी मानसिक स्थिति खराब की है और केवल प्रसिद्धि व प्रभाव बढ़ाने में लगी हैं। जिसके बाद दोनों के बीच पारिवारिक मतभेद को लेकर चर्चाएं चल रही थीं, जो मीडिया और राजनीतिक गलियारों में भी सुर्खियों में रही थीं। इस विवाद को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि अब दोनों पक्षों की सहमति के बाद इन चर्चाओं पर विराम लग गया है।

सोशल मीडिया पर साझा की गई अपर्णा यादव व प्रतीक यादव की फोटो।

- प्रतीक यादव ने फोटो के जरिए की समझौते की पुष्टि

राजनीतिक हलकों में इस घटनाक्रम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि अपर्णा यादव वर्तमान में भाजपा से जुड़ी हैं और प्रतीक यादव समाजवादी परिवार से संबंध रखते हैं। ऐसे में यह विवाद राजनीतिक चर्चाओं का भी विषय बना हुआ था। प्रतीक की नई पोस्ट से माना जा रहा है कि इससे अनावश्यक राजनीतिक अटकलों पर भी विराम लगेगा।

हेलमेट स्टाइल को नहीं, जीवन रक्षा के लिए पहनें : किंजल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. परिवहन विभाग की परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि हेलमेट स्टाइल या लुक्स के लिए नहीं, बल्कि जीवन बचाने के लिए पहना जाना चाहिए। बताया कि विदेशों में सड़क दुर्घटनाएं कम होने का कारण वहां का सख्त अनुशासन है, जिसे भारत में भी अपनाने की जरूरत है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे अपने अभिभावकों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करें, क्योंकि बच्चे जो ठान लें, उसे अभिभावक नजरअंदाज नहीं कर पाते।

यह बातें उप्र.परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत लखनऊ स्थित वाहन परीक्षण केंद्र में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत करने के बाद परिवहन आयुक्त बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बिना हेलमेट या लाइसेंस वाहन चलाने से रोकना अभिभावकों की जिम्मेदारी है। लखनऊ के आरटीओ संजय तिवारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। कार्यक्रम में स्काउट-गाइड, एनसीसी कैडेट्स, संभव सेवा समिति और माउंट लिटेरा जी स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रभावशाली नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने और हेलमेट न पहनने के दुष्परिणामों को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। इससे पहले परिवहन आयुक्त ने सड़क सुरक्षा पर आधारित पेंटिंग और स्लोगन प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। समापन सत्र में स्काउट-गाइड और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को यातायात नियमों के पालन और प्रचार-प्रसार की शपथ दिलाई गई। सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले स्कूलों और संस्थाओं को सम्मानित भी किया गया।

सड़क सुरक्षा में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित करतीं परिवहन आयुक्त किंजल सिंह।

अवैध पार्किंग पर परिवहन विभाग का सख्त रुख

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए परिवहन विभाग सड़क सुरक्षा माह के तहत अवैध पार्किंग और नियम उल्लंघन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने बताया कि एक्सप्रेस-वे, नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे और प्रमुख सड़कों के किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 117 होल्डिंग एरिया चिन्हित किए गए हैं। 1 से 27 जनवरी के बीच चलाए गए अभियान में कुल 4,949 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से 3,488 वाहनों के खिलाफ अवैध पार्किंग और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान किए गए। गंभीर मामलों में 55 वाहनों को मौके पर सीज किया गया और 1,847 वाहनों को क्रेन से हटाया गया।

उपलब्धि

वैज्ञानिक अध्ययन, तकनीक और जन-जागरूकता से बना 'लाइटनिंग रेजिलिएंसी मॉडल'

मीरजापुर में लाइटनिंग अरेस्टर से मौतों में 50 प्रतिशत गिरावट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से जनहानि को न्यूनतम करने की दिशा में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। आकाशीय बिजली की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माने जाने वाले मीरजापुर जिले में वज्रपात से होने वाली मौतों में करीब 50 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। यह सफलता वैज्ञानिक अध्ययन, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और व्यापक जन-जागरूकता अभियानों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। सरकार का लक्ष्य अब इन मौतों को पूरी तरह शून्य पर लाना है।

- मुख्यमंत्री योगी ने वज्रपात से जनहानि को न्यूनतम करने की दिशा में उठाया बड़ा कदम
- लाइटनिंग हॉटस्पॉट मैप के आधार पर 80 स्थानों पर ईएसई लाइटनिंग अरेस्टर लगाए गए

भौगोलिक संरचना, पथरीली जमीन और बड़े पैमाने पर खनन कार्यों के कारण मीरजापुर जिला लंबे समय से वज्रपात की दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। योगी सरकार का यह लाइटनिंग रेजिलिएंसी मॉडल अब देश के अन्य संवेदनशील जिलों के लिए भी एक उदाहरण बनकर उभर रहा है।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) मीरजापुर के अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार का कहना है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर उप्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूपीएसडीएमए) को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और जागरूकता अभियानों के माध्यम से मजबूत किया गया। मीरजापुर में लागू किया गया लाइटनिंग मिटिगेशन प्रोजेक्ट इसी का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

डीडीएमए मीरजापुर की ओर से पिछले 4-5 वर्षों के आंकड़ों का गहन विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) लखनऊ के प्रोजेक्ट इवैल्यूएशन, आईआईटीएम पुणे के वज्रपात स्थलीय डेटा, आईआईटी रुड़की से जुड़े विशेषज्ञों के शोध, सीआरओपीसी की ओर से संवेदनशीलता आकलन को शामिल किया गया। पाया गया कि अधिकांश मौतें खुले खेतों, पेड़ों के नीचे, जल स्रोतों के पास और कच्चे मकानों में होती हैं। इसके आधार पर जिले का लाइटनिंग हॉटस्पॉट मैप तैयार किया गया। लाइटनिंग हॉटस्पॉट मैप के आधार पर पहले चरण में जिले के अत्यंत संवेदनशील इलाकों में 80 स्थानों पर अर्ली स्ट्रीमर एमिशन (ईएसई) आधारित लाइटनिंग अरेस्टर लगाए गए। ये उपकरण आकाशीय बिजली को सुरक्षित रूप से जमीन में प्रवाहित कर देते हैं, जिससे आसपास के क्षेत्रों में जान-माल की क्षति नहीं होती। कई अरेस्टरों में लगे इंडिकेटर यह दर्शाते हैं कि वे कई बार बिजली को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर चुके हैं।

मौतों के आंकड़ों में आई गिरावट

वर्ष 2019 में 30 मौतें, वर्ष 2020 में 28 मौतें, वर्ष 2021 में 23 मौतें, वर्ष 2022 में 30 मौतें, जबकि वर्ष 2024-25 और 2025-26 में अब तक यह संख्या घटकर 14 रह गई है।

खराब प्रदर्शन पर 20 जिलों को नोटिस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आयुष्मान कार्ड और फार्मर रजिस्ट्री में तेजी लाने के निर्देश
- समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों को दिए निर्देश

अमृत विचार : फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव एसपी गोयल ने धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई और सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले 20 जिलों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीएम किसान योजना के अंतर्गत सभी लाभार्थियों की फार्मर आईडी 31 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से बनाई जाए। इसके लिए प्रतिदिन लक्ष्य निर्धारित कर निगरानी की जाए।

मुख्य सचिव ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राजस्व वादों की समीक्षा में उन्होंने पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित कराने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना के अंतर्गत 15 लाख नई घरौनियों के वितरण का प्रस्ताव रखते हुए जिलों को गैप आकलन कर अधिकतम घरौनी निर्माण सुनिश्चित करने को कहा गया।

बैठक में बताया गया कि पीएम किसान योजना के तहत 64 प्रतिशत लाभार्थियों की फार्मर आईडी बन चुकी है। योजना का कार्य जून 2026 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है।

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए जारी होगी नई ऑपरेटर आईडी

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत सभी पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड शीघ्रता से बनाने के निर्देश दिए। सभी जिलों को आयुष्मान कार्ड निर्माण के लिए नई ऑपरेटर आईडी जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है। प्रत्येक जिले में न्यूनतम 1000 ऑपरेटर आईडी जारी करने के निर्देश दिए गए। सीएमओ को प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करने को कहा गया, साथ ही लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

न्यूज ब्रीफ

चाय की दुकान में सिलेंडर ब्लास्ट, दो झुलसे

रुड़की। गंगनहर कोतवाली में रामपुर चुंगी स्थित एक चाय की दुकान में बुधवार तड़के 5:30 बजे गैस सिलेंडर फटने से दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अचानक हुए तेज धमाके के साथ आग की लपटें उठने लगीं। इस दौरान दुकान पर चाय पीने आए दो लोग मलबे और आग की चपेट में आ गए। धमाके की गूंज सुनकर पहुंचे आसपास के लोगों ने दोनों लोगों को मलबे से निकाला और तत्काल सिविल अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत नाजुक होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण गैस रिसाव बताया जा रहा है।

पीलीभीत के काश्तकार की सड़क हादसे में मौत

हल्द्वानी, अमृत विचार : पीलीभीत जनपद के रहने वाले एक काश्तकार की हल्द्वानी में सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। कमलुवागांजा क्षेत्र में पैदल चलते समय एक तेज रफ्तार बुलेट बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल काश्तकार को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हायर सेंटर ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हाल निवासी देवपुर, देवका और मूल निवासी नौगांव कल्याणपुर, पीलीभीत के 55 वर्षीय इतवारी लाल पुत्र कन्हाई लाल हल्द्वानी में भतीजे के साथ रहकर कमलुवागांजा क्षेत्र में खेती-बाड़ी करते थे।

पर्यटक की कार बर्फ में फिसलकर खाई में गिरी

नैनीताल, अमृत विचार : बर्फबारी देखने पहुंचे रामपुर निवासी एक पर्यटक की कार पंगोट-किलबरी मार्ग पर मंगलवार रात बर्फ में फिसलकर खाई में गिर गई। वाहन करीब 20 फीट नीचे जाकर खाई के बीच अटक गया। गनीमत रही कि कार के एयरबैग खुलने से चालक की जान बच गई। एसआई दीपक कार्की के अनुसार गंजथाना, रामपुर निवासी उमर शम्सी दोस्तों संग नैनीताल घूमने आया था। बुधवार तड़के बारिश व बर्फबारी के बाद सड़क पर जमी बर्फ के कारण वाहन फिसल गया। स्थानीयों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्षेत्रवासियों की मदद से युवक को सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि फिसलन के चलते मार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है।

रामनगरी को प्लास्टिक कचरा मुक्त बनाएगा बर्तन बैंक

अयोध्या, अमृत विचार : रामनगरी को प्लास्टिक मुक्त बनाने की कड़ी में पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत स्वयंसेवी संस्था चिंतन ने अनूठी पहल की है। उसने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से बर्तन बैंक की स्थापना की है, जिसका लोकार्पण महापौर गिरीश पति त्रिपाठी गुरुवार दोपहर 1 बजे कृष्णानगर बारात घर में करेंगे। इस दौरान नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार, अपर नगर आयुक्त भारत भार्गव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएम शुक्ल, वार्ड के पार्षद रामशंकर, नगर के प्रबुद्ध जन एवं कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एवं पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले आलोक सिंह राना, जयप्रकाश साहू समेत कई स्वयंसेवी भी उपस्थित रहेंगे। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडेय ने बताया कि चिंतन इन्वायरमेंटल रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप ने यह पहल नगर के वातावरण को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए की है। इससे शादी-विवाह के दौरान बड़ी तादाद में उत्पन्न होने वाले प्लास्टिक कचरे में कमी आएगी। यह बर्तन जरूरतमंदों को अत्यंत कम किराए पर दिए जाएंगे।

पूर्णागिरी जनशताब्दी एक्सप्रेस से कटकर ग्रामीण की जान गई

आंखों की कमजोर रोशनी से ट्रेन का अंदाजा न लगा पाने का अंदेशा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

हादसे के बाद रेलवे लाइन किनारे जुटी भीड़। ● अमृत विचार

● न्यूरिया कॉलोनी रेलवे क्रॉसिंग के पास हुआ रेल हादसा

अमृत विचार : न्यूरिया कॉलोनी रेलवे क्रॉसिंग के पास अधेड़ की टनकपुर से दिल्ली जा रही पूर्णागिरी जनशताब्दी एक्सप्रेस की चपेट में आकर मौत हो गई। बताते हैं कि आंखों की रोशनी कमजोर होने की वजह से वह ट्रेन के नजदीक होने का अंदाजा नहीं लगा सके थे। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और मौका मुआयना कर जानकारी की। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के चलते मौके पर भीड़ जमा रही।

हादसा न्यूरिया थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर करीब 12 के आसपास हुआ। बताते हैं कि न्यूरिया कॉलोनी रेलवे क्रॉसिंग के पास 50 वर्षीय ग्रामीण खड़ा था। इसी दौरान पूर्णागिरी जनशताब्दी एक्सप्रेस गुजर रही थी। ट्रेन की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई। कुछ ही देर में लोग जमा हो गए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। न्यूरिया एसओ सुभाष मावी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। हादसे को लेकर जानकारी की गई। मृतक की शिनाख्त न्यूरिया कॉलोनी निवासी परफुल सरकार (50) पुत्र पंचानंद सरकार के रूप में हुई। सूचना मिलने पर परिवार वाले भी आ गए। उनसे पुलिस ने जानकारी की। इस दौरान सामने आया कि परफुल सरकार की आंखों की रोशनी कमजोर थी। वह घर से सुबह ही निकले थे। माना जा रहा है कि आंखों की रोशनी कमजोर होने की वजह से वह ट्रेन की गति और दूरी का अंदाजा नहीं लगा सके होंगे। इसके चलते वह ट्रेन की चपेट में आ गए और मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के चलते ट्रेन भी काफी देर तक मौके पर रुकी रही। एसओ न्यूरिया सुभाष मावी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कमजोर नजर होने के चलते ग्रामीण ट्रेन को समय रहते नहीं देख सका होगा और हादसा हो गया।

बातचीत के बाद सुरक्षा में ले जाए गए डिप्टी कमिश्नर

अयोध्या, अमृत विचार: सरकार के कार्यों के समर्थन में इस्तीफा देने वाले राज्य कर विभाग के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह को सुरक्षा के बीच यहां से कहीं ले जाया गया। चर्चा रही कि उनके आवास ले जाया जा रहा है। इस बीच मीडिया में उनके भाई से फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र पर नौकरी पाने की खबरें भी चल रही हैं। बता दें कि अयोध्या में सरकार के समर्थन में इस्तीफा देने वाले डिप्टी कमिश्नर सिंह से इस्तीफा की वापसी और मान मनौव्वल के लिए कार्यवाहक जिला अधिकारी, अपर जिला अधिकारी नगर, पुलिस अधीक्षक नगर, राज्यकर के बड़े अफसरों ने मंगलवार को लगभग छह घंटे तक बंद कमरे में वार्ता की थी। रात में पुलिस के साथ वह रवाना किए गए थे। चर्चा रही कि जिला प्रशासन के लोग उन्हें उनके लखनऊ आवास लेकर जा रहे हैं, जिससे उनकी पीड़ा कम हो और वह अपने निर्णय पर पुनः विचार कर सकें। हालांकि इसके बाद यहां जानकारी नहीं आई। इस बीच उनके भाई विश्वजीत ने साल 2021 में फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के जरिए नौकरी पाने की शिकायत का मामला भी सुर्खियों में है।

फर्जी कागजातों पर जमानत लेने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : अंतरराज्यीय गैंगस्टर व सपा का जिला पंचायत सदस्य राजा मान सिंह, उसके गिरोह व उससे जुड़े लोगों पर पुलिस की कड़ी निगरानी के चलते थाना पूराकलंदर पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम ने कूटरचित कागजातों के आधार पर जमानत लेने वाले गिरोह को पकड़ने में सफलता पाई है। मामले का खुलासा तब हुआ जब इस गिरोह का सक्रिय बदमाश उपदेश यादव उर्फ बन्टी निवासी नैथुवा बिल्सी जिला बदायूं जमानत पर छूट गया। जमानत लेने वाले संदिग्ध दिखने पर एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने इसकी जांच सीओ अयोध्या को सौंपी थी। जांच में पता चला कि जमानत के तौर पर जो कागजात न्यायालय में पेश किए हैं, वो फर्जी है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

एसएसपी ने बताया कि गैंगस्टर राजा मानसिंह गिरोह का सक्रिय बदमाश उपदेश यादव छह माह से जेल में निरुद्ध था। उसके खिलाफ 17 मुकदमे दर्ज थे। 15 जनवरी को न्यायालय ने उसे जमानत पर रिहा कर दिया था। इसके लिए जमानतदारों ने कथित रूप से सत्यापित दस्तावेज प्रस्तुत किए थे। जब इनकी जांच की गई तो दस्तावेज संदिग्ध लगे। इसके बाद इसकी जांच सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी को सौंपी गई।

जांच के दौरान पता चला कि संबंधित थाना, तहसील व ग्राम प्रधान ने इन दस्तावेजों को सत्यापित ही नहीं किया है। इसके बाद थाना पूराकलंदर में केस दर्ज कर आरोपियों को पकड़ने के लिए थाना पूराकलंदर प्रभारी मनोज कुमार शर्मा, सर्विलांस प्रभारी अमरेश कुमार त्रिपाठी व एसओजी टीम ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनकी पहचान भीम प्रकाश शाही निवासी ग्राम शूशीपार थाना लालगंज जिला बस्ती, सर्वेश कुमार पुत्र श्यामसुंदर चौधरी निवासी खोराखार थाना कोतवाली जिला बस्ती, रवींद्र पाल निवासी महसो थाना लालगंज जिला बस्ती, शंभूनाथ निवासी जसईपुर थाना नगर जिला बस्ती व पवन कुमार निवासी गुलरिहा थाना कलवारी जिला बस्ती के रूप में हुई।

एसएसपी के अनुसार आरोपियों के पास से बरामद नकली दस्तावेज व मोहरों से पता चलता है कि पकड़े गए बदमाशों को फर्जी जमानत लेने का संगठित गिरोह है। इन्होंने किन-किन जनपदों में किसकी फर्जी जमानत ली है, उसके बारे में पता किया जा रहा है। इस संबंध में एक रिपोर्ट न्यायालय को भी प्रेषित की जा रही है।

अकसर जेल में मिलने आते थे आरोपी

एसएसपी के अनुसार पकड़े गए जिला कारागार अयोध्या में निरुद्ध राजा मानसिंह व उसके गिरोह के बदमाशों से मिलने आरोपी कई बार जेल में मिलने भी गए। सभी को पता था कि उपदेश को जमानत मिलने वाली है। इसके लिए उन्हें फर्जी जमानतदार का इंतजाम करने के लिए कहा गया। एसएसपी ने बताया कि सभी आरोपी जिला बस्ती के निवासी है, वहीं से फर्जी जमानत लेने का गिरोह संचालित करते थे। इसे गिरोह में अभी और कितने लोग जुड़े हैं, रुपये प्राप्त करने का साधन क्या था व जमानतदार के रूप में किसे न्यायालय में प्रस्तुत करते थे, इन सभी विषयों पर अभी जांच की जा रही है। बताया कि पकड़े गए बदमाशों का लंबा आपराधिक इतिहास भी है।

अंतिम निस्तारण तक वन गुर्जर बेदखल नहीं होंगे

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आलोक महरा की एकलपीठ ने राज्य सरकार और वन विभाग को आदेश दिया है कि जब तक वन गुर्जरों द्वारा प्रस्तुत वनाधिकार दावों का अंतिम रूप से निस्तारण नहीं हो जाता, तब तक उन्हें उनके कब्जे वाली भूमि से बेदखल न किया जाए और न ही उनकी कृषि गतिविधियों में कोई हस्तक्षेप किया जाए।

मो. अली आदि ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर 'अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वनाधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006' के नियमों का कड़ाई से पालन कराने की मांग की। इनका तर्क था कि वन अधिकारी बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के उन्हें उनकी पारंपरिक भूमि से हटाने की धमकी दे रहे हैं और खेती करने से रोक रहे हैं। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि वन गुर्जर एक मान्यता प्राप्त वन-निवासी समुदाय है, जिनका मुख्य आधार पशुपालन और कृषि है। दलील दी कि तराई पूर्वी वन प्रभाग से संबंधित दावों के संबंध में जिलाधिकारियों और वन अधिकारियों को मई और जून 2025 में कानूनी नोटिस और प्रत्यावेदन दिए गए थे, लेकिन महीनों बीतने के बाद भी शासन स्तर पर इन पर कोई निर्णय नहीं लिया गया, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है।

सरकारी अधिवक्ता ने अदालत को सूचित किया कि ग्राम प्रधान और अन्य संबंधित अधिकारियों की अनुपलब्धता के कारण आवेदनों पर विचार करने में देरी हुई है। हालांकि, सरकार की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि फिलहाल याचिकाकर्ताओं के खिलाफ बेदखली की कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। कोर्ट ने इस बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए निर्देश दिया कि लंबित दावों का निस्तारण कानून के अनुसार यथाशीघ्र किया जाए।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद मामले में उच्च न्यायालय में याचिका दायर

प्रयागराज, एजेंसी: प्रयागराज के माघ मेले में मौनी अमावस्या पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों को पुलिस द्वारा संगम स्नान करने से रोके जाने के मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। अधिवक्ता गौरव द्विवेदी द्वारा दायर इस याचिका में 18 जनवरी, 2026 की घटना की जांच सीबीआई से कराने का अनुरोध किया गया है। इसके अलावा राज्य सरकार को तत्काल प्रभाव से प्रयागराज की मंडलायुक्त, जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस आयुक्त और मेला अधिकारी को हटाने और इनके स्थान पर नए अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश जारी करने का भी अनुरोध किया गया है। याचिका में प्रमुख सचिव (गृह), डीजीपी, मंडलायुक्त, जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस आयुक्त और मेला अधिकारी को पक्षकार बनाया गया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि माघ मेले के सबसे पवित्र स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर प्रशासन द्वारा किसी भी तरह की मनमानी भरा हस्तक्षेप संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत प्रदत्त धार्मिक आचरण के मूल अधिकारों का हनन है।

किशोरी ने फंदा लगाकर दी जान

संवाददाता, धौरहरा

मौके पर लगी ग्रामीणों की भीड़ व मौजूद पुलिस। ● अमृत विचार

● दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराने के अगले दिन उठाया आत्मघाती कदम, आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार: कोतवाली धौरहरा क्षेत्र के एक गांव में दुष्कर्म की पीड़िता 17 वर्षीय किशोरी ने बुधवार सुबह घर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं लोगों में आक्रोश व्याप्त है। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामला दो समुदायों के बीच का होने से गांव में तनाव व्याप्त है।

एक गांव की किशोरी मंगलवार दोपहर अपनी मां और मामा के साथ कोतवाली पहुंची थी, जहां उसने गांव के युवक महफूज के खिलाफ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। किशोरी का कहना था कि वह शौच के लिए जा रही थी। रास्ते में पहले से घात लगाए बैठा दूसरे समुदाय के महफूज ने उसे दबोच लिया और गन्ने के खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुट गई। कुछ घंटों बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया था। उसी दिन किशोरी के बयान की वीडियोग्राफी कराई गई थी और बुधवार को मेडिकल परीक्षण प्रस्तावित था, लेकिन मेडिकल से पहले ही बुधवार तड़के किशोरी ने आत्मघाती कदम उठा लिया।

मृतका की मां के अनुसार मंगलवार रात किशोरी, उसकी बड़ी बहन और मां एक ही कमरे में सो रही थीं। सुबह करीब पांच बजे मां बड़ी बेटी के साथ शौच के लिए बाहर गई। इसी दौरान किशोरी ने कमरे में पंखे से दुपट्टे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। जब मां-बेटी वापस आईं और दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। अनहोनी की आशंका पर दरवाजा तोड़ा गया, तो किशोरी फंदे पर लटकी मिली। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना के बाद गांव में तनाव व्याप्त है।

73 लाख लूट के दोषियों को 10 साल की सजा

रामपुर,अमृत विचार : ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत रामपुर पुलिस की प्रभावी पैरवी से न्यायालय ने 2 आरोपियों को 10 कारावास और 1,10,000-1,10,000 रुपये जुर्माना लगाया। जबकि दो अन्य आरोपियों को 5-5 साल की कारावास व 10-10 हजार रुपये जुर्माना लगाया है।

वर्ष 2011 में चार आरोपियों द्वारा राणा शुगर मिल की बुलेरो को रोककर फायर कर वाहन में बैठे लोगों को घायल किया गया था। आरोपी 73 लाख रुपये नगद व गनमैन की राइफल लूट कर भाग गए। पकड़े जाने पर नगद रुपये, रायफल व नाजायज असलाह बरामद हुआ था। 26 मार्च 2011 को थाना शाहबाद में राहुल सिंह उर्फ बॉबी पुत्र श्यामबीर सिंह निवासी हल्दीखुर्द थाना मीरगंज बरेली, चीनू उर्फ निशांत पुत्र रामबीर सिंह निवासी बुटराडा थाना बाबरी मुजफ्फरनगर, मुजफ्फर पुत्र नौशे निवासी पंडित नगला थाना कटघर मुरादाबाद, पदम सिंह पुत्र किशनलाल निवासी गोविंद नगर थाना कटघर जनपद मुरादाबाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। मामले में स्थानीय पुलिस व मॉनिटरिंग सेल द्वारा न्यायालय में सशक्त, प्रभावी पैरवी की गई।

नोएडा में सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत

नोएडा,एजेंसी: नोएडा में सड़क हादसों में दो पैदल यात्रियों समेत तीन लोगों की मौत हो गई है। फेस-2 के थाना प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि बीती रात सेक्टर 81 के पास महेश प्रसाद (40) पैदल जा रहे थे, तभी एक अज्ञात कार उन्हें टक्कर मार दी और वह उछलकर सड़क किनारे लगे डिवाइडर से जा टकराये। सिंह ने बताया कि पुलिस उन्हें एक सरकारी अस्पताल में ले गयी जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि गेझा गांव के पास बीती रात 32 वर्षीय एक अन्य अज्ञात युवक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि उसे एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बीती रात एक और व्यक्ति की जान चली गई।

जापान से आई महिलाओं ने किया मां ज्वाला का दर्शन

सोहावल, अयोध्या।

मां ज्वाला देवी मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद मौजूद जापान से महिला श्रद्धालुओं का समूह।

● पूजा-अर्चना, मंत्र जप के साथ लगाए जय श्रीराम के जयकारे

अमृत विचार: भारतीय अध्यात्म, आस्था योग और भारतीय संस्कृति के प्रति श्रद्धा लेकर जापान से आईं 10 महिलाओं के समूह ने रामलला के दर्शन के पूर्व मां ज्वाला का दर्शन-पूजन किया। यहां के आध्यात्मिक शांति और स्नेह से अभिभूत हो गई।

जापानी महिलाओं का यह समूह गालीपुर के रहने वाले योगाचार्य नीरज सिंह के यहां आया है। योगाचार्य ने सबसे पहले उन्हें अपनी जन्मभूमि गालीपुर का भ्रमण कराया। गांव की सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक परंपराओं के बारे में बताया। इसके बाद महिला समूह के साथ मां ज्वाला देवी मंदिर खिरौनी पहुंचे। यहां उन्होंने देवी की पौराणिक मान्यताओं, मंदिर के इतिहास और धार्मिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। माथे पर लाल तिलक लगाकर मंदिर पर पहुंची महिलाओं ने पूरे विधि-विधान से देवी मां की पूजा-अर्चना की। हनुमान मंदिर में ॐ हनुमते नमः के उच्चारण के साथ शिव मंदिर में स्थापित शिवलिंग को हाथ जोड़कर महामृत्युंजय मंत्र का उच्चारण किया। श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत दृश्य दिखा। जापानी महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ जय श्रीराम के नारे लगाए। यहां तस्वीरें खिंचवाई। इस दौरान अधिवक्ता दीपक सिंह, दीपू पांडेय, झनमन सिंह, अजय सिंह, अरविंद सिंह आदि ने समूह की महिलाओं को मां ज्वाला की चुनरी और माला देकर स्वागत किया। योगाचार्य ने बताया कि यह समूह विशेष रूप से अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के उद्देश्य से जापान से भारत आया है। जापान में भी योग, ध्यान और भारतीय दर्शन के प्रति लोगों की रुचि तेजी से बढ़ रही है। भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन से वहां के अधिक से अधिक लोग प्रेरणा ले रहे हैं।

मांस मुंह में दबाए जिला अस्पताल में घुसा कुत्ता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● नवजात का अधखाया शव या मांस के टुकड़े को लेकर असमंजस बरकरार

अमृत विचार : जिला अस्पताल परिसर में बुधवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक आवारा कुत्ता मुंह में कुछ दबाए इमरजेंसी के नजदीक पहुंच गया। कुत्ते के मुंह में नवजात का अधखाया शव था या फिर मांस का टुकड़ा इसे लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही। हालांकि सुरक्षा कर्मियों ने कुत्ते को दौड़ा दिया। मेडिकल कॉलेज के जिम्मेदारों का कहना है कि फिलहाल नवजात के शव से जुड़ा कोई मामला नहीं था।

बता दें कि बुधवार सुबह एक आवारा कुत्ता मुंह में कुछ दबाए अस्पताल परिसर में पहुंच गया। बताया जा रहा है कि कुत्ता मुख्य गेट से भीतर आया। उसे इमरजेंसी की तरफ बढ़ता देख सुरक्षाकर्मी दौड़े। कुछ लोगों का कहना था कि कुत्ते के मुंह में नवजात का क्षत-विक्षत अवस्था में शव था।

वहीं, कुछ अन्य लोग मांस का टुकड़ा होने का अनुमान लगाते रहे। सुरक्षाकर्मियों ने कुत्ते को घेरने और तस्वीर स्पष्ट करने का प्रयास किया। कुत्ता पहले हमलावर हुआ और फिर बाहर की तरफ भाग गया। काफी देर तक अस्पताल परिसर में अफरातफरी का माहौल रहा। कुत्ता पकड़ में नहीं आ सका।

बैठक राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 8 अहम प्रस्तावों को दी गई मंजूरी, हेल्थ वर्कर ले सकेंगे म्यूचुअल ट्रांसफर

उत्तराखंड ग्रीन हाइड्रोजन नीति को कैबिनेट की हरी झंडी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

डिप्टी सीएम अजीत पवार व सहयोगियों के निधन पर शोक जताते सीएम धामी एवं सहयोगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में आयोजित कैबिनेट की बैठक में आठ फैसलों को मंजूरी दे दी गई। कैबिनेट ने राज्य में हरित हाइड्रोजन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 'उत्तराखंड ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2026' स्वीकृति दी है।

प्रस्ताव के अनुसार, राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन नीति 2022 व राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन 2023 आगामी दशक में भारत को ग्रीन हाइड्रोजन का वैश्विक केंद्र बनाने के दृष्टिकोण से अत्यंत उपयोगी होने के परिप्रेक्ष्य में उत्तराखंड सरकार भी ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत प्रदेश में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा उत्पादन स्रोतों को प्रोत्साहित करेगी। ग्रीन हाइड्रोजन एक स्वच्छ ऊर्जा एवं औद्योगिक ईंधन होने के कारण नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा। राज्य में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध जल विद्युत जैसे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए होगा। इससे विकास व रोजगार बढ़ेगा। कार्बन उत्सर्जन रहित एवं जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों के सापेक्ष राज्य के योगदान को पूर्ण करने के साथ ही ग्रीन हाइड्रोजन, बाजार निर्माण और मांग एकत्रीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

दूसरे प्रस्ताव में, कैबिनेट ने राज्य चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के ऐसे स्वास्थ्य कार्यकर्ता/स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों को संपूर्ण सेवाकाल में एक बार आपसी समझ (म्यूचुअल अंडरस्टैंडिंग) के आधार पर जनपद परिवर्तन करने की अनुमति दे दी है जिन्होंने अपने मूल संवर्ग में न्यूनतम 5 वर्ष की सन्तोषजनक सेवा पूरी कर ली हो।

भूजल पंजीकरण शुल्क 5000 रुपये तय

कैबिनेट ने राज्य में गैर कृषिकारी उपयोग के लिए भूजल निकास पर जल मूल्य/प्रभार की दरें तत्काल लागू करने के सम्बन्ध में स्वीकृति दी है। प्रस्ताव के अनुसार, राज्य में उद्योग बढ़ाने, भूजल विकास एवं प्रबंधन विनियमित करने, भूजल का अनियन्त्रित दोहन सीमित करने के उद्देश्य से औद्योगिक इकाईयों एवं व्यावसायिक उपयोग-रेजीडेंशियल अपार्टमेंट/ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी, होटल, वॉटर एम्यूजमेंट पार्क, वाहन धुलाई सेंटर, स्वीमिंग पूल आदि के लिए सुरक्षित क्षेत्र, अर्द्धगम्भीर क्षेत्र, गम्भीर क्षेत्र एवं अतिदोहित क्षेत्र की जल मूल्य/प्रभार की दरों को लागू किया जाए। ऐसे क्षेत्रों के लिए पंजीकरण शुल्क 5000 रुपये देय होगा। (कैबिनेट के अन्य फैसले-पेज 2 पर)

धामी कैबिनेट ने जताया शोक

बैठक शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और कैबिनेट के सदस्यों ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार और उनके सहयोगियों के विमान हादसे में हुए निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। दो मिनट का मौन रखते हुए ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि, अजीत पवार ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए सदैव करुणा, संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया।

आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने का आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर,एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में 23 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि यह गिरफ्तारी जिले के तितावी थाना अंतर्गत सैदपुर खुर्द से की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने बताया कि अहमद नाम के युवक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और 353 (सार्वजनिक उपद्र को बढ़ावा देने वाले बयान) के तहत मामला दर्ज किया गया और आरोपी युवक को हिरासत में लिया गया है।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मौहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

अब डॉ. मोहित गुप्ता
रविवार को भी मिलेंगे
प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें

ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

भेदभाव वाले नियम का तीव्र विरोध

ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, कायस्थ महासभा ने यूजीसी के खिलाफ दिया ज्ञापन

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा लागू किए गए नए भेदभाव-रोधी नियम को लेकर सवर्ण समाज में भारी रोष व्याप्त है। बुधवार को ब्राह्मण महासभा, क्षत्रिय महासभा, वैश्य महासभा एवं कायस्थ महासभा से जुड़े लोगों ने सवर्ण समाज मोर्चा के तत्वावधान में उपजिलाधिकारी आंवला के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए नियमों को तत्काल वापस लेने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया है कि 15 जनवरी 2026 से लागू किए गए नए नियम सवर्ण समाज के छात्रों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने वाले हैं। आरोप लगाया गया कि इन नियमों की आड़ में शिक्षा संस्थानों में सवर्ण छात्रों को झूठी शिकायतों के माध्यम से फंसाया जा सकता है। नई व्यवस्था के तहत गठित इक्विटी कमेटी, इक्विटी स्क्वॉड और हेल्पलाइन के माध्यम से बिना ठोस जांच के मात्र सात दिनों में कार्रवाई किए जाने का प्रावधान शिक्षा के

यूजीसी रोल बैक के पोस्टर दिखाते सवर्ण समाज के लोग। ● अमृत विचार

- **शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप, नियम वापस लेने की मांग**

अधिकार का उल्लंघन है।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इस प्रकार के नियम सामाजिक समरसता को तोड़ने का कार्य करेंगे। पत्र में आरोप लगाया गया कि अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ा वर्ग द्वारा सवर्ण छात्रों के साथ होने वाले मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न की घटनाओं पर कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है, जबकि नए नियमों में सवर्ण समाज को ही निशाना बनाया जा रहा है। जेएनयू की दीवारों पर लगाए गए नारों का उदाहरण देते हुए कहा गया कि ऐसी घटनाओं पर कार्रवाई के बजाय सवर्ण छात्रों को ही दोषी ठहराया जा रहा है। चेतावनी दी गई कि यदि यूजीसी द्वारा यह नियम वापस नहीं लिया गया तो सवर्ण समाज को मजबूरन सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करना पड़ेगा। इस दौरान अधिवक्ता आशीष शर्मा, सुनील कुमार शर्मा, गोपाल सिंह, जयगोविंद सिंह, नितिन महाराज, अंशु अग्रवाल, जितेंद्र मित्तल, दुर्गेश सक्सेना, अमित शर्मा, यथार्थ शर्मा, योगेश शर्मा, ओमेंद्र सिंह चौहान, राजकुमार सिंह चौहान, गुड्डू सिंह फौजी, रिषभ शर्मा, आशीष हिन्दू, संदीप बंसल, आदि तमाम सवर्ण समाज के लोग मौजूद रहे।

बहन की ससुराल में मिला फरीदपुर के युवक का शव, जांच शुरू

संवाददाता, फरीदपुर

- **परिवार में हुए विवाद के बाद युवक बहन की ससुराल दातागंज गया था**
- **वहां से आई युवक की मौत की सूचना, फरीदपुर कोतवाल ने घर वालों को दी जानकारी**

अमृत विचार : मोहल्ला महादेव निवासी एक युवक का शव बदायूं के दातागंज क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन रोते-बिलखते दातागंज थाने पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बिजनेस उर्फ बृजेश राठौर (30) निवासी मोहल्ला महादेव की शादी फरीदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बिलौआ से हुई थी। उसकी पत्नी मायके में रह रही थी, सूचना मिलते ही वह भी ससुराल पहुंच गई। बताया गया है कि मृतक की बहन की ससुराल दातागंज क्षेत्र के गीलोर में है। परिजनों के अनुसार, बिजनेस उर्फ बृजेश घर से किसी पारिवारिक विवाद के बाद अपनी बहन के घर गया था। माना जा रहा है कि वह बहन से परामर्श करने गया था। लेकिन वहां से उसके मौत की सूचना आई। घटना की जानकारी दातागंज प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश द्वारा फरीदपुर प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम को दी फरीदपुर पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी । सूचना पाकर परिजन दातागंज थाने पहुंचे, जहां पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। मृतक बिजनेस के छोटे भाई की भी कुछ समय पहले मृत्यु हो चुकी है, जिससे परिवार पहले ही गहरे सदमे में था। मृतक तीन भाइयों में तीसरे नंबर का था ।

पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल युवक की मौत को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

सात दिन बाद फिर बह कर आए गोवंश के अवशेष

फतेहगंजपूर्वी, अमृत विचार : एक सप्ताह के बाद बुधवार को फिर से रामगंगा में गोवंश पशुओं के अवशेष बहकर आए और कादरगंज - जरौल गांव के बीच रामगंगा नदी में मिले। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोवंश पशुओं के अवशेषों को दफन करा दिया ।

कादरगंज - जरौल गांव के ग्रामीणों द्वारा सुबह थाना पुलिस को सूचना दी गई कि रामगंगा में किनारे कुछ गोवंशीय पशुओं के अवशेष दिखाई दे रहे हैं । मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी ने करीब आधा दर्जन गोवंशीय पशुओं के अवशेष वहां देखे। यह पुराने लग रहे थे और नदी में बहकर किनारे आ गये थे। उन्होंने अवशेष को दफन कराया।

बीती 19 जनवरी को भी रामगंगा नदी में गोवंशीय पशुओं के कुछ अवशेष मिले थे । थाना प्रभारी ने बताया रामगंगा में अधिक जल के कारण बीते दिनों गोवंश पशुओं की मौत हो गई थी जिनके अवशेष काफी दूर से पानी में वह कर चले आ रहे हैं जिनको आज फिर जेसीबी की मदद से दफन करा दिया गया है ।

दिव्यांग का रिक्शा तोड़कर की मारपीट

आंवला अमृत विचार : दबंगों ने मारपीट कर दिव्यांग व्यक्ति का ई रिक्शा तोड़ दिया। दिव्यांग की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पीड़ित जयनंदन हाल निवासी ग्राम संग्रामपुर थाना आंवला है। वह पैर से दिव्यांग जयनंदन बहन के घर रहकर किश्तों पर लिए ई-रिक्शा चलाकर जीवन यापन करता है।

21 जनवरी की शाम रिक्शा खड़ा कर दुकान पर सामान लेने गया। तभी जफर तथा उसके पांच छह साथियों ने ई-रिक्शा में तोड़फोड़ कर दी और पिटाई की। उसे चोटें आई हैं साथ ही ईरिक्शा क्षतिग्रस्त होने से आमदनी बंद हो गई।

घर में घुस कर युवती से छेड़छाड़, मुकदमा

संवाददाता, भुता

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के एक गांव में घर में सो रही युवती के साथ गांव के युवक ने घर में घुसकर की छेड़छाड़, पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ तहरीर दी है जिस पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पीड़िता ने बताया रात घर में सो रही थी। तभी अचानक गांव निवासी राजपाल घर में घुस आया और जबरन छेड़खानी करने लगा। शोर मचाने पर पास में सो रही मां जाग गई। जिससे आरोपी किसी से शिकायत करने पर मुझे और मां को जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गया। रात में किसी के घर में घुसने का युवक के दुस्साहस की गांव में चर्चा हो रही है।

चर्चा है कि बाहरी व्यक्ति अनजाने में ऐसा कर सकता है इस काम में युवक को किसी ने उकसाया होगा। तभी उसने हिम्मत दिखाई है। थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया पीड़िता के तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच व आरोपी की तलाश कर रही है।

एटीएम कार्ड चोरी कर पैसे निकालने वाला युवक गिरफ्तार

बहेड़ी, अमृत विचार : पुलिस ने एटीएम कार्ड चुराकर 25हज़ार रूपये चुराने के आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

14 दिसम्बर कोगांव सिली जागीर के मोहम्मद सलीम ने पुलिस से शिकायत की थी कि उसका एटीएम कार्ड चोरी हो गया है,और उससे 25 हज़ार रूपये निकाल लिए। गश्त के दौरान पुलिस ने रेलवे स्टेशन के पीछे से एक युवक को गिरफ्तार किया, पूछताछ में उसने अपना नाम शुएब बताया। उसने एटीएम कार्ड चोरी करने और उससे 25हज़ार रूपये निकालने की बात स्वीकार की।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को | समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
•CARE FOR SURE•
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
दयूलिप ग्राउंड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

49 लोगों ने दस्तावेज के साथ किए आवेदन

संवाददाता, शेरगढ़

अमृत विचार : ब्लॉक मुख्यालय सभागार में सघन पुनरीक्षण अभियान के तहत नोटिसों की सुनवाई की गई। तहसीलदार न्यायिक मीरगंज सुरभि राय ने मतदाताओं के नोटिसों की सुनवाई कर आवेदन प्राप्त किये। इस दौरान 49 मतदाताओं ने अपने-अपने आवेदन किये।

उन्होंने बताया कि नोटिसों की सुनवाई का कार्य जारी है। बुधवार को 49 लोगों ने वोट बनवाने के लिए जरूरी दस्तावेजों के साथ आवेदन किये है। उन्होंने बताया कि 31 जनवरी को क्षेत्र के सभी मतदाता बूथों पर विशेष बूथों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मतदाताओं को सघन पुनरीक्षण अभियान संबंधी जानकारी देने के साथ ही नोटिसों की सुनवाई की जाएगी। मतदाताओं का आरोप है कि मतदाता बूथों पर तैनात बीएलओ के पास फॉर्म-6 नहीं हैं जिससे उन्हें निजी दुकानों से फार्म खरीद कर आवेदन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। जन सेवा केंद्रों पर मोटी रकम खर्च करनी पड़ रही है। तहसीलदार न्यायिक ने बताया कि सभी बीएलओ पर फार्म उपलब्ध हैं।

न्यूज डायरी

राजीव गुप्ता बने होली सेवा समिति के अध्यक्ष

नवाबगंज,, अमृत विचार : बाबूराम धर्मशाला में होली सेवा समिति की हुई सार्वजनिक बैठक में सर्वसम्मति से राजीव गुप्ता को समिति का अध्यक्ष चुना गया। बैठक के दौरान पूर्व कृष्ण लीला अध्यक्ष सुशील वर्मा ने अध्यक्ष पद के लिए नाम प्रस्तावित करने को कहा, लेकिन उपस्थित सभी सदस्यों ने किसी अन्य नाम का प्रस्ताव न रखते हुए राजीव गुप्ता के नाम पर सर्वसम्मति जताई।बैठक में प्रदीप सूरी तथा भाजपा के नगर महामंत्री राजीव शुक्ला ने कहा कि नवाबगंज में होली सेवा समिति की जिम्मेदारी राजीव गुप्ता को सौंपा जाना खुशी की बात है। बैठक में वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के संस्थापक प्रदीप सूरी, वीरेंद्र गुप्ता उर्फ लल्लू, मुरारी गुप्ता, शरद गुप्ता, कपिल शर्मा सहित अतुल गहोई, विकास गुप्ता, राकेश सक्सेना, बंटू राठौर, वरुण गौड़, संजू गुप्ता, श्रषि वर्मा, नेमचंद प्रजापति आदि रहे।

एसडीएम ने नगर पंचायत शीशगढ़ का किया निरीक्षण

मीरगंज, अमृत विचार : बुधवार को मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण नोटिस सुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत नगर पंचायत शीशगढ़ में बनाए गए केंद्र का एसडीएम आलोक कुमार ने औचक निरीक्षण किया। मीरगंज विधानसभा के इस केंद्र पर बूथ नंबर 1 से 51 तक की सुनवाई चल रही है जिसके सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अरविंद कुमार सिंह नायब तहसीलदार हैं ।निरीक्षण के दौरान सुनवाई के लिए जारी 129 लोगों में 86 लोग अभी तक उपस्थित होकर अपना साक्ष्य दे चुके हैं।एसडीएम द्वारा निर्देशित किया गया कि यदि कोई मतदाता नियत तिथि पर साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर रहा है तो उसे अगली तिथि दें। , यह भी निर्देशित किया गया कि यदि कोई मतदाता जिसे नोटिस जारी किया गया है ,स्वयं उपस्थित होने में असमर्थ है तो वह अपना प्रतिनिधि नामित कर अपने साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है। ब्लॉक कार्यालय में बीडीओ आनन्द विजय यादव द्वारा और बीईओ कार्यालय में अवनीश कुमार द्वारा सुनवाई की जा रही है।

व्यापारी की पुण्यतिथि पर परिजन ने बांटे कंबल

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : कस्बा के सर्राफा व्यवसाई स्व0 हरि शंकर गोयल उर्फ हरी लाला की दूसरी पुण्यतिथि 28 जनवरी को हवन-पूजन किया गया। इस दौरान उनके परिजन ने कंबल वितरण किया। इसे पाने के लिए करीब आधा दर्जन गांवों से आए ग्रामीण व असहाय एवं विकलांग, सूरदास, साधू संतों को कंबल वितरण किया गया। कम्बल वितरण करने वालों में मोहिनी गोयल, संजीव गोयल,प्रिति गोयल, प्रवीन गोयल, रजनी गोयल, गोविन्द गोयल, गौतम गोयल, तुषार गोयल सहित आदि परिवार के लोग साथ रहें।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने सगे पुत्र प्रदीप कुमार को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **रामबहादुर पुत्र श्री मिहीलाल निवासी ग्राम सहोड़ा, थाना शीशगढ़, तहसील मीरगंज, जिला बरेली**

NOTICE

I, Hav Dev Datt No. 14657158P Unit 101 FD REGT (LRW) C/o 56 APO R/o Bhatpura saidnagar Bajar patti rampur U.P. 244927. मेरे सेवा अभिलेखों में मेरी पत्नी का नाम (Kasturi Devi) कस्तूरी देवी दर्ज है, जबकि उनका वास्तविक नाम कस्तूरी देवी (Kastoori Devi) है। इसी प्रकार, सेवा अभिलेखों में उनकी जन्मतिथि 30.12.1985 दर्ज है, जबकि नागरिक दस्तावेजों के अनुसार उनकी वास्तविक जन्मतिथि 01.01.1987 है। Affidavit Date 20.01.2026

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पुत्रवधु श्रीमती पूनम पत्नी स्व. राहुल माहेश्वरी को गलत चाल-चलन एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **रवि कान्त माहेश्वरी पुत्र धर्मपाल निवासी 159, ख्वाजा कुतुब पूर्वी, बरेली**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

हार्ट अटैक से महिला की मौत

बिशारतगंज,अमृत विचार : कैंसर से पुत्र की मौत से आहत मां की भी बुधवार को हार्टअटैक से मृत्यु हो गई। वह 82 वर्ष की थी। इससे परिवार में लोग दुखी हो गये। मझगवां की ग्राम पंचायत रहमानपुर के प्रधान विद्याराम मौर्य की कैंसर से लंबे इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। तभी से उनकी मां माया देवी पुत्र वियोग में चिंतित रहती और मानसिक तनाव में रहती थी। बुधवार की सुबह दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। मायादेवी की मृत्यु की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक प्रधान के बड़े भाई सुरेश मौर्य ने बताया कि भाई विद्याराम की मृत्यु के बाद से मां विद्याराम के छोटे बच्चों के पालन पोषण को लेकर चिंता में रहती थी।

स्मैक के साथ युवक पकड़ा

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने देर रात एक स्मैक तस्कर को पकड़ जेल भेज दिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 33 ग्राम स्मैक बरामद की गई है। पुलिस ने स्थानीय बाईपास चिटौली अंडरपास से कस्बा के मोहल्ला सराय वार्ड 15 निवासी साहिल को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 33 ग्राम स्मैक बरामद की गई।उसे गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

4 किग्रा डोडा छिलका के साथ गिरफ्तार

मीरगंज, अमृत विचार : पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 4 किलो 632 ग्राम डोडा छिल्का बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। पकड़ा गए आरोपी ने अपना नाम अजीत शर्मा उर्फ मोनू पुत्र स्वर्गीय नरेश कुमार शर्मा, निवासी गांव बगरऊ, थाना शाही बताया। उसने स्वीकार किया कि वह ढाबों पर ट्रक चालकों को डोडा छिल्का बेचता था इससे वह अपने परिवार का भरण- पोषण करता था।

क्रय केन्द्रों पर कीचड़ नहीं हुई तौल

शेरगढ़, अमृत विचार : क्षेत्र में हुई बूंदाबांदी से गन्ना क्रय केन्द्रों पर अत्यधिक कीचड़ हो जाने से किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मीरगंज चीनी मिल से संबद्ध गन्ना कृय केंद्र रम्पुरा (प्रथम) के मैदान में तो पानी भरने से बुधवार को गन्ना की तौल भी नहीं हो सकी। बारिश से खेतों में अत्यधिक नमी के चलते गन्ना खेतों से बाहर नहीं निकल सका जिस कारण क्रय केंद्र से संबद्ध रम्पुरा,डेलपुर,पिपौली आदि गांवों के किसान वाहन लेकर क्रय केंद्र नहीं पहुंच सके। बताया जाता है कि इस दौरान क्रय केंद्र प्रभारी काफी समय तक किसानों का इंतजार करते रहे लेकिन कोई भी किसान गन्ना लेकर क्रय केंद्र पर नहीं पहुंचा। बुधवार को दोपहर बाद मौसम साफ होने पर लोगों ने राहत की सांस ली।

गन्ना किसानों के खातों में समय पर पहुंचा पैसा

फरीदपुर अमृत विचार : द्वारिकेश चीनी मिल प्रबंधन ने 19 जनवरी तक मिल को आपूर्ति किये गये गन्ने का 2006 .40 लाख का भुगतान किसानों को कर दिया है। । अब तक चीनी मिल कुल 20217 .38 लाख रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान कर चुकी है, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिली है। केन यार्ड में मुख्य महाप्रबंधक गन्ना पवन कुमार चतुर्वेदी ने किसानों से अधिक क्षेत्रफल में उन्नतशील प्रजातियों की तकनीकी ढंग से बुवाई कर पैदावार बढ़ाने और चीनी मिल की विकास योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

भोजीपुरा में विकास कार्यों का बहिष्कार करेंगे प्रधान

सपा विधायक शहजिल इस्लाम ने आंदोलन का किया समर्थन

संवाददाता, भोजीपुरा

भोजीपुरा में प्रधानसंघ के आंदोलन में पहुंचे विधायक शहजिल इस्लाम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : थाना क्षेत्र में ग्राम प्रधान व उसके पति पर दर्ज हुई प्राथमिकी को लेकर अखिल भारतीय प्रधान संगठन और ब्लॉक कर्मचारीगण पुलिस प्रशासन के मनमाने रवैये को बताते हुए एकजुट हो गये हैं। बच्चे की नाले में डूबकर हुई मौत के मामले में प्रधान के खिलाफ दर्ज रिपोर्ट के बाद प्रधान संघ ने आंदोलन शुरु कर दिया है। बेमियादी हड़ताल पर बैठे प्रधानों ने चेतावनी दी है कि जब तक प्रधान के खिलाफ दर्ज मुकदमा वापस नहीं लिया जाएगा तब तक आदोलन जारी रहेगा। बुधवार को सपा विधायक शहजिल इस्लाम ने धरना स्थल पहुंचकर आंदोलन का समर्थन किया।

प्रधान संघ अध्यक्ष कुलवंत सिंह ने बताया कि जब तक इस मामले में ग्राम प्रधान व उसके पति पर दर्ज की गई प्राथमिक की वापस नहीं लिया जाएगा तब तक धरना प्रदर्शन नियमित रूप से जारी रहेगा भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर धरने को विस्तृत रूप देते हुए जिला स्तर पर भी ले जाया जाएगा। क्षेत्रीय विधायक शहजिल इस्लाम अंसारी भी धरने में प्रधानों का दुख दर्द साझा करने पहुँचे। उन्होंने प्रधान पर दर्ज प्राथमिकी को नियम विरुद्ध बताते हुए पुलिस के मनमाने रवैये पर सवाल खड़ा कर उच्च अधिकारियों से बात करने के लिए आश्वासन दिया। उनके जाने के कुछ देर बाद कई जनप्रतिनिधि धरना स्थल पर पहुंचने लगे। इस दौरान भुवनेश गंगवार व ब्लॉक प्रमुख योगेश पटेल भी पहुँचे। धरने में मुख्य रूप से जितेंद्र गंगवार , सर्वेश मौर्य , रामकुमार गंगवार ,रामनिवास गंगवार,सद्दाम हुसैन ,केदारनाथ ,नरेश गंगवार, मौसर खा, करम खान, जावेद , प्रेमजीत सिंह , ह्रदेश मौर्य ,यासीन ,राधा यादव ,प्रीतम राय सहित समस्त गांव के प्रधान और ब्लॉक कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

नाबालिग को उठाकर ले जाने व दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

हाफिजगंज, अमृत विचार : हाफिजगंज क्षेत्र के ग्राम साबरखेडा में नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पीड़िता के अनुसार घटना के समय वह घर में अकेली थी। उसके पिता गल्ला खरीदने के काम से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान गांव का ही एक युवक घर में घुस आया और उसे जबरन उठाकर अपने घर ले गया, जहां उसके साथ जबरदस्ती कर दुष्कर्म का प्रयास किया गया। विरोध करने पर आरोपी ने पीडिता के साथ मारपीट की। पीडिता के पिता ने बताया कि सबह करीब पांच बजे बच्ची के घर पर न मिलने पर तलाश की गई। इसके बाद परिजन पूरन देवी व सौरभ के साथ

आरोपी के घर पहंचे और पीड़िता को वहां से छुड़ाकर लाए। हाफिजगंज कोतवाल प्रवीण कुमार सोलंकी ने बताया कि पीड़िता की। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सचिव ने दो सप्ताह बाद भी नहीं हटाए निजी कर्मी

संवाददाता, अलीगंज

● ब्लॉक प्रमुख ने निजी कर्मियों को हटाने का ग्राम पंचायत सचिव को दिया था निर्देश

अमृत विचार: पंचायत सचिव न तो सचिवालय में बैठ रहे हैं न ही उनके जरिए जरूरी प्रमाण पत्र ग्रामीणों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सचिवालयों में सचिवों द्वारा तैनात निजी कर्मचारी गांवों में जरूरी प्रमाण पत्र मुहैया कराने के लिए ग्रामीणों का आर्थिक दोहन कर रहे हैं। ब्लाक प्रमुख ने एक बैठक में सभी सचिवों से निजी कर्मचारियों को हटाने और सप्ताह में एक दिन सचिवालय में बैठने के निर्देश दिये थे लेकिन बैठक के बाद मझगवां ब्लाक प्रमुख के निर्देशों को पंचायत सचिवों ने ठेंगा दिखा दिया है।

पिछले दिनों बैठक में ब्लाक प्रमुख यशवंत सिंह को एक ग्रामीण ने बताया था कि सचिवालय में सचिव नहीं उनके लगाए कर्मचारी काम करते हैं और वह हर काम के पैसे वसूलते हैं। तभी ब्लॉक प्रमुख यशवंत सिंह ने सभी ग्राम सचिवों से अनाधिकृत तौर पर रखे गए सभी प्राइवेट कर्मचारियों को हटाने के साथ सप्ताह में एक दिन एक ग्राम पंचायत पर बैठकर ग्रामवासियों को उनके जरूरी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। लेकिन दो सप्ताह बाद भी किसी ग्राम सचिव ने निजी कर्मचारी नहीं हटाए हैं। वह पहले की तरह की कार्य कर रहे हैं। वे ही विकास कार्यों के साथ जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र आदि सरकारी कार्य बेखौफ होकर करा रहे हैं।

यह हाल तब है जब सरकार ने प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत सहायकों की तैनाती की है। अलीगंज मझगवां ब्लाक की 87 ग्राम पंचायत के विकास कार्य के लेखा जोखा रखने के लिए यहां पंचायत सहायकों की तैनाती की गई हैं इन्हें हर माह मानदेय भी दिया जाता है। यही प्राइवेट कर्मचारी जरुरतमंद ग्रामीणों से मनमाना सुविधा शुल्क वसूलकर उन्हें जन्म मृत्यु आदि प्रमाण पत्र बनाकर दे रहे हैं। ब्लॉक प्रमुख यशवंत सिंह सिंह ने कहा है ग्राम सचिवों की मनमानी का मामला वह शीघ्र ही डीएम और सीडीओ के समक्ष रखकर कड़ी कार्रवाई कराएंगे। बीडीओ सुनील शर्मा ने कहा कि यदि ग्राम सचिव किसी बाहरी कर्मी से विभागीय कार्य करा रहे हैं तो बख्शा नहीं जाएगा।

ब्लॉक अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे प्रदेश अध्यक्ष

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : शिक्षकों की समस्याओं को सुनने एवं समीक्षा बैठक करने के लिए प्रदेश अध्यक्ष बरेली में एक फरवरी को आ रहे हैं । यह जानकारी आज एक बैठक में जिला अध्यक्ष शिव स्वरूप शर्मा के द्वारा शिक्षकों को दी गई । उन्होंने सभी ब्लॉकों के अध्यक्ष, मंत्रियों से समीक्षा बैठक में पहुंचने की अपील की ।

बैठक में जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेश चंद्र शर्मा एवं महामंत्री संजय सिंह एक फरवरी को बरेली आ रहे हैं ।वह सभी ब्लॉकों के अध्यक्ष मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे । प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष शिक्षकों की समस्याएं जैसे अनावश्यक ड्यूटी, स्कूल टाइम के बाद संकुल मीटिंग समेत तमाम समस्याएं भी प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष रखी जाएगी । बैठक में सुनील शुक्ला, अरुण तोमर, कामरान खान, भूप सिंह, मनोज मिश्रा अर्पणा शर्मा, क्षितिज चौहान, राहुल सिंह ,शिवम अग्रवाल, कल्पना , गोपाल जायसवाल, हरपाल सिंह, नुजहत खान,आदि लोग मौजूद रहे।

तहसील प्रशासन की उदासीनता से नहीं हटा कब्जा

संवाददाता, नवाबगंज

इसी सरकारी भूमि पर दिखावे के लिए कुछ गन्ना कटवाया शेष छोड़ दिया गया।

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र में सरकारी भूमि पर कब्जा हटाने को लेकर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। क्षेत्र के गांव ज्योरा मकरंदपुर में ग्राम समाज की भूमि पर वर्षों से चला आ रहा अवैध कब्जा अब तक नहीं हटाया जा सका है। आरोप है कि राजस्व विभाग की लापरवाही और मिलीभगत के चलते मामला लंबित बना हुआ है।

गांव की गाटा संख्या 508, 739 व 116 की भूमि वर्ष 2013 में संतराम, उनकी पत्नी तथा उनके भाई और भाभी के नाम कृषि पट्टे के रूप में आवंटित की गई थी। आरोप है कि उस समय तहसील कर्मियों से सांठगांठ कर अभिलेखों में निर्धारित रकबे से अधिक भूमि दर्ज कर ली गई। बाद में समयावधि पूरी होने पर ये पट्टे निरस्त कर दिए गए, इसके बावजूद कब्जेदारों ने भूमि खाली नहीं की।

ग्रामीणों का कहना है कि भूमि की कीमत अधिक होने के कारण कब्जेदार इसे छोड़ने को तैयार नहीं हैं। इस संबंध में गांव निवासी लालाराम और सूरजपाल ने तहसील दिवस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके आधार पर 4 फरवरी 2024 को थाना नवाबगंज में संतराम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। कुछ समय बाद संतराम की मृत्यु हो जाने पर पुलिस ने मामले में अंतिम रिपोर्ट लगा दी, लेकिन जमीन से कब्जा यथावत बना रहा।

मीडिया में मामला प्रकाशित होने के बाद प्रशासन सक्रिय तो हुआ लेकिन यह सक्रियता दिखावा रहा। तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह ने सरकारी भूमि खाली कराने की जिम्मेदारी नायब तहसीलदार शोभित चौधरी को सौंपी। 8 जनवरी को नायब तहसीलदार गांव पहुंचे और ग्राम समाज की कुछ भूमि पर खड़ी फसल हटवाई गई, जबकि शेष भूमि पर खड़ी गन्ने की फसल काटने के लिए कब्जेदारों को समय दिया गया। इसी बीच कब्जेदारों ने अपर आयुक्त (न्याय) मनोज कुमार की अदालत से स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया, जिसमें 20 जनवरी की तारीख तय की गई। आरोप है कि इस दौरान तहसील प्रशासन की ओर से प्रभावी पैरवी नहीं की गई। परिणामस्वरूप गन्ने की कटाई बीच में ही रोक दी गई और कब्जा बना रहा।

ग्रामीणों का आरोप है कि पूरे मामले में राजस्व कर्मियों की भूमिका संदिग्ध है और जानबूझकर कार्रवाई को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है।

घरेलू हिंसा मामले में पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

आंवला, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के ग्राम कसूमरा निवासी महिला की शिकायत पर पुलिस ने घरेलू हिंसा के एक गंभीर मामले में त्वरित संज्ञान लेते हुए आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़िता संतोष कुमारी ने प्रभारी निरीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि 28 जनवरी को उनके पति अनेक पाल सिंह ने शराब के नशे में उनसे पैसे की मांग की। पैसे देने से इंकार करने पर आरोपी ने मारपीट की और चाकू से जान से मारने का प्रयास किया।

पीड़िता के अनुसार, घटना के दौरान जब उनके पुत्र अंकित यादव ने बीच-बचाव किया तो उसके दोनों हाथों की उंगलियों में गंभीर चोटें आ गईं। वहीं संतोष कुमारी को भी मारपीट में गुम चोटें आई हैं।

लघुकथा संग्रह लज्जाबोध का हुआ विमोचन

इफको चेयरमैन दिलीप संघानी ने लघुकथा संग्रह का किया विमोचन। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : इफको और नेशनल को-ऑपरेटिव यूनियन ऑफ इंडिया के चेयरमैन दिलीप संघानी ने बुधवार को इफको में लघुकथा संग्रह लज्जाबोध का विमोचन किया। इस लघुकथा संग्रह के लेखक अतुल मिश्रा इफको में उप प्रबंधक हैं। अतुल मिश्रा ने बताया कि लघुकथा अत्यंत लोकप्रिय साहित्यिक विधा है। संग्रह में शामिल लघुकथाएं समाज के विरोधाभासों और लोगों के जीवन में छिप कर बैठे पाखंड का खुलासा करती हैं। गीता संघानी, इफको आंवला के यूनिट हेड सत्यजीत प्रधान, महाप्रबंधक राजेश कुमार शर्मा, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष शिशिर यादव, महामंत्री अनिल कुमार दुबे, इफको कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष सुखदेव सिंह, महामंत्री गजेंद्रपाल, विनीत शुक्ला मौजूद रहे।

किशोरों का हीमोग्लोबिन परीक्षण कार्यक्रम हुआ

संवाददाता, शेरगढ़

कुंवर ढाकन लाल इंटर कालेज में हीमोग्लोबिन चेक कराती किशोरी ।

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव सहोड़ा स्थित कुंवर ढाकन लाल इंटर कॉलेज में बुधवार को किशोर स्वास्थ्य मंच के अंतर्गत रिपीट हीमोग्लोबिन टेस्टिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूली बच्चों की जांच की गई। यह गतिविधि किशोरों में एनीमिया की स्थिति का आकलन एवं प्रभावी फॉलो-अप सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संपन्न की गई। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि पूर्व में आयोजित किशोर स्वास्थ्य मंच के दौरान कुल 9 विद्यार्थी एनीमिक पाए गए थे। निर्धारित एनीमिया मैनेजमेंट प्रोटोकॉल के अनुसार इन विद्यार्थियों को नियमित रूप से आयरन फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन एवं परामर्श प्रदान किया गया। बुधवार को 9 विद्यार्थियों की हीमोग्लोबिन टेस्टिंग की गई जिसमें सभी विद्यार्थियों में हीमोग्लोबिन स्तर सामान्य पाया गया। इसके अतिरिक्त,विद्यालय में 3 नए विद्यार्थियों की हीमोग्लोबिन जांच भी की गई जो कि सामान्य पाए गए। इस अवसर पर काउंसलर इल्मुन निशा अंसारी,सीएचओ हिमानी,शिक्षक धीरज शर्मा,कोऑर्डिनेटर प्रियांशु शर्मा आदि मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस पर चित्रगुप्त चौक पर हुआ ध्वजारोहण

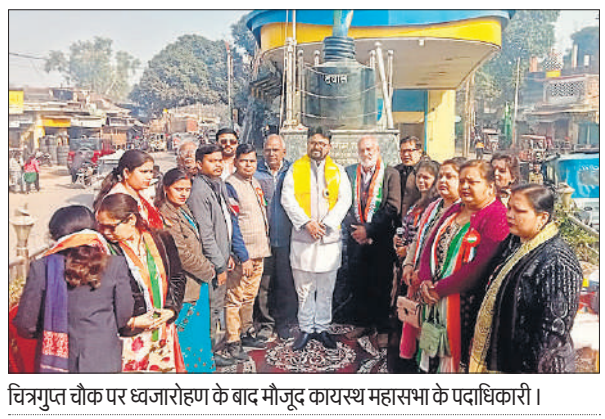

चित्रगुप्त चौक पर ध्वजारोहण के बाद मौजूद कायस्थ महासभा के पदाधिकारी।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ट्रस्ट के युवा प्रदेशाध्यक्ष डॉ अंशू दीपक सक्सेना आरव के नेतृत्व में श्री चित्रगुप्त चौक निकट कोहाड़ापीर पेट्रोल पंप पर गणतंत्र दिवस एवं सम्मान समारोह का आयोजन हुआ।

इसमें ध्वजारोहण वरिष्ठ भाजपा नेता एड. अनिल कुमार सक्सेना ने किया। अजय जौहरी, अतुल जौहरी,अंकित रस्तोगी, विनय माहेश्वरी, प्रदीप सक्सेना, अनुराग सक्सेना, अजय वर्मा, आशीष प्रधान, मोहित सक्सेना, विजय जौहरी, राजीव सक्सेना आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

गमगीन माहौल में निकला शेरे मदारियत का जनाजा

बहेड़ी, अमृत विचार : मदारी सिलसिले के मशहूर आलिम मौलाना अल्हाज डॉक्टर खलीक़ अहमद मदारी को बुधवार को सुपुर्दे खाक़ कर दिया गया। उनकी नमाज़े जनाज़ा खानकाह-ए-कुतबुल मदार, मकनपुर के सज्जादानशीन सैय्यद मिस्बाहुल मुराद ने पढ़ाई। मौलाना खलीक़ के आखिरी सफर में बुधवार को बड़ी तादाद में लोग शामिल हुए। कल उनके इंतक़ाल की खबर के बाद से ही उनके आवास पर उनके चाहने वालों की भीड़ जमा होने लगी थी। बुधवार की सुबह मकनपुर शरीफ से भी तमाम लोग यहाँ पहुँच गए। दोपहर मकनपुर से आए सज्जादनशीन मिस्बाहुल मुराद ने पढ़ाई, और इसके साथ ही मौलाना खलीक़ का शेरनगर के कब्रिस्तान के लिए आखिरी सफर शुरू हो गया। उनके जनाज़े में बड़ी तादाद आलिम और हाफ़िज़ों के साथ में लोग शामिल हुए। मौलाना के जनाज़े में मकनपुर के मौलाना मुनववर अली, इमाम ईदगाह सय्यद निसार हुसैन मदारी, गाज़ी शुएब,रुहुल मुनीम मदारी,सैय्यद सिराज मियां मदारी,ढकनी के बाबा महमूद मलंग, सिब्ते हसन व डॉक्टर इंतिखाब आलम मदारी आदि शामिल रहे।

हिन्दू सम्मेलन के प्रचार को निकाली बाइक रैली

फरीदपुर अमृत विचार : रविवार एक फरवरी को होने वाले हिंदू सम्मेलन के जन जागरूकता के उद्देश्य से बुधवार पंचेश्वरनाथ हिंदू सम्मेलन समिति के तत्वावधान में एक भव्य बाइक रैली निकाली गई। रैली की शुरुआत सत्संग भवन आश्रम से हुई, जो नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए सीएएस. इंटर कॉलेज मैदान पर संपन्न हुई। इस अवसर पर रैली संयोजक अमित पांडे एवं सह-संयोजक तुषार अग्रवाल , अनुज पार्थ, धर्मेंद्र ,डॉ. महेश चौधरी, मानवेंद्र राणा, विश्वनाथ, अनुज ब्रह्मेंद्र मिश्रा, नितिन, रुद्रांश , संजय चौहान, सोमेंद्र , मोहित , सोमपाल राठौर ,राहुल अग्रवाल,ऋतिक आदि उपस्थित रहे ।

भोजीपुरा में निकालीं तिरंगा यात्राएं

भोजीपुरा, अमृत विचार : मार्डन विलेज से राजा यादव के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमें ब्लॉक प्रमुख को योगेश पटेल व सदस्य दिव्यांगजन सशक्तिकरण मुकेश कश्यप ने पहुंचकर युवाओं का हौसला बढ़ाया। तिरंगा यात्रा भोजीपुरा होते हुए मकरंदापुर पहुँची। घंघोरी से जावेद के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा को भोजीपुरा सपा विधायक शहजिल इस्लाम अंसारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो अभयपुर होते हुए भोजीपुरा पहुँची। सरदार बल्लभ भाई पटेल कॉलेज भोजीपुरा , जेपीएम कॉलेज भैरपुरा , भारत इंटर कालेज, श्री आदर्श निकेतन इंटर कॉलेज , स्वास्थ्य केन्द्र, व विकासखंड परिसर में शान से तिरंगा फहराया गया। इस मौके पर कालिमउद्दीन , मोहसिनउद्दीन, शकील सैफी, आबिद मंसूरी , मेवाती सादिक रजा, शाकिर खां, कशीद मंसूरी, शमसुल अंसारी, कबीर ,नासिर अंसारी, आसिफ़ खां ,फिरोज़ खां, आरिफ सैफी अरमान अली, अली हसन , शाकिर अंसारी आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

गड्ढों की अधिकता बन रही दुर्घटना का कारण

संवाददाता,शेरगढ़

अस्त-व्यस्त एवं गड्ढों से बदहाल शेरगढ़-नगरिया कलां संपर्क मार्ग। ● अमृत विचार

● शेरगढ़-नगरिया कलां संपर्क मार्ग लंबे समय से बदहाली का शिकार बना

अमृत विचार : शेरगढ़-नगरिया कलां संपर्क मार्ग लंबे समय से बदहाली का शिकार बना है। जगह-जगह गहरे गड्ढों के कारण यह मार्ग दुर्घटनाओं का कारण बनता जा रहा है। मंगलवार को हल्की बूंदाबांदी ने हालात और खराब कर दिए। सड़क पर जलभराव हो जाने से न केवल बाइक सवार बल्कि पैदल चलने वाले लोग भी परेशान नजर आए।

ग्रामीणों के अनुसार, गड्ढों में भरे पानी के कारण बाइक सवार अक्सर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। बूंची गांव निवासी दानिश अख्तर ने बताया कि यह संपर्क मार्ग काफी समय पहले बना था, जो अब पूरी तरह जर्जर हो चुका है। वह रोजाना नदी पार से शेरगढ़ आते-जाते हैं, लेकिन क्षतिग्रस्त सड़क सुरक्षित यात्रा में बाधा बन रही है। कई बार वाहन खराब हो जाते हैं और पैदल चलने की नौबत आ जाती है।

नगरिया कलां निवासी तेजपाल गंगवार ने बताया कि मार्ग की खराब स्थिति का सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। बूंदाबांदी के बाद कई बच्चे और बाइक सवार गिरकर घायल हो गए। यह मार्ग शेरगढ़ क्षेत्र को शीशगढ़, बिलासपुर, अहरो, सहोड़ा समेत लगभग 40 गांवों से जोड़ता है और लोग इसी रास्ते से ब्लॉक मुख्यालय व बरेली-नैनीताल मार्ग तक पहुंचते हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि नगरिया कलां-कमालपुर के बीच सेतु के पास किच्छा नदी की बाढ़ में कटी सड़क आज तक दुरुस्त नहीं की गई। जबकि सांसद, एमएलसी और प्रशासनिक अधिकारी इसका निरीक्षण कर चुके हैं। आए दिन ई-रिक्शा पलटने की घटनाएं भी हो रही हैं, जिससे लोग जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं।

रम्पुरा-बैरमनगर संपर्क मार्ग भी गड्ढों में तब्दील हो चुका है। ग्रामीणों का आरोप है कि मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही से सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। इसी मार्ग से गन्ना भरे ट्रक और स्कूली बच्चे आवागमन करते हैं, जिन्हें भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। जेई प्रेम सिंह ने बताया कि नगरिया कलां-कमालपुर मार्ग पर सीसी सड़क निर्माण स्वीकृत हो चुका है तथा शेरगढ़-नगरिया कलां मार्ग का एस्टीमेट तैयार है। फरवरी माह में निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। रम्पुरा-बैरमनगर सम्पर्क मार्ग भी गड्ढों के आगोश में है। यहां लोग मार्ग क्षतिग्रस्त होने से खासे परेशान हैं।

लापता विवाहिता रुद्रपुर में मिली

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव रिछोला किफायतुल्ला से लापता हुई विवाहिता को पुलिस ने आठ दिन बाद उत्तराखंड के रुद्रपुर से सकुशल बरामद कर लिया है। महिला घरेलू कारणों से नाराज होकर अपने रिश्तेदारों के यहां चली गई थी।

गांव निवासी वाहन चालक सुरेश कुमार, 17 जनवरी को काम पर निकला था। तभी पत्नी मायके जाने की बात कहकर घर से निकली, लेकिन वहां नहीं पहुची। पति ने पुलिस में गुमशुदगी की तहरीर दी। जांच के दौरान महिला के रुद्रपुर में होने की जानकारी मिली और पुलिस नेर विवाहिता को बरामद किया। पूछताछ में महिला ने बताया कि वह अपने पति से नाराज होकर रुद्रपुर में रहने वाली अपनी मौसेरी बहन के पास चली गई थी।

धोखे से बीफ खिलाने पर शख्स ने की सहकर्मी की हत्या, गिरफ्तार

वाराणसी, एजेंसी

वाराणसी पुलिस ने कथित रूप से धोखे से बीफ खिलाने पर सहकर्मी की हत्या करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक आरोप है कि पीड़ित ने धोखे से आरोपी को बीफ खिला दिया था और फिर बार-बार इस बात पर ताना कसता था। सिंधोरा थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बुधवार को बताया कि आरोपी की पहचान वीरेंद्र के रूप में हुई है, जो सोलापुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, आठ जनवरी को महागांव गांव में 31 वर्षीय आफताब आलम का शव मिला जिसकी पहचान बिहार के छपरा जिले के निवासी के तौर पर हुई। त्रिपाठी ने बताया कि पीड़ित के परिवार द्वारा हत्या का शक जताने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

उनके मुताबिक, आफताब के बैंक खातों की जांच में वीरेंद्र नाम के एक व्यक्ति के खाते में पैसे अंतरित होने का पता चला जिसके बाद आरोपी की तलाश शुरू की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि एक एटीएम से मिली सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में वीरेंद्र, आफताब के साथ दिख रहा था।

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि०, सम्पूर्णानगर, लखीमपुर-खीरी (उ०प्र०)

अल्प-कालीन ई-निविदा सूचना

केवल अनुभवी ठेकेदारों से इस मिल समिति में निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा निर्धारित तिथि को सायंकाल 6:55 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

क्रम0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ई-निविदा की अन्तिम तिथि
1	Repair work of vaccume filter truss and purline	रू० 60000/-	रू० 590/-	04.02.2026

उपरोक्त कार्य हेतु विस्तृत विवरण http://etender.up.nic.in वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। समस्त निविदा प्रक्रिया ई-निविदा के माध्यम से पूर्ण की जायेंगी आवश्यकतानुसार निगोशिएसन भी किया जा सकता है।

अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्वसुरक्षित होगा।

प्रधान प्रबन्धक

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली उ.प्र.

निष्पादन संख्या-34/2025

सुनील अग्रवाल बनाम आई.सी.एल. म्यूचुअल वेनिफिटस

नोटिस

1. **आई.सी.एल. म्यूचुअल वेनिफिट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस**-41 सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली।
2. **विटेसी एग्रो लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस-41सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली।** रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली। 3. **आई.सी.एल. मल्टी ट्रेडिंग इंडिया लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस**-41 सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली।

रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली। 4. आई.सी.एल. आरगेनिक डेयरी लिमिटेड **कॉर्पोरेट ऑफिस**-41 सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली।

आपको सूचित किया जाता है कि परिवाद संख्या 24/2024, सुनील अग्रवाल बनाम आई.सी.एल. में इस आयोग के निर्णय/आदेश दिनांकित 28.02.2025 का अनुपालन आपके द्वारा नहीं किया गया है। उक्त परिवाद से सम्बन्धित इजराय वाद संख्या 34/2025 में सुनवाई हेतु अग्रिम तिथि 09.03.2026 नियत की गयी है।

अत: आप दिनांक 09.03.2026 को समय प्रात: 10:30 बजे जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली में स्वयं उपस्थित हों। आज दिनांक 24.01.2026 को जारी किया गया।

आज्ञा से
अध्यक्ष-जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/इज्जतनगर द्वारा आमन्त्रित की जाती है:- **क्र.सं. (01), खुली ई-निविदा सूचना सं.** : इज्जत/इलै./ओ.टी./02/2026 दि. 20.01.2026, कार्य का नाम : इज्जतनगर मंडल के वर्तमान मंडल नियंत्रण कक्ष के सुधार, सेहरामऊ रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित तीसरी लूप लाइन और शेरगंज हाल्ट स्टेशन को तीसरी लाइन क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तित करने के संबंध में सामान्य विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत रू. में : 86,70,994.51, धरोहर राशि रू. में : 1,73,400.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. में: शून्य, निविदा का प्रकार : खुली निविदा, ई-निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय : 11.02.2026, 15.00 बजे तक, स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि : छः माह। ● इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। ● पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। ● निविदादाता के पास क्लास-III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। ● सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए। ● निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे समय-समय पर ऑन लाइन जारी किए गए शुद्धिपत्र की जॉच करें, यदि कोई हो। समाचार पत्र में अलग से कोई प्रकाशन जारी नहीं किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/ इज्जतनगर
मुजाधि/विद्युत- 267

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

रूसी और भारतीय कंपनी में विमान निर्माण को समझौता

यूएसी और एचएएल मिलकर बनाएंगे एसजे-100 विमान

मॉस्को, एजेंसी

रूस की यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी, जो रोस्टेक स्टेट कॉर्पोरेशन का हिस्सा है) और भारतीय सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने बुधवार को एसजे-100 विमान के उत्पादन के लाइसेंस को लेकर मिलकर काम करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। रूसी न्यूज एजेंसी स्पूतनिक की रिपोर्ट के अनुसार यह समझौता भारत में सुपरजेट्स के उत्पादन के लाइसेंस की परियोजना पर एचएएल और यूएसी के बीच आगे के सहयोग का आधार बनेगा।

यूएसी के प्रवक्ता ने कहा, यह दस्तावेज एक समझौते को औपचारिक रूप देता है कि एचएएल, यूएसी को भारत में सुपरजेट टाइप सर्टिफिकेशन प्राप्त करने और उसकीमान्य कराने की प्रक्रिया में मदद करेगा। एचएएल को एसजे-100 के निर्माण और बिक्री का लाइसेंस दिया जाएगा, जिसमें इस विमान की मरम्मत और रखरखाव के लिए ज़रूरी इसके कंपोनेंट्स, पार्ट्स और एक्सेसरीज़ शामिल हैं।

इस बीच यूएसी कंसल्टिंग, डिज़ाइन सेवा और विशेषज्ञों को लाकर एसजे-100 के लिए एचएएल को अपनी उत्पादन इकाई को संगठित और पुनर्सज्जित (पुनर्निर्मित करना) करने में मदद करेगा। यूएसी ने कहा, इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर करना एक समान्य समझौता को पूरा करने की दिशा में एक ज़रूरी कदम है, जो रोडमैप, समय-सीमा, वित्तीय संकेतक और पार्टियों के संबंधित काम के प्रयासों का विस्तृत में वितरण तय करता है।

उन्होंने कहा कि एसजे-100 एक शॉर्ट-हॉल नैरो-बॉडी एयरक्राफ्ट है जिसे इम्पोर्टेड सिस्टम और कंपोनेंट्स को बदलने के लिए एक प्रोग्राम के तहत डेवलप किया जा रहा है। यह एयरलाइनर अभी संचालित हो रहे सुपरजेट-टाइप एयरक्राफ्ट की फैमिली में एक और मॉडल बन जाएगा। एसजे एयरक्राफ्ट ने 17 मार्च, 2025 को कोम्सोमोल्स्क-ऑन-अमूर शहर में रूसी पीडी-8 इंजन के साथ अपनी पहली उड़ान भरी। सिलसिलेवार आपूर्ति की शुरुआत 2026 के लिए निर्धारित है।

एसयू-57 के संयुक्त उत्पादन पर चर्चा

मॉस्को, एजेंसी : भारत और रूस पांचवीं पीढ़ी के सुखोई एसयू-57ई लड़ाकू विमान के भारत में संयुक्त उत्पादन की संभावना तलाशने के लिए तकनीकी पहलुओं पर चर्चा कर रहे हैं। रूसी एरोस्पेस कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को यह दावा किया। हालांकि, भारत की ओर से अधिकारी के दावे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। रूस के यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) वादिम बदेखा ने हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर विंग्स इंडिया एयर शो से इतर कहा कि आज हम इस अनुबंध पर तकनीकी बातचीत के उन्नत चरण में हैं। हमारे अनुभव को देखते हुए, ऐसे अनुबंध होने वाले हैं जो कई दशकों तक हमारे सहयोग की दिशा तय करेंगे हैं। रूस ने इस प्रदर्शनी के दौरान अपने नवीनतम क्षेत्रीय परिवहन विमान - इल्यूशिन आईएल-114-300 और सुखोई एसजे-100 - को प्रदर्शित किया है। बदेखा ने दावा किया कि दोनों पक्ष वर्तमान में भारत में एसयू-30 विमानों के उत्पादन के लिए उपयोग की जाने वाली सुविधाओं में एसयू-57 लड़ाकू विमानों के लाइसेंस प्राप्त उत्पादन और इसके लिए भारतीय उद्योग और भारतीय प्रणालियों के अधिकतम उपयोग पर भी चर्चा कर रहे हैं।

नाबालिगों की सोशल मीडिया तक पहुंच सीमित करने पर विचार कर रहा श्रीलंका

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका की सरकार ऑनलाइन कंटेंट के हानिकारक प्रभावों से जुड़ी चिंताओं में वृद्धि के बीच सोशल मीडिया तक नाबालिग बच्चों की पहुंच सीमित करने पर विचार कर रही है। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी। डिजिटल अर्थव्यवस्था के उप मंत्री एरंगा वीरारत्ने ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ी दुर्घटनाओं में वृद्धि के बाद विद्यार्थियों और नाबालिगों के सोशल मीडिया के उपयोग पर संभावित सीमाओं का पता लगाने के लिए चर्चा चल रही है।

उन्होंने कहा कि प्रतिबंध लगाने का निर्णय जनसंचार मंत्रालय या शिक्षा मंत्रालय के तहत आएगा। एक बार नीति को अंतिम रूप देने के बाद, अधिकारी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान करेंगे। श्री वीरारत्ने ने कहा कि सरकार अभी तक किसी अंतिम निर्णय पर नहीं पहुंची है, लेकिन देश को सोशल मीडिया कंटेंट से नाबालिग बच्चों के दिमाग को होने वाले नुकसान को संज्ञान में लेना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया कंपनियां नियंत्रण लागू करने के लिए स्थानीय दूरसंचार प्रदाताओं के साथ काम कर सकती हैं। श्री वीरारत्ने ने कहा कि इसी तरह के उपाय पहले ही कई देशों में अपनाये जा चुके हैं।

कहा कि आवश्यक तकनीकी क्षमता पहले से मौजूद है और इसे श्रीलंका में लागू किया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि किसी भी प्रतिबंध के लिए लागू करने से पहले एक औपचारिक सरकारी नीति और एक व्यापक योजना की आवश्यकता होगी। विश्व स्तर पर सरकारें साइबरबुलिंग, नाबालिगों के हानिकारक कंटेंट के संपर्क में आने और बिगड़ते मानसिक स्वास्थ्य के बारे में चिंताओं के कारण बच्चों की सोशल मीडिया मौजूदगी पर निगरानी बढ़ा रही हैं। इसका एक प्रमुख उदाहरण ऑस्ट्रेलिया है, जहां दिसंबर 2025 में नाबालिगों के लिए दुनिया का पहला सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू हुआ।

भ्रष्टाचार के मामले में चार पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई

बहराइच, एजेंसी

बहराइच के भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में रूपईडीहा थाने के चार पुलिसकर्मियों को एक संदिग्ध तस्कर को छोड़ने एवं भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर को मंगलवार को लाइन हाजिर किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इन पुलिसकर्मियों को देवीपाटन क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक अमित पाठक के आदेश पर मंगलवार को निलंबित किया गया। बहराइच के पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह के कार्यालय के एक प्रेस नोट में कहा गया कि बीती 25 जनवरी को सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ था जिसमें रूपईडीहा थाने के चार पुलिस कर्मियों मुख्य आरक्षी देवेंद्र यादव, अभिषेक धर द्विवेदी, आरक्षी आशीष सिंह एवं कुलदीप दुबे पर भ्रष्ट आचरण करने तथा एक व्यक्ति को पकड़कर छोड़ देने का आरोप लगाया था। देवीपाटन मंडल के पुलिस महानिरीक्षक अमित पाठक के निर्देश पर बहराइच के पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी नानपारा से जांच कराई जिससे पता चला कि जिस व्यक्ति को पकड़कर छोड़ने का आरोप लगाया जा रहा है, वह अभी तक सामने नहीं आया है, साक्ष्यों के संबंध में आवश्यक जानकारी एकत्र की जा रही है। प्रेस नोट में गया कि चूंकि आरोप गंभीर प्रकृति के हैं एवं देवीपाटन के पुलिस महानिरीक्षक की भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति है। ऐसे में इन बातों को ध्यान में रखते हुए तथा जांच की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु बहराइज के पुलिस अधीक्षक ने चारों पुलिस कर्मियों को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है।

जांच निष्कर्ष के आधार पर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। पुलिसकर्मियों को पुलिस लाइन हाजिर करने के साथ प्रकरण की गहराई से जांच पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी द्वारा की जा रही है।

आयोजन

नई दिल्ली के करियप्पा मैदान में बुधवार को वार्षिक एनसीसी रैली के दौरान एनसीसी कैडेट मार्च पास्ट करते हुए। ● एजेंसी

न्यूयॉर्क में दिखी भारत के सांस्कृतिक, पर्यटन स्थलों की झलक

न्यूयॉर्क, एजेंसी

न्यूयॉर्क में आयोजित एक प्रमुख प्रदर्शनी में भारत के पर्यटन और सांस्कृतिक स्थलों को प्रदर्शित किया गया, जिससे हजारों आगंतुकों को देश की समृद्ध विरासत और पाक कला के बारे में जानने का अवसर मिला। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने जैकब जेविट्स सेंटर में आयोजित ट्रैवल एंड एडवेंचर शो 2026 में भाग लिया, जहां 10,000 से अधिक आगंतुकों ने भारत के पर्यटन और सांस्कृतिक परिदृश्य की झलक देखी। इस वर्ष भारत का मंडप विशाल कन्वेंशन सेंटर के मुख्य प्रवेश द्वार पर ही तैयार किया गया जो प्रदर्शनी में एक प्रमुख स्थान है।

भारतीय महावाणिज्य दूतावास के कांसुल जनरल बिनय प्रधान ने 24-25 जनवरी को आयोजित कार्यक्रम में भारत के मंडप का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि वाणिज्य दूतावास इस आयोजन में प्रतिवर्ष भाग लेता है, लेकिन इस वर्ष भारत के मंडप में विशेष रूप से भारत की 'टूर और ट्रैवल' कंपनियों ने भाग लिया और अपनी योजनाएं प्रदर्शित कीं। प्रधान ने बताया कि हमारा प्रयास भारतीय पर्यटन को अमेरिका की मुख्यधारा में लाना है और भारतीय-अमेरिकी प्रवासियों की दूसरी, तीसरी और चौथी पीढ़ी को अपने पैतृक देश की यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में रहने वाले 52 लाख भारतीय प्रवासी सांस्कृतिक रूप से भारत से जुड़े हुए हैं, लेकिन मुख्य ध्यान युवाओं को भारत आने और देश की संस्कृति, सभ्यता और आध्यात्मिकता का प्रत्यक्ष अनुभव देने पर है।

दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी को बड़ी राहत

लखनऊ, विधि संवाददाता

● **एमपी-एमएलए कोर्ट ने एफआईआर दर्ज कराने की मांग खारिज**

अमृत विचार : राहुल गांधी के विरुद्ध दोहरी नागरिकता लेने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की मांग वाली अर्जी को एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने खारिज कर दिया है।

अदालत के समक्ष कर्नाटक के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने और मामले में उनके विरुद्ध विस्तार से जांच की मांग करते हुए, एक अर्जी रायबरेली की अदालत में दाखिल की थी। याचिका में राहुल गांधी पर भारतीय न्याय संहिता, शासकीय गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत कई आरोप लगाए गए हैं। अदालत में दाखिल अर्जी के अनुसार यह अर्जी रायबरेली की विशेष सांसद/विधायक अदालत (एमपी एमएलए कोर्ट) में दायर की गई थी। इस अर्जी को बाद में शिकायतकर्ता की याचिका पर उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने रायबरेली से लखनऊ की विशेष अदालत में स्थानांतरित करने का आदेश दिया था। राहुल गांधी के विरुद्ध दाखिल इस अर्जी को निरस्त करते हुए न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि नागरिकता के मामले को लेकर याची द्वारा पूर्व में भी हाईकोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट में तथ्यों को बताया जा चुका है।

किशोरी से छेड़छाड़ में 11 पर रिपोर्ट

सैफनी, अमृत विचार : किशोरी से अश्लील हरकतें करने, घर में घुसकर मारपीट और छेड़छाड़ के मामले में महिला द्वारा पुलिस अधीक्षक से शिकायत की गई थी। थाना पुलिस ने पांच महिलाओं समेत 11 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है। थाना क्षेत्र की गांव की महिला ने पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र से की शिकायत में बताया कि उसके घर के सामने सरकारी नल लगा है, बीते 30 दिसंबर की दोपहर 2 बजे उसकी 16 वर्षीय पुत्री नल पर पानी भरने गई थी। आरोप है कि उस दौरान नल पर नहा रहे उसके गांव के व्यक्ति ने उसकी पुत्री को इशारे किये और पानी नहीं भरने दिया। उसने व उसकी पुत्री ने जब विरोध किया तो आरोपी ने अपने परिवार की महिलाओं व अन्य लोगों को बुलाया और उसके घर में घुसकर उससे व उसकी पुत्री के साथ मारपीट की और कपड़े फाड़ दिए। इसके बाद आरोपी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर चले गए।

कार्यालय-प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र, मंझरा, लखीमपुर-खीरी।

पत्र सं0 1043 /दूध ठेका पत्रा0/मंझरा/2025-26/ दिनांक-20.01.2026

निविदा निरस्तीकरण सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र, मंझरा, लखीमपुर-खीरी के पत्रांक सं0-964/दूध ठेका पत्रा0/ मंझरा/ 2025-26/दिनांक-02.01.2026 द्वारा पूर्व में आमंत्रित की गयी वर्ष 2026-27 के लिए प्रक्षेत्र पर उत्पादित भैंस के दूध ठेका हेतु निविदा दिनांक 30.01.2026 को दिन के 01.00 बजे तक आमंत्रित की गयी थी।

उक्त निविदा को अपरिहार्य कारणों से तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है। उपरोक्त ठेका हेतु अब पूर्व में प्रकाशित सूचना के आधार पर कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। भविष्य में इनके सम्बन्ध में नवीन सूचना पृथक से सरकारी ई-मार्केट प्लेस (GEM) के माध्यम से की जायेगी।

भवदीय- (जितेन्द्र कुमार)
प्रक्षेत्र प्रबन्धक,
राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र,
मंझरा, लखीमपुर-खीरी।

UP -244717 दिनांक: 27/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय-प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र, मंझरा, लखीमपुर-खीरी।

पत्र सं0 1042/जई फसल कटाई/भूसा बनाई ठेका पत्रा0/मंझरा/2025-26/दिनांक 20.01.2026

निविदा निरस्तीकरण सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र, मंझरा, लखीमपुर-खीरी के पत्रांक सं0-963/जई फसल कटाई/भूसा बनाई ठेका पत्रा0/मंझरा/2025-26/दिनांक-02.01.2026 द्वारा पूर्व में आमंत्रित की गयी वर्ष 2025-26 में 105.00 हेक्टेयर में बोई गयी गई रबी जई बीज फसलों की कटाई-मड़ाई एवं यथा निर्दिष्ट स्थान पर आनाज पहुंचाने तथा गिराने के कार्य एवं रीपर मशीन द्वारा भूसा बनायी व सम्पूर्ण भूसा डेयरी गोदाम के अन्दर तक पहुँचाना/रखना प्रति ट्राली क्षमता 10.00 कुं0 के कार्य हेतु निविदा दिनांक 30.01.2026 को दिन के 01.00 बजे तक आमंत्रित की गयी थी।

उक्त निविदा को अपरिहार्य कारणों से तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है। उपरोक्त कार्य हेतु अब पूर्व में प्रकाशित सूचना के आधार पर कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। भविष्य में इनके सम्बन्ध में नवीन सूचना पृथक से सरकारी ई-मार्केट प्लेस (GEM) के माध्यम से की जायेगी।

भवदीय- (जितेन्द्र कुमार)
प्रक्षेत्र प्रबन्धक,
राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र,
मंझरा, लखीमपुर-खीरी।

UP - 244716 दिनांक: 27/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 507/7निविदा(पी0डी0)(ई-टेण्डर)-08/2025-26 दिनांक 20.01.2026

ई0-निविदा आमंत्रण सूचना
(स्वीकृति की प्रत्याशा में)

1- महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई-निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र बेवसाइट/पोर्टल पर दिनांक 30.01.2026 से दिनांक 11.02.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी बिड दिनांक 11.02.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में)			बिड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी (मार्ग कार्य)
	अनुमानित निर्माण लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत				
1	2	3	4	5	6	7	8
वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद बदायूँ की विधानसभा दातागंज के अन्तर्गत सुकटिया से वमनपुरा वाया नरोसती देवी मंदिर मार्ग का नवनिर्माण	350.00	26.25	376.25	20.90	2714.00	12 माह	A

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

(नरेश कुमार) अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बदायूँ
(के0के0सिंह) अधीक्षण अभियन्ता बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0,बरेली

UP - 244718 दिनांक: 27/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

पब्लिक नोटिस

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कृष्णा एजुकेशनल एंड पर्सोना डेवलपमेंट ट्रस्ट निदेशक पारस टंडन पुत्र मनीष टंडन ने एक किता सम्पत्ति रकबई 155.54 वर्ग मी0 बाकै ग्राम बिहारमान नगला, आकांशा एन्क्लेव खसरा नंबर 187मी, 188 और 193मी परगना, तहसील और जिला बरेली को एच0डी0एफ0सी0 बैंक लि0 में बंधक कर ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है, उक्त सम्पत्ति के बाबत पिछले रजिस्टर्ड मूल बैनामें जिनकी रजिस्ट्री क्रमशः दिनांक 23.01.2008 ई0 वही नं0-1 जिल्द संख्या-2242 पृष्ठ सं0-65 से 90 तक क्रमांक नं0 642 स0र0 बरेली व दिनांक 31.08.2012ई0 वही नं0-1 जिल्द संख्या - 5638 पृष्ठ सं0-41 से 58 तक क्रमांक नं0 10427 स0र0 बरेली कहीं खो गये हैं। जिसकी सूचना दिनांक 23.01.2026 को पुलिस को दी चुकी है। उक्त बैनामों के खो जाने और ऋण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर अपनी आपत्ति व्यक्तिगत रूप से समस्त दस्तावेजों साक्ष्यों सहित मेरे कार्यालय में सामान्य कार्य दिवस की सामान्य कार्य अवधि में प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि में आपत्ति प्राप्त न होने पर यह मानते हुये कि इस विषय में किसी को कोई आपत्ति नहीं है उपरोक्त लोन जारी कर दिया जायेगा।

प्रियभाषिनी पाठक, एडवोकेट
कार्यालय :- चैम्बर नं. 11 बड़ा वकालतखाना सिविल कोर्ट बरेली। मो. 9837339116
सूचिवद्ध अधिवक्ता एच.डी.एफ.सी.बैंक, बरेली।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली उ.प्र.

निष्पादन संख्या-35/2025

कुमकुम बनाम आई.सी.एल. म्यूचुअल वेनिफिटस

नोटिस

1. **आई.सी.एल. म्यूचुअल वेनिफिट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस**-41 सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली।
2. **विटेसी एग्रो लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस** -41सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। **रजिस्टर्ड ऑफिस**-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली।

आपको सूचित किया जाता है कि परिवाद संख्या 23/2024, कुमकुम बनाम आई.सी.एल. में इस आयोग के निर्णय/आदेश दिनांकित 28.02.2025 को अनुपालन आपके द्वारा नहीं किया गया है। उक्त परिवाद से सम्बन्धित इजराय वाद संख्या 35/2025 में सुनवाई हेतु अग्रिम तिथि 09.03.2026 नियत की गयी है। अतः आप दिनांक 09.03.2026 को समय प्रातः 10:30 बजे जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली में स्वयं उपस्थित हों। आज दिनांक 24.01.2026 को जारी किया गया।

आज्ञा से
अध्यक्ष-जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 519/142 सी0 (ई0टेण्डर)-3/25 दिनांक: 19.01.2026

आन-लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिंका में अंकित विवरण के अनुसार आन लाइन ई-निविदा दिनांक 30.01.2026 से दिनांक 10.02.2028 की अपरान्ह 12: 00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 10.02.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क0 सं0	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+जी0एस0टी0)/रू0 में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
	जलालाबाद समसाबाद मोहम्मदाबाद सौरिख विदुना मार्ग (एस0एच0-163) के किमी0-4 व 5 में पड़ने वाले कोलाघाट पुल की मरम्मत का कार्य।	निर्माण खण्ड-1 लोनिवि शाहजहॉपुर	342.90	19.15	2725.00	12 माह	ए (सेतु कार्य)

2- निविदा दत्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लाग आन किया जा सकता है।

(महेन्द्र कुमार पाल) अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, शाहजहॉपुर
(प्रकाश चन्द्र) अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत, लो0नि0वि0,

UP - 244702 दिनांक: 27/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली उ.प्र.

निष्पादन संख्या-33/2025

मीनू अग्रवाल बनाम आई.सी.एल. म्यूचुअल वेनिफिटस

नोटिस

1. **आई.सी.एल. म्यूचुअल वेनिफिट्सकॉर्पोरेशन लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस**-41 सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली।
2. **आई.सी.एल.मल्टी ट्रेडिंग इंडिया लिमिटेड कॉर्पोरेट ऑफिस**-41सी, गांधीनगर, पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। **रजिस्टर्ड ऑफिस**-10, जमुना विहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली।

आपको सूचित किया जाता है कि परिवाद संख्या 26/2024, मीनू अग्रवाल बनाम आई.सी.एल. में इस आयोग के निर्णय/आदेश दिनांकित 28.02.2025 का अनुपालन आपके द्वारा नहीं किया गया है। उक्त परिवाद से सम्बन्धित इजराय वाद संख्या 33/2025 में सुनवाई हेतु अग्रिम तिथि 09.03.2026 नियत की गयी है। अतः आप दिनांक 09.03.2026 को समय प्रातः 10:30 बजे जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली में स्वयं उपस्थित हों। आज दिनांक 24.01.2026 को जारी किया गया।

आज्ञा से
अध्यक्ष-जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी एक किता दुकान सं. 216/200 क्षेत्रफल लगभग 30 वर्गगज वाकै मोहल्ला कटरा मानराय थाना कोतवाली बरेली के समस्त चैन पेपर प्रथम बैनामा मेरी माता श्रीमती रामश्री देवी ने दिनांक 18.06.1987 ई को दस्तावेज सं. 6536 से खरीदा जिसका द्वितीय बैनामा दिनांक 21.02.1990, दस्तावेज सं. 3473 व तृतीय बैनामा दिनांक 15.02.1991 दस्तावेज नम्बर 811 व चतुर्थ बैनामा दिनांक 27.08.2008, दस्तावेज नम्बर 6734 व पंचम दस्तावेज वसीयत दिनांक 10.08.2006 दस्तावेज नम्बर 315 एवं मकान स्थित 159 ख्वाजा कुतुब बरेली का दिनांक 23.12.2025 को कुतुबखाना चौराहा के पास कहीं गिर गया है तो तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। **रवि कान्त माहेश्वरी पुत्र स्व. धर्मपाल गुप्ता नि. 159, ख्वाजा कुतुब पूर्वी बरेली।**

इमरान खान के स्वास्थ्य की जांच

लाहौर, एजेंसी : पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी द्वारा अपने शीर्ष नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की आंखों की बीमारी को लेकर चिंता जताए जाने के बाद सरकारी चिकित्सकों की एक टीम ने बुधवार को अडियाला जेल में उनकी जांच की। सरकार ने अब तक उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है।

न्यूज ब्रीफ

तोप वाहन पलटा, आठ सैन्यकर्मी घायल

सापुतारा। गुजरात के डांग जिला स्थित सापुतारा कस्बे में एक मोड़ पर सेना के एक वाहन के पलट जाने से आठ जवान घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। स्थानीय थाने के निरीक्षक पी. डी गोंडलिया ने बताया कि घायल सैन्य कर्मियों में से दो की हालत गंभीर है। सेना के दो वाहन तोप लेकर नासिक से जोधपुर जा रहे थे और इस दौरान पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने बताया कि आठ टन वजनी 155 मिमी की तोप ले जा रहे वाहनों में से एक का ब्रेक पहाड़ी इलाके में एक मोड़ पर फेल हो गया और वह पलट गया। सभी घायल कर्मियों को इलाज के लिए अहवा स्थित सिविल अस्पताल ले जाया गया। दुर्घटनाग्रस्त वाहन से सड़क अवरुद्ध हो गया, जिससे घाट खंड में यातायात बाधित हो गया।

चलती बस से सिर बाहर निकालते ही मिली मौत

अन्नामपल्ली। आंध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले में बुधवार को एक कॉलेज छात्र की मौत उस समय हो गई, जब बस की खिड़की से थूकने के लिए सिर बाहर निकालते समय एक लोहे की छड़ उसके सिर पर लग गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना तब घटी जब छात्र आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बस में लक्ष्मीदेवी लंका गांव से अमलापुरम जा रहा था। पुलिस ने बताया कि लड़के ने कथित तौर पर थूकने के लिए खिड़की से अपना सिर बाहर निकाला और उसका सिर एक लोहे की छड़ से टकरा गया, जिससे उसे गंभीर चोट आई।

केरल के विधायक को बलात्कार मामले में बेल

पतनमतिट्टा। केरल में पतनमतिट्टा के सत्र न्यायालय ने कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटाथिल को बलात्कार मामले में जमानत दे दी। ममकूटाथिल के खिलाफ बलात्कार का तीसरा मामला दर्ज हुआ था। अदालत ने कुछ डिजिटल सबूतों की असलियत पर अभियोग पक्ष की आपत्तियों और सुनवाई के दौरान सामने आए मुद्दों के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। इसके बाद जमानत मंजूर कर ली।

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में खुलकर उतरे कलराज मिश्रा

कहा- ये नियम समाज को बांटने वाले, इनसे शिक्षा जगत में फैलेगा असंतोष

नोएडा/लखनऊ, एजेंसी

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ देश भर में फैले असंतोष के बीच राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कलराज मिश्रा भी यूजीसी के नए नियमों के विरोध में उतर आए हैं। उन्होंने कड़ा विरोध जताते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ये नियम समाज को बांटने वाले हैं और इससे शिक्षा जगत में असंतोष फैलेगा।

नोएडा में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यूजीसी के नए नियम संविधान की मूल भावना का हनन करते हैं और यह एक जाति आधारित, एकतरफा कानून है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। कलराज मिश्रा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह नियम समाज को बांटने वाला है और इससे शिक्षा जगत में असंतोष फैलेगा। उन्होंने मांग की कि या तो इन नियमों में व्यापक बदलाव किए जाएं या फिर इन्हें तत्काल प्रभाव से पूरी तरह वापस लिया जाए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि कोई व्यक्ति झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायत करता है तो उसके खिलाफ क्या कार्रवाई होगी, ये नियमों में साफ नहीं है। बिना जवाबदेही तय किए ऐसे प्रावधान करना गंभीर चिंता का विषय है।

पूर्व राज्यपाल ने कहा कि शिकायत निवारण समिति में सभी वर्गों का समान और संतुलित प्रतिनिधित्व होना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी तरह के पक्षपात की गुंजाइश न रहे और न्याय सुनिश्चित हो सके। कलराज मिश्रा ने जोर देते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था को राजनीतिक या सामाजिक प्रयोगशाला नहीं बनाया जाना चाहिए। नियम ऐसे हों जो सभी के लिए समान हों और संविधान के अनुरूप हों।

मायावती ने कहा- विरोध उचित नहीं

बसपा प्रमुख मायावती ने यूजीसी के नए नियमों का सामान्य वर्ग के कुछ लोगों द्वारा विरोध बिल्कुल भी उचित नहीं है। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि सामाजिक तनाव से बचने के लिए इन नियमों को व्यापक विचार-विमर्श के बाद लागू किया जाना चाहिए था। मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिवादी भेदभाव के निराकरण के लिए यूजीसी द्वारा सरकारी कॉलेज और निजी विश्वविद्यालयों में समता समिति बनाने के नए नियम के कुछ प्रावधानों का केवल जातिवादी मानसिकता वाले सामान्य वर्ग के लोग ही विरोध कर रहे हैं, इसे भेदभाव और षड्यंत्र मानना कतई उचित नहीं है।

केजीएमयू में डॉक्टरों ने किया जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में बुधवार को यूजीसी के नए नियम के विरोध में शिक्षकों, रेजिडेंट डॉक्टरों और कर्मचारियों ने कुलपति कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया और इसे वापस लेने की मांग की। डॉक्टरों का कहना है कि यह नीति कैंपस में समानता बढ़ाने के बजाय जाति आधारित असमानता को बढ़ावा दे सकती है। प्रदर्शन में शामिल डॉ. समीर मिश्रा ने कहा कि इस बिल से यह संदेश जाता है कि सामान्य वर्ग का व्यक्ति अत्याचार करेगा ही करेगा। इसमें सभी वर्गों के लिए समान न्याय की व्यवस्था होनी चाहिए और शिक्षण संस्थानों से जुड़े लोगों को साथ लेकर कानून बनाया जाना चाहिए। डॉ. अमिय अग्रवाल ने कहा कि यह कानून पूर्व प्रस्तावित कम्युनल वायलेंस बिल जैसा प्रतीत होता है, जिसमें सामान्य वर्ग के व्यक्ति को नैसर्गिक न्याय का अधिकार नहीं मिलता। डॉ. नवनीत चौहान ने इसे विधि और तर्क के विपरीत बताते हुए कहा कि इसमें सामान्य वर्ग को ही दोषी मान लिया गया है, इसलिए यह कानून वापस होना चाहिए।

रायबरेली में वकीलों का प्रदर्शन, नहीं किया काम

रायबरेली में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया, न्यायिक कार्य से विरत रहे और पैदल मार्च कर अपना विरोध दर्ज कराया, साथ ही जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन भी भेजा। रायबरेली कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन की ओर से प्रस्ताव पारित कर अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे।

कौशांबी में सवर्ण आर्मी का प्रदर्शन, मार्च निकाला

कौशांबी में सवर्ण आर्मी के कार्यकर्ता जिला पंचायत परिसर में इकट्ठा हो कर कलेक्ट्रेट पहुंचे और यूजीसी के नए नियम को तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए ज्ञापन डीएम को दिया। उन्होंने नए नियमों को सवर्णों के हित के खिलाफ काला कानून बताया। कहा- ये नियम आने वाली पीढ़ियों के लिए अभिशाप साबित होंगे।

देवरिया में उमड़ा जनसैलाब, जमकर नारेबाजी

देवरिया में बुधवार को हजारों लोगों ने सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए प्रर्दशन किया और कचहरी के पास रोड पर धरना दिया। सुभाष चौक से निकले लोग सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और यहां भी जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। वकीलों ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया।

अखिल भारतीय संत समिति ने जताया विरोध, काशी में प्रदर्शन जारी

वाराणसी। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि यूजीसी की नियमावली पूरी तरह भेदभावपूर्ण है। यह हिंदू समाज को कई वर्गों में बांटने वाला फैसला है। अखिल भारतीय संत समिति इसे स्वीकार नहीं करती। उन्होंने कहा, जिस समानता के अधिकार की बात की जा रही है, उसे यूजीसी खुद नहीं फॉलो कर रही। छात्र जीवन में ही छात्रों के मन में जातिगत भावना इस कदर भर दी जाएगी, तो न्याय की आशा कैसे की जा सकती है, झूठी शिकायतों पर सजा का प्रावधान नहीं है। ऐसे में उच्च जाति में जन्मे छात्रों में अपराधबोध पैदा किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराई जाए विमान हादसे की जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

- ममता ने कहा- चाचा की पार्टी में लौटने की योजना बना रहे थे पवार
- ममता, खरगे, अखिलेश के साथ आठवले ने भी की जांच की मांग

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार से संबंधित विमान हादसे पर दुख जताते हुए इस मामले की जांच की मांग की। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने यह भी मांग की कि यह जांच सुप्रीम कोर्टच की निगरानी में होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने भी विमान हादसे के मामले में जांच की मांग की है।

ममता बनर्जी ने कहा, हमें सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है। बाकी सभी एजेंसियां पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी हैं। उन्होंने घटना पर यह संकेत देते हुए भी सवाल उठाए कि अजित पवार अपने चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में लौटने की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में सामने आई खबरों से ऐसे कदम के संकेत मिल रहे थे। ममता ने कहा, सुबह अजित पवार की मृत्यु की खबर सुनकर वह सचमुच स्तब्ध रह गईं। इससे पता चलता है कि इस देश में राजनीतिक दलों के नेताओं के लिए भी कोई सुरक्षा नहीं है। ममता बनर्जी की इस मांग के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने संसद परिसर में कहा, जांच तो होनी चाहिए क्योंकि ऐसा हादसा हुआ है। सभी नेता विमान से जाते हैं, कॉरपोरेट के लोग भी जाते हैं। अहमदाबाद में दुर्घटना हुई। यह छोटा विमान था, ऐसा क्यों हुआ, इसकी जांच तो होनी चाहिए।

दांव पर लगा राकांपा का भविष्य

मुंबई। अजित पवार की मौत से न सिर्फ राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में खालीपन पैदा हो गया है, बल्कि राकांपा के भविष्य पर भी अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे हैं। पार्टी के अस्तित्व और संस्थापक शरद पवार के साथ उसके भविष्य के समीकरणों पर सवाल उठने लगे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि पवार के निधन के बाद राकांपा में नेतृत्व का संकट गहरा सकता है, क्योंकि पार्टी में दूसरे नंबर का कोई स्पष्ट चेहरा नहीं है। राज्यसभा सदस्य के रूप में शरद पवार का कार्यकाल इसी साल अप्रैल में समाप्त हो रहा है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या राकांपा शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) के साथ फिर एकजुट हो सकती है, खासकर इसलिए क्योंकि हाल के महीनों में दोनों गुटों के बीच संबंधों में नरमी देखी गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को यह सुनिश्चित करना होगा कि अजित पवार के साथ जुड़े 41 विधायक शरद पवार की ओर वापस न चले जाएं। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं और राजनीतिक रूप से सक्रिय रही हैं। हालांकि, उनके पास प्रशासनिक अनुभव की कमी है। राकांपा के पास एक लोकसभा सदस्य सुनील तटकरे और दो राज्यसभा सदस्य-प्रफुल्ल पटेल तथा सुनेत्रा पवार हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा में राकांपा (एसपी) के संभावित विलय को लेकर अटकलें तेज थीं।

- महाराष्ट्र में 2024 में हुए विधानसभा चुनावों में भारी जीत दर्ज करने वाले सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' में भाजपा के पास 132, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के पास 57 और राकांपा के पास 41 विधायक हैं। ● राकांपा के दोनों गुट पांच फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव में एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं, जो अनौपचारिक विलय का संकेत है।

मौत हादसा ही है, इसमें राजनीति को न लाएं : शरद पवार

पुणे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को परोक्ष रूप से झिड़की लगाते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने बुधवार को कहा कि अजित पवार और चार अन्य लोगों को ले जा रहे विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना एक हादसा था और इसे राजनीतिक रंग न दिया जाए। शरद पवार ने कहा कि अजित की मृत्यु महाराष्ट्र के लिए एक बड़ा सदमा है, जिसने एक मेहनती और कुशल नेता को खो दिया है। उन्होंने कहा कि यह क्षति अपूरणीय है। उन्होंने कहा कि सभी चीजें हमारे हाथ में नहीं होतीं। राकांपा (एसपी) प्रमुख ने कहा कि कोलकाता से यह अफवाह फैली कि इस घटना में कुछ राजनीति हो सकती है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। इससे राजनीति का कोई लेना-देना नहीं है। यह एक दुर्घटना थी। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इसमें राजनीति को न घसीटें। बनर्जी ने अजित पवार की मौत की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच की मांग की है और आरोप लगाया है कि अन्य सभी एजेंसियां पूरी तरह से अपनी शुचिता खो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा तंत्रों के माध्यम से सच्चाई सामने नहीं आएगी, इसलिए उच्चतम न्यायालय की देखरेख में की गई जांच ही विश्वसनीय होगी।

आवारा कुत्तों के मामले में राज्य सरकारें बना रहीं हवाई किले

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने बंध्याकरण के आदेशों का राज्यों द्वारा पालन नहीं करने पर जताई चिंता

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को आवारा कुत्तों के बंध्याकरण मामले में राज्य सरकारों की क्षमता बढ़ाने के निर्देशों का पालन नहीं करने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, वे सभी हवाई किले बना रहे हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने अपने पूर्व के निर्देशों के अनुपालन पर राज्यों की दलीलें सुनना शुरू किया। पीठ ने प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वे कहानी सुनाने में लगे हुए हैं। इस मामले में न्यायमित्र (एमिकस क्यूरी) वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने विभिन्न राज्यों द्वारा की गई पहल का सारांश प्रस्तुत करते हुए कमियों को उजागर किया।

उन्होंने बताया कि कुछ राज्यों ने उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुरूप कदम उठाए हैं, लेकिन पूर्ण अनुपालन के लिए अब भी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। उन्होंने कहा कि सरकारों को पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) सुविधाओं को बढ़ाना होगा, आवारा कुत्तों के बंध्याकरण में तेजी लानी होगी, कुत्तों के आश्रय स्थल स्थापित करने होंगे, संस्थागत क्षेत्रों की बाड़बंदी करनी होगी और सड़कों व राजमार्गों से आवारा जानवरों को हटाना होगा। बिहार सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का हवाला देते हुए अग्रवाल ने कहा कि वहां 34 एबीसी केंद्र हैं। उनके अनुसार वहां 20,648 कुत्तों का बंध्याकरण किया जा चुका है। हालांकि, उन्होंने इसका विवरण नहीं दिया कि बंध्याकरण की दैनिक क्षमता कितनी है और यह आंकड़ा किस अवधि के लिए है। अग्रवाल ने कहा, राज्य को एबीसी केंद्रों का संपूर्ण ऑडिट करना चाहिए था।

अस्पष्ट बयान देने वाले राज्यों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

पीठ ने कहा कि राज्य अस्पष्ट बयान नहीं दे सकते। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, हम अस्पष्ट कथन देने वाले राज्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने जा रहे हैं। उच्चतम न्यायालय ने गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, झारखंड और गुजरात की दलीलें भी सुनीं और स्कूलों व अस्पतालों में आवारा पशुओं के प्रवेश को रोकने के लिए संस्थागत क्षेत्रों में बाड़ लगाने के निर्देशों का अनुपालन न होने पर टिप्पणी की। पीठ ने टिप्पणी की, हर सार्वजनिक इमारत के चारों ओर बाड़ लगाई जानी चाहिए, न केवल आवारा कुत्तों या अन्य जानवरों से बचाव के लिए बल्कि संपत्ति को चोरी से बचाने के लिए भी। उसने कहा कि राज्य केवल कहानी सुनाते रहे हैं और जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। अग्रवाल ने कहा कि वह बृहस्पतिवार को पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना द्वारा उठाए गए कदमों का सारांश प्रस्तुत करेंगे।

बर्फबारी में भी चल रही रेल...

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में कटरा-श्रीनगर रेल खंड पर बर्फबारी के बीच चलती ट्रेन इस बात का संकेत दे रही है कि चाहे कुछ भी हो जाए देश की धड़कन (भारतीय रेल) चल रही है और अपनी ड्यूटी निभा रही है। ● एजेंसी

चंडीगढ़ के 26 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के 26 स्कूलों को बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी वाले ई-मेल मिले, जिसके बाद छात्रों और कर्मचारियों को एहतियातन बाहर निकाला गया और पुलिस ने गहन जांच की। पुलिस ने बताया कि सभी स्थानों की गहन तलाशी के बाद कहीं भी कोई संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जा रही है।

चंडीगढ़ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कंवरदीप कौर ने कहा कि 26 स्कूलों को बम धमकी वाले ई-मेल मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद नियंत्रण कक्ष 112 को सतर्क किया गया और स्थानीय पुलिस, दमकल वाहन, एंबुलेंस तथा बम निरोधक दस्तों को संबंधित स्कूलों में भेजा गया। उन्होंने बताया कि ये धमकी भरे ई-मेल एक ही ''जीमेल अकाउंट'' से स्कूलों को भेजे गए थे, जिनकी जांच चंडीगढ़ पुलिस की साइबर टीम कर रही है।

भारी मन से माघ मेले से विदा हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

प्रयागराज/लखनऊ, एजेंसी

- कहा- लोग यहां शांति के लिए आते हैं, हम रिक्तता ले लौट रहे

माघ मेले में मौनी अमावस्या पर प्रशासन की ओर से स्नान करने से रोकने के बाद शंकराचार्य शिविर के बाहर धरने पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बुधवार को भारी मन से मेले से विदा हुए। माघ मेले से प्रस्थान से पहले उन्होंने कहा, आज शब्द साथ नहीं दे रहे हैं और स्वर बोझिल हैं। प्रयाग की इस पवित्र धरती पर हम आध्यात्मिक शांति की कामना लेकर आते हैं, लेकिन आज यहां से एक ऐसी रिक्तता और भारी मन लेकर लौटना पड़ रहा है जिसकी कल्पना हमने कभी नहीं की थी।

शंकराचार्य ने कहा, प्रयाग में जो कुछ भी घटित हुआ, उसने न केवल हमारी आत्मा को झकझोरा है, बल्कि न्याय और मानवता के प्रति हमारे सामूहिक विश्वास पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। संगम की इन लहरों में स्नान करना, अंतरात्मा की संतृप्ति का मार्ग है, लेकिन आज मन इतना व्यथित है कि हम बिना स्नान किए यहां से विदा ले रहे हैं। मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पालकी पर सवार होकर स्नान के लिए संगम जा रहे थे। भीड़ का हवाला देते हुए प्रशासन के अधिकारियों ने उन्हें पालकी से उतरकर जाने को कहा, जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया।

अखिलेश ने कहा- ये बेहद अनिष्टकारी घटना

सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर सदियों पुरानी सनातन परंपराओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने शंकराचार्य के स्नान किए बिना माघ मेले से चले जाने को अत्यंत अनिष्टकारी घटना बताया। 'एक्स पर कहा, भाजपा के दंभ ने अनादिकाल से चली आ रही सनातनी परंपरा को तोड़ दिया है। संपूर्ण विश्व का सनातन समाज आहत ही नहीं बल्कि अनिश्चित भय से आशंकित है।

यूजीसी बिल को चुनौती वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने यूजीसी के हाल में अधिसूचित एक नियम को चुनौती देने वाली उस याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को सहमति जताई, जिसमें यह दलील दी गई है कि नियम में जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई गई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा गया है। सीजेआई सूर्यकांत व न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग करने वाले वकील की दलीलों पर गौर किया। वकील ने कहा, सामान्य वर्ग के खिलाफ भेदभाव बढ़ सकता है। मेरा मुकदमा 'राहुल दीवान एवं अन्य बनाम भारत सरकार' है। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि खामियां दूर कर दी जाएं। हम इसे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे।

नाम जोड़ना-हटाना एसआईआर का हिस्सा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ना और हटाना निर्वाचन आयोग द्वारा किए गए मतदाता सूची पुनरीक्षण का हिस्सा है। न्यायालय ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली 19 याचिकाओं के एक समूह पर अंतिम सुनवाई फिर शुरू की। आधार कार्ड को पहचान के एक प्रमाण के रूप में स्वीकार किए जाने के मुद्दे पर शीर्ष अदालत ने कहा कि जालसाजी की आशंका मात्र 12 अंकों वाले बायोमेट्रिक पहचान पत्र को खारिज करने का आधार नहीं बन सकती। पासपोर्ट भी सार्वजनिक दायित्वों का निर्वहन करने वाली निजी एजेंसियों से जारी किए जाते हैं।

बीटिंग रिट्रीट | भव्यता के साथ परंपरागत तरीके से होगा गणतंत्र दिवस समारोह का समापन

मन मोह लेंगी वंदे भारत, आनंद मठ, अतुल्य भारत की धुन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों के बैंड गुरुवार को यहां बीटिंग रिट्रीट समारोह में वंदे मातरम्, कदम कदम बढ़ाए जा, विजय भारत, सितारे हिंद और ब्रेव वारियर गीत सहित कई मधुर गीतों की धुनें प्रस्तुत करेंगे जो राष्ट्र गीत के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न भी होगा। यह भव्य समारोह परंपरागत रूप से हर साल गणतंत्र दिवस समारोह के समापन का प्रतीक होता है। इस वर्ष, समारोह के लिए विजय चौक पर बैठने के स्थानों का नाम भारतीय वाद्ययंत्रों जैसे बांसुरी, डमरू, एकतारा, एसराज, मृदंगम, नगाड़ा, पखावज, संतूर, सारंगी, सरिंदा, सरोद, शहनाई, सितार, सुरबहार, तबला और वीणा के नाम पर रखा गया है। कर्तव्य पथ पर इस वर्ष आयोजित औपचारिक परेड और इससे संबंधित अन्य समारोहों का प्रमुख विषय राष्ट्र गीत ''वंदे मातरम्'' की डेढ़ सौवीं वर्षगांठ है। रस्मी परेड के निमंत्रण कार्डों पर गीत की 150वीं वर्षगांठ का लोगो, बंकिम चंद्र चटर्जी की एक छवि और वंदे मातरम का वाटरमार्क अंकित है।

बीटिंग रिट्रीट समारोह के लिए जारी किए गए निमंत्रण कार्डों पर भी लोगो और स्मृति चिन्ह अंकित हैं। इसके अलावा कि वंदे मातरम् के ध्येय वाक्य पर आधारित कार्यक्रमों के तहत 19 से 26 जनवरी तक कई शहरों में सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के बैंड ने प्रस्तुतियां दीं। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के समापन के उपलक्ष्य में 29 जनवरी को होने वाले बीटिंग रिट्रीट समारोह के दौरान प्रतिष्ठित विजय चौक मनमोहक भारतीय धुनों से गूंजने के लिए पूरी तरह तैयार है। सेना, नौसेना, वायु सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कई केंद्रीय मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य आमंत्रित अतिथियों सहित विशिष्ट दर्शकों के समक्ष मनमोहक धुनों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करेंगे।

कदम कदम बढ़ाए जा...से कार्यक्रम की शुरूआत : समारोह का आरंभ सामूहिक बैंड द्वारा कदम कदम बढ़ाए जा की धुन से होगा, जिसके बाद पाइप और ड्रम बैंड द्वारा अतुल्य भारत, वीर सैनिक, मिली झूली, नृत्य सरिता, मरूनी और झेलम जैसी मधुर धुनें प्रस्तुत की जायेंगी। उसने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड विजय भारत, हथरोही, जय हो और वीर सिपाही की धुनें बजाएंगे। उसने कहा कि वायु सेना के बैंड द्वारा बजाई जाने वाली धुनों में ब्रेव वॉरियर, ट्वाइलाइट, अलर्ट और फ्लाइंग स्टार शामिल होंगी, जबकि नौसेना का बैंड नमस्ते, सागर पवन, मातृभूमि, तेजस्वी और जय भारती बजाएगा। इसके बाद सेना का बैंड विजयी भारत, आरंभ है, प्रचंड है, ऐ वतन, ऐ वतन, आनंद मठ, सुगम्य भारत और सितारे हिंद बजाएगा। अन्य बैंड भी प्रस्तुतियां देंगे।

समारोह के लिए इन इलाकों में यातायात रहेगा प्रतिबंधित

नई दिल्ली। नई दिल्ली के कई इलाकों में गुरुवार को बीटिंग रिट्रीट समारोह के मद्देनजर यातायात प्रतिबंधित रहेंगे। यातायात परामर्श के अनुसार दोपहर दो बजे से रात साढ़े नौ बजे तक विजय चौक और उसके आसपास राष्ट्रपति भवन, नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक और संसद भवन के आसपास प्रतिबंध लागू किए जाएंगे। इस अवधि के दौरान विजय चौक सामान्य यातायात के लिए पूरी तरह बंद रहेगा। सुनहरी मस्जिद गोल चक्कर से कृषि भवन गोल चक्कर तक रफी मार्ग पर तथा कृषि भवन गोल चक्कर से विजय चौक की ओर रायसीना रोड पर वाहन नहीं जाएंगे। दारा शिकोह रोड गोल चक्कर, कृष्ण मेनन मार्ग गोल चक्कर और सुनहरी मस्जिद गोल चक्कर से विजय चौक की ओर वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी।

अमृत विचार

गुरुवार, 29 जनवरी 2026

मानव अस्तित्व का रहस्य केवल जीवित रहने में नहीं, बल्कि जीने का कोई उद्देश्य खोजने में निहित है।

-फ्योदोर दोस्तोव्स्की, रूसी लेखक

अवसरों का द्वार

जब दुनिया संरक्षणवाद, टैरिफ़ युद्ध और आपूर्ति शृंखलाओं की अनिश्चितता से जूझ रही हो, तब विश्व व्यापार के लगभग एक-तिहाई और वैश्विक जीडीपी के करीब 25 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने वाली दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का साथ आना स्वाभाविक रूप से ऐतिहासिक महत्व रखता है। दो अरब से अधिक लोगों को प्रभावित करने वाली यह साझेदारी आर्थिक ही नहीं, भू-राजनीतिक समीकरणों पर भी असर करेगी। यह समझौता साफ संकेत है कि वैश्विक चुनौतियों का टिकाऊ समाधान टकराव नहीं, सहयोग है। ऐसे समय में जब अमेरिका में ट्रंप की नीतियों के तहत ऊंचे टैरिफ़ और 'अमेरिका फर्स्ट' की सोच ने पारंपरिक व्यापारिक ढांचे को झकझोरा है, भारत-ईयू समझौता उस का संतुलित जवाब है। यह किसी के विरुद्ध गठबंधन नहीं, बल्कि नियम-आधारित, बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था के समर्थन में एक पहल है।

अमेरिका नाराज है, क्योंकि लंबे समय से अटका यह समझौता ऐसे दौर में आगे बढ़ा, जब वॉशिंगटन और ब्रुसेल्स के बीच व्यापारिक मतभेद उभरे, हालांकि इससे अमेरिका-यूरोप संबंध निर्णायक रूप से नहीं बिगड़ने वाले पर वॉशिंगटन का दबदबा कुछ कम होगा। यदि भारतीय निर्यात को यूरोप में व्यापक बाजार पहुंच मिलती है तो ट्रंप टैरिफ़ से हुए संभावित नुकसान की भरपाई इससे आंशिक रूप से संभव है। इस डील के बाद अब अमेरिका के साथ भी संतुलित और पारस्परिक हितों पर आधारित व्यापार समझौते की संभावना बढ़ती है। यूरोपीय संघ अमेरिकी बाजार का पूर्ण विकल्प नहीं हो सकता, पर वह विविधीकरण का एक मजबूत स्तंभ अवश्य बन सकता है। समझौता पंचवर्षीय परिवर्तनकारी एजेंडे के देखना ठीक है, क्योंकि यह केवल टैरिफ़ घटाने का मामला नहीं, बल्कि मानकों, तकनीक, आपूर्ति शृंखला, डिजिटल व्यापार और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में गहरे सहयोग का ढांचा है। यदि जीएसपी जैसी रियायतों की बहाली या समान प्रावधान शामिल होते हैं, तो वस्त्र, परिधान, चमड़ा, हस्तशिल्प, जूते और समुद्री उत्पादों को बड़ा लाभ मिलेगा, जिससे परिधान उद्योग में चीन, बांग्लादेश और वियतनाम के साथ प्रतिस्पर्धा में भारत की स्थिति सुदृढ़ हो सकती है, बशर्ते हम गुणवत्ता और लागत दोनों में प्रतिस्पर्धी बनें। इंजीनियरिंग, ऑटो कंपोनेंट और मशीनरी क्षेत्र को यूरोपीय तकनीक और मानकों से तालमेल का अवसर मिलेगा। सेवा क्षेत्र विशेषकर आईटी, फिनटेक और प्रोफेशनल सेवाएं को। यदि वीजा और मूवमेंट ऑफ प्रोफेशनल्स में लचीलापन मिलता है, तो भारतीय युवाओं के लिए नए अवसर खुल सकते हैं। सेमीकंडक्टर तकनीक और हरित प्रौद्योगिकी में सहयोग भारत के औद्योगिक उन्नयन को गति दे सकता है।

रक्षा क्षेत्र में यूरोपीय संघ के बाजार तक पहुंच और संयुक्त उत्पादन की संभावनाएं निजी भारतीय कंपनियों के लिए नए द्वार खोल सकती हैं। फ्रांस, जर्मनी और इटली जैसे देशों की कंपनियों द्वारा भारत में रक्षा कॉम्प्लेक्स स्थापित करने से 'मेक इन इंडिया' को बल मिल सकता है। साथ ही इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को भी गति मिलना स्वाभाविक है। इसके लागू होने में डेढ़ बरस लग सकते हैं, पर यह समझौता अवसरों का द्वार है।

प्रसंगवश

38 फीसद भारतीय वयस्क आयली स्नैक्स के आदी

राष्ट्रीय पोषण संस्थान (ICMR-NIN) और WHO के अनुसार, लगभग 38% भारतीय वयस्क नियमित रूप से तले हुए स्नैक्स का सेवन करते हैं, जबकि केवल 28% लोग रोज़ाना फलों या सलाद जैसे स्वास्थ्यवर्धक आहार का सेवन करते हैं। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि अत्यधिक मात्रा में जंक फूड का सेवन मोटापे को तेज़ी से बढ़ाता है। यही मोटापा आगे चलकर मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र, अवसाद और तनाव जैसी कई गंभीर बीमारियों की नींव बन जाता है। जंक फूड का अत्यधिक सेवन केवल बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए भी अप्रत्यक्ष रूप से एक गंभीर खतरा बन चुका है। इन्हीं समस्याओं में से एक प्रमुख समस्या, जो हमारे समाज में तेज़ी से फैल रही है, वह है पॉलीसिस्टिक ओवरी डिज़ीज़ (PCOD)।

महामारी विज्ञान के अध्ययनों के अनुसार, 38–88 प्रतिशत PCOD से पीड़ित महिलाएं अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त होती हैं। यह स्पष्ट करता है कि जंक फूड, मोटापा और PCOD आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। यह समस्या प्रजनन आयु (15–49 वर्ष) की महिलाओं में सबसे आम अंतःस्रावी विकारों में से एक बन चुकी है और इसे एक वैश्विक स्वास्थ्य समस्या के रूप में पहचाना जा रहा है। अध्ययनों के अनुसार, विश्व-भर में प्रजनन आयु की 6–13 प्रतिशत महिलाएं PCOD से प्रभावित हैं। भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां लगभग 20 प्रतिशत महिलाएं PCOD से जूझ रही हैं। यानी हर पांच में से एक महिला इस समस्या से प्रभावित है।

डॉ. सुहैल ख़ान
चिकित्सक

PCOD में अंडाशय (ओवरी) में छोटी-छोटी सिस्ट बन जाती हैं और हार्मोनल संतुलन बिगड़ जाता है। इसका मुख्य कारण अस्वस्थ जीवनशैली और गलत खान-पान, विशेषकर जंक फूड का अधिक सेवन माना जाता है। जंक फूड में मौजूद अधिक शर्करा और अस्वस्थ वसा शरीर में इंसुलिन रेज़िस्टेंस पैदा करती हैं, जिससे हार्मोनल असंतुलन और पुरुष हार्मोन (एंड्रोजन) का स्तर बढ़ जाता है। इसके परिणामस्वरूप अनियमित मासिक धर्म, वजन बढ़ना, मुंहासे, बालों का झड़ना और बांझपन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। PCOD से पीड़ित महिलाओं में टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग का खतरा भी अधिक होता है।

पीसीओएस से पीड़ित रोगियों में थायरॉइड रोगों की घटना दर बढ़ जाती है। डेनमार्क में 2019 में किए गए एक अध्ययन में सामने आया है कि पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं में थायरॉइड रोग होने का खतरा, पीसीओएस से मुक्त महिलाओं की तुलना में लगभग 2.5 गुना अधिक होता है। PCOS से पीड़ित महिलाओं में सरल जीवनशैली में बदलाव करना, जैसे जंक फूड से बचाव, संतुलित आहार, खून में शुगर (ग्लूकोज़) का स्तर कम करना, पर्याप्त नींद लेना और तनाव कम करना, उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है और PCOS से जुड़ी जटिलताओं को कम कर सकता है।

जंक फूड ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं, जिनमें कैलोरी की मात्रा बहुत अधिक होती है, जबकि आवश्यक पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, विटामिन और खनिज बहुत कम पाए जाते हैं। इनमें संतृप्त वसा ट्रांस फैट, अत्यधिक नमक, कोलेस्ट्रॉल और शर्करा (ग्लूकोज़) की अधिकता होती है। इनमें परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट, अधिक सोडियम, कृत्रिम रंग और प्रिज़रवेटिव्स भी शामिल होते हैं। पिज़्ज़ा, बर्गर, इंस्टेंट नूडल्स, बिस्कुट, कैंडी, आलू के चिप्स, फ्रेंच फ्राइज़, मीठे पेय पदार्थ (कोल्ड ड्रिंक्स), पैकेज्ड स्नैक्स, परिष्कृत अनाज और हाई-फ्रक्टोज़ कॉर्न सिरप जैसे खाद्य पदार्थ जंक फूड की श्रेणी में आते हैं।

बजट: ग्रीन एनर्जी को मिल सकती है नई उड़ान

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी पहली फरवरी 2026 को देश का आम बजट पेश करने वाली हैं। यह बजट भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश तेजी से विकास कर रहा है और पर्यावरण की रक्षा भी जरूरी है। ग्रीन एनर्जी, यानी साफ और नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सोलर, विंड और हाइड्रोजन, भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2030 तक 500 गीगावॉट नॉन-फॉसिल फ्यूल क्षमता हासिल करने और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। इस बजट से ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को कई उम्मीदें हैं, जो देश को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में मजबूत बनाएंगी।

सबसे पहले, ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। भारत में सोलर पैनल, विंड टरबाइन और बैटरी स्टोरेज जैसी चीजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं आ सकती हैं। अभी भारत इनमें से कई सामान आयात करता है, जो महंगा पड़ता है। भारत में ग्रीन एनर्जी सेक्टर के एक्सपर्ट और येमनोको लिमिटेड के प्रमुख शैलेंद्र बेबोरठा ने बीते दिनों राजधानी में हुई इंटरनेशनल कांफ्रेंस के दौरान कहा था कि बजट में नई मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के लिए 15 प्रतिशत की रियायती आयकर दर फिर से शुरू की जा सकती है। इससे लोकल उत्पादन बढ़ेगा और नौकरियां पैदा होंगी। साथ ही, टेक्नोलॉजी और उपकरण विकास पर फोकस होगा, ताकि भारत आत्मनिर्भर बने। उदाहरण के लिए, सोलर मॉड्यूल और सेल बनाने वाली फैक्ट्रियों को सब्सिडी या टैक्स छूट मिल सकती है। इससे ग्रीन एनर्जी सस्ती हो जाएगी और आम लोग इसे अपनाएंगे।

> ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। सोलर पैनल, विंड टरबाइन और बैटरी स्टोरेज जैसी चीजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं आ सकती हैं।

दूसरी बड़ी उम्मीद स्टोरेज टेक्नोलॉजी से जुड़ी है। सोलर और विंड एनर्जी दिन-रात उपलब्ध नहीं रहती, इसलिए बैटरी स्टोरेज बहुत जरूरी है। बजट में पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज और बैटरी सिस्टम के लिए ज्यादा फंडिंग की उम्मीद है। देश के ग्रीन एनर्जी सेक्टर से जुड़े सब लोगों की चाहत है कि सरकार रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ज्यादा खर्च करे, जैसे टेक्नोलॉजी इनक्यूबेटर्स और यूनिवर्सिटी-इंडस्ट्री सहयोग। इससे नई तकनीकें विकसित होंगी और एनर्जी स्टोरेज सस्ता होगा। साथ ही, ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए हाई-कैपेसिटी ट्रांसमिशन लाइंस और सब स्टेशनों पर निवेश बढ़ सकता है। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि बड़ी मात्रा में रिन्यूएबल एनर्जी को ग्रिड में जोड़ना पड़ता है, वरना बिजली बर्बाद हो जाती है।

ग्रीन हाइड्रोजन भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहां बजट से बड़ी उम्मीदें हैं। ग्रीन हाइड्रोजन साफ पानी और रिन्यूएबल एनर्जी से बनता है और यह ट्रांसपोर्ट, इंडस्ट्री और पॉवर सेक्टर में इस्तेमाल हो सकता है। शैलेंद्र बेबोरठा मानते हैं कि भारत ग्रीन हाइड्रोजन मिशन चला रहा है, लेकिन इसे तेज करने के लिए बजट में ज्यादा आवंटन चाहिए। इंडस्ट्री चाहती है कि उत्पादन, स्टोरेज और ट्रांसपोर्टेशन के लिए सब्सिडी दी जाए। साथ ही, एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए टैक्स इंसेंटिव्स आ सकते हैं। इससे भारत दुनिया में ग्रीन हाइड्रोजन का बड़ा उत्पादक बन सकता है और विदेशी मुद्रा कमा सकता है।

रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देना भी एक बड़ी उम्मीद है। घरों और इमारतों पर सोलर पैनल लगाने से बिजली बिल कम होता है और पर्यावरण बचता है। बजट में रूफटॉप सोलर के लिए ज्यादा सब्सिडी या आसान लोन स्कीम्स आ सकती हैं। साथ ही, छोटे और मध्यम उद्योगों को ग्रीन एनर्जी अपनाने के लिए टैक्स ब्रेक्स मिल सकते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी सोलर एनर्जी फैलेगी और किसानों को फायदा होगा, जैसे सोलर पंप और इरिगेशन सिस्टम।

बजट से क्लीन एनर्जी इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि एनर्जी सिक्योरिटी, अफोर्डेबिलिटी और सस्टेनेबिलिटी पर फोकस। सरकार पिछले सालों में रिन्यूएबल एनर्जी पर फोकस कर रही है, लेकिन अब कैपेसिटी एडिशन से आगे बढ़कर स्टेबिलिटी और परफॉर्मेंस पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए ग्रिड रिफॉर्म्स जरूरी हैं, जैसे स्मार्ट ग्रिड और डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम अपग्रेड। साथ ही, क्लीन एनर्जी फंड्स बढ़ाए जा सकते हैं, जो प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को आकर्षित करेंगे।

एक और महत्वपूर्ण उम्मीद है कि बजट में ग्रीन फाइनेंसिंग को बढ़ावा दिया जाए। बैंक और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस को ग्रीन प्रोजेक्ट्स के लिए सस्ते लोन देने के लिए इंसेंटिव्स मिल सकते हैं। साथ ही, कार्बन टैक्स या ग्रीन बॉन्ड्स जैसी स्कीम्स आ सकती हैं, जो फॉसिल फ्यूल्स से दूर जाने में मदद करेंगी। इससे विदेशी निवेश भी बढ़ेगा, क्योंकि दुनिया भर में ग्रीन इन्वेस्टमेंट ट्रेंड है। ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में लोकल मैन्युफैक्चरिंग और क्लीन फ्यूल्स पर ज्यादा जोर होगा। उदाहरण के लिए, बायोफ्यूल और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स से जुड़ी इंडस्ट्री को सपोर्ट। इससे प्रदूषण कम होगा और अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी। साथ ही, R&D पर ज्यादा बजट से नई इनोवेशंस आएंगी, जैसे एडवांस्ड सोलर सेल्स या विंड टरबाइन्स।

इन सब उम्मीदों से ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में तेजी आएगी, लेकिन चुनौतियां भी हैं, जैसे महंगे इक्विपमेंट और ग्रिड कनेक्टिविटी। बजट अगर इन पर फोकस करे, तो भारत रिन्यूएबल एनर्जी टारगेट को आसानी से हासिल कर सकता है। साथ ही, क्लाइमेट चेंज से लड़ने में भारत लीडर बनेगा। बजट 2026 ग्रीन एनर्जी के लिए एक टर्निंग पॉइंट हो सकता है। अगर सरकार मैन्युफैक्चरिंग, स्टोरेज, हाइड्रोजन और ग्रिड पर निवेश करे, तो देश स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। इससे नौकरियां बढ़ेंगी, अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और पर्यावरण बचेगा। सभी की नजरें अब पहलू फरवरी पर टिकी हैं।

आमने सामने

पाकिस्तान, बांग्लादेश के समर्थन में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से हट सकता है। हम सरकार की सलाह का इंतजार कर रहे हैं। सरकार जो कहेगी, वही किया जाएगा। सरकार वर्ल्ड कप में न जाने को कहती है, तो हम उसका पालन करेंगे।

-मोहसिन नकवी
चेयरमैन
पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

भारतीय टीम जिस तरह की बल्लेबाजी कर रही है, उसे देखकर कई टीमें डर सकती हैं। पिछले मैच में भारत ने 15 ओवर में 209 रन बनाए, अब 10 ओवर में 150 रन। पाकिस्तान से कहना चाहता हूं, मत आओ। तुम्हारे चेयरमैन खुद यही संकेत दे रहे हैं।

-श्रीकांत
पूर्व भारतीय क्रिकेटर

प्रकृति से ज्यादा मानवीय आपदाओं से खतरा

अमित शर्मा
हल्द्वानी

पहाड़ों पर प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा मानवीय गतिविधियों से उपज रही आपदाओं का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। पर्यावरण के दृष्टिगत विकास के मानक तय नहीं हैं और जंगलों की अंधाधुंध कटाई, अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियां, सड़क एवं भवन निर्माण और वाहनों के बढ़ते दबाव से पहाड़ों की सुंदर तस्वीर बिगड़ रही है, जिसका भयानक खामियाजा बादल फटने, ग्लेशियर पिघलने, बाढ़ और सूखे के रूप में भुगतना पड़ रहा है। बीते वर्षों में आ चुकी कई बड़ी आपदाओं को हम समय बीतने के बाद भूल जाते हैं, लेकिन ये आपदाएं दोबारा सिर न उठाएं, इसके लिए निजी और सामूहिक तौर पर प्रयास नहीं होते। यही वजह है कि उत्तराखंड के पहाड़ों पर प्रकृति से ज्यादा मानवीय आपदाओं से खतरा मंडराता है।

पहाड़ों की तबाही के सिलसिलों का इतिहास बहुत पुराना भी नहीं है, बल्कि तभी से शुरू हुआ, जब विकास की गति में तेजी आई। पहाड़ों को काटना प्रकृति के साथ सबसे बड़ी भूल कही जा सकती है, जो पेड़ों को काटे बिना संभव नहीं। साथ ही, यह भूस्खलन को बढ़ावा देती है और यह किसी से छिपा भी नहीं है कि भूस्खलन की त्रासदियां हर वर्ष जानलेवा साबित होती हैं। वृक्षों की कमी से कार्बन जैसी घातक गैसों में वृद्धि स्वाभाविक है, जो वायु प्रदूषण को न्यौता देना है और प्रदूषण रोकने के प्रयास अभी तक नाकाफी साबित हुए हैं।

> जंगलों की अंधाधुंध कटाई, अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियां, सड़क एवं भवन निर्माण और वाहनों के बढ़ते दबाव से पहाड़ों की सुंदर तस्वीर बिगड़ रही है।

फलस्वरूप पीएम 2.5 जैसी जहरीली गैसों में निरंतर वृद्धि हो रही है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे विकास के चलते अंधाधुंध होटल और रिजॉर्ट की संख्या के कोई मानक नहीं हैं, जबकि इतना तो तय होना चाहिए कि किसी भी इलाके के क्षेत्रफल के हिसाब से विकास हो। साथ ही, वाहनों की आवाजाही की संख्या भी क्षेत्र की क्षमता के अनुसार निर्धारित होनी चाहिए. मगर इस दिशा में कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठाए गए हैं।

इस वजह से कई तरह की दुश्वारियों से दो-चार होना पड़ता है। बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर हाइड्रो पॉवर प्रोजेक्ट्स, हाईवे और सुरंग खोदा जाना प्रकृति के साथ अन्याय ही है। बांधों का निर्माण क्षेत्रीय मौसम पर बड़ा असर डालता है, जो उस क्षेत्र के साथ नजदीकी क्षेत्रों की बारिश में अनिश्चितता पैदा करता है और कृषि, आर्थिकी और सामाजिक स्तर प्रभावित होता है। मानवीय गतिविधियों के चलते पर्वतीय क्षेत्रों में एक बड़ा दुष्प्रभाव हिमालय भुगत रहा है, हालांकि इसके पीछे प्रमुख जिम्मेदार वैश्विक ताप में वृद्धि है, लेकिन पर्वतीय क्षेत्र में मानवीय गतिविधियां भी कम जिम्मेदार नहीं हैं।

पहाड़ों में नदियों के किनारे निर्माण, अत्यधिक वाहनों की आवाजाही, प्लास्टिक कचरा और बेहिसाब माइनिंग पर्यावरण पर हमले जैसा है। हिमालय से जुड़े राज्य लेह लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड में अभी तक किया गया विकास आपदाओं का जन्मदाता रहा है, लिहाजा प्रदूषण बढ़ रहा है, तो नुकसान उठाने पड़ रहे हैं। इस ओर गंभीरता से ध्यान देने की सख्त जरूरत है। समय रहते इस दिशा में सार्थक प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य में आपदाओं से निपटने के लिए और बड़ी योजनाओं के साथ तैयार रहना होगा।

यहां यह भी गौरतलब है कि पर्यावरण विशेषज्ञों की रिपोर्ट भी मानवीय कृत्य को जिम्मेदार मानती हैं। आर्य भट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ पर्यावरण व वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह कहते हैं कि अनियोजित मानवीय विकास को लेकर कई रिपोर्ट आ चुकी हैं, जो प्रकृति के साथ खिलवाड़ का विरोध करती हैं। विकास का आधार वैज्ञानिक होना चाहिए और पर्यावरण के अनुरूप होना चाहिए।

भारतीय मौसम विभाग, वाडिया इंस्टीट्यूट, हिमालयन जियोलॉजी और पर्यावरण मंत्रालय समेत कई अन्य रिपोर्ट आ चुकी हैं। एरीज भी हिमालय क्षेत्र की वायुमंडलीय स्थिति पर कई शोध कर चुका है, जो बताता है कि विकास पर्यावरण संरक्षण के आधार पर होना चाहिए। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई पर्यावरण वैज्ञानिकों का शोध बताता है कि खनन से मीथेन गैस अधिक निकलती है, जो ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने में अधिक जिम्मेदार मानी जाती है। कार्बन डाईऑक्साइड की तुलना में मीथेन 40 प्रतिशत अधिक वैश्विक ताप बढ़ाती है। इस दिशा में भी विचार किए जाने की सख्त जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि जब भी मौसम या ऋतुओं में खास परिवर्तन होता है, तो हिमालयी राज्यों में आपदा का खतरा बढ़ जाता है। जलवायु परिवर्तन ने मौसम के पैटर्न को बदल दिया है, जिससे कहीं सूखा तो कहीं अत्यधिक बारिश और बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। पहाड़ों पर मिट्टी की जलधारण क्षमता कम हो रही है। हमें साल 2013 की केदारनाथ त्रासदी को याद रखना होगा, जब बाढ़ ने हजारों लोगों की जान ले ली थी और लाखों लोगों को बेघर कर दिया था। हमें साल 2023 की जोशीमठ आपदा को भी नहीं भूलना चाहिए, जब जमीन धंसने से कई घरों को नुकसान पहुंचा और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पलायन करना पड़ा।

सोशल फोरम

एक थीं अजीजन बाई

अजीज़न बाई मूलतः पेशेवर नर्तकी थीं, जो देशभक्ति की भावना से भरपूर थीं। गुलामी की बेड़ियां तोड़ने के लिए उन्होंने घुंघरू उतार दिए थे। रसिकों की महफिलें सजाने वाली अजीज़न बाई क्रांतिकारियों के साथ बैठकें कर रणनीतियां बनाने लगीं। कानपुर में नाना साहेब के आह्वान पर अजीज़नबाई ने फिरंगियों से टक्कर लेने के लिए स्त्रियों का सशस्त्र दल गठित किया एवं उसकी कमान संभाली थी।

संजोग वाल्टर
ब्लॉगर

इतिहासकारों के मुताबिक अजीज़न बाई का जन्म 22 जनवरी 1824 को मालवा क्षेत्र के राजगढ़ में हुआ था। अजीज़न बाई बचपन से रानी लक्ष्मीबाई की तरह रहना पसंद करती थीं और पुरुषों के लिबास पहनती थीं। साथ ही अपने साथ हमेशा बंदूक रखतीं और सैनिकों के साथ घोड़े की सवारी भी करती थीं।

एक जून 1857 को क्रांतिकारियों ने कानपुर में बैठक की, इसमें नाना साहब, तात्या टोपे के साथ सूबेदार टीका सिंह, शमसुद्दीन खां और अजीमुल्ला खां के अलावा अजीज़न बाई ने भी हिस्सा लिया। यहां गंगाजल को साक्षी मानकर इन सबने अंग्रेजों की हुकूमत को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया।

जून 1857 में ही इन लोगों ने अंग्रेजों को जोरदार टक्कर देते हुए विजय प्राप्त की और नाना साहब को बिठूर का स्वतंत्र शासक घोषित कर दिया। परंतु यह खुशी ज्यादा दिनों तक नहीं टिक पाई। 16 अगस्त 1857 को बिठूर में अंग्रेजों के साथ पुनः भीषण युद्ध हुआ, जिसमें क्रांतिकारी परास्त हो गए। इन दोनों ही युद्धों में अजीज़न बाई की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण थी। उन्होंने युवतियों की टोली बनाई, जो कि मर्दाना वेश में रहती थीं।

युद्ध के दौरान अजीज़न बाई ने सिद्ध कर दिया कि वह वारांगना नहीं, अपितु वीरांगना है। बिठूर में हुए युद्ध में पराजित होने के बाद नाना साहब और तात्या टोपे को भागना पड़ा, लेकिन अजीज़न बाई पकड़ी गईं। इतिहासकारों के अनुसार युद्ध बंदिनी के रूप में उसे जनरल हैवलाक के सामने पेश किया गया।

उनके अप्रतिम सौंदर्य पर अंग्रेज अफसर मुग्ध हो उठे। जनरल ने उसके समक्ष प्रस्ताव रखा कि यदि वह अपनी गलतियों को स्वीकार कर अंग्रेजों से क्षमा मांग ले तो उन्हें माफ कर दिया जाएगा और वह पुनः रास-रंग की दुनिया सजा सकती हैं। अन्यथा कड़ी से कड़ी सजा भुगतने के लिए तैयार हो जाए। अजीज़न बाई ने क्षमा याचना करने से इनकार कर दिया। अंग्रेज सैनिकों ने उनके शरीर (20 सितंबर 1857) को गोलियों से छलनी कर दिया।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

इक्विटी नियम: आशंकाओं के बीच संतुलन की चुनौती

विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने वाली संस्थाएं नहीं होते, बल्कि वे ऐसे मंच होते हैं जहां समान अवसर, विचारों की स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के मूल्य आकार लेते हैं। भारत जैसे विविधता से भरे देश में यह सवाल हमेशा से प्रासंगिक रहा है कि क्या हमारे शैक्षणिक परिसरों में सभी छात्रों को समान सम्मान और अवसर मिल पाते हैं। इसी पृष्ठभूमि में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किए गए नए नियम 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 सामने आया है। इन नियमों का उद्देश्य स्पष्ट रूप से जाति आधारित भेदभाव को रोकना और वंचित वर्गों को संरक्षण देना बताया गया है, लेकिन इन्हीं नियमों को लेकर देश के कई हिस्सों में तीखा विरोध भी देखने को मिल रहा है।

सरकार और यूजीसी का तर्क यह है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव की घटनाएं कोई कल्पना नहीं हैं। बीते एक दशक में सामने आई कुछ दर्दनाक घटनाओं ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। रोहित वेमुला और पायल तडवी जैसे मामलों ने यह सवाल उठाया कि क्या विश्वविद्यालय प्रशासन समय रहते हस्तक्षेप करने में विफल रहा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद नियमों को सख्त करने की जो प्रक्रिया शुरू हुई, उसका मकसद जवाबदेही तय करना और यह सुनिश्चित करना था कि किसी भी छात्र को जाति के आधार पर अपमान, उपेक्षा या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। इस दृष्टि से हर कॉलेज में ईक्वल अपॉर्च्युनिटी सेंटर, इक्वलिटी कमेटी और निगरानी तंत्र बनाने का प्रस्ताव एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। यह व्यवस्था उन छात्रों के लिए एक औपचारिक मंच उपलब्ध कराती है, जो शिकायत दर्ज कराने से डरते रहे हैं या जिनकी आवाज दबा दी जाती थी।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

सरकार का यह भी कहना है कि नियमों में सख्ती इसलिए जरूरी है, क्योंकि केवल सलाह या दिशा-निर्देश पर्याप्त साबित नहीं हुए। पहले के नियमों में दंड का अभाव था, जिसके कारण कई संस्थानों ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया। नए प्रावधानों में ग्रांट रोकने या मान्यता रद्द करने जैसे कठोर कदम शामिल कर यह संदेश दिया गया है कि जातीय भेदभाव को अब हल्के में नहीं लिया जाएगा। इस तर्क में एक हद तक दम है, क्योंकि किसी भी कानून या नियम की प्रभावशीलता उसके पालन से जुड़ी होती है और पालन अक्सर दंड के भय से ही सुनिश्चित होता है।

दूसरी ओर, इन नियमों को लेकर जो विरोध सामने आया है, उसे केवल पूर्वाग्रह या राजनीतिक उकसावे का परिणाम मान लेना भी उचित नहीं होगा। जनरल कैटेगरी के छात्रों और कुछ शिक्षाविदों का कहना है कि नियमों की भाषा और संरचना असंतुलित है। भेदभाव की परिभाषा में केवल कुछ वर्गों को पीड़ित के रूप में चिन्हित किया गया है, जबकि जनरल कैटेगरी को इस दायरे से बाहर रखा गया है। इससे यह संदेश जाता है कि एक वर्ग को संभावित अपराधी और दूसरे को संभावित पीड़ित के रूप में पहले ही तय कर दिया गया है। किसी भी न्यायपूर्ण व्यवस्था में यह धारणा स्वयं में समस्या पैदा कर सकती है।

सबसे अधिक चिंता झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों के संदर्भ में जताई जा रही है। प्रारंभिक ड्राफ्ट में गलत शिकायत करने पर दंड का प्रावधान था, जिसे अंतिम नियमों से हटा दिया गया। आलोचकों का तर्क है कि इससे नियमों का दुरुपयोग आसान हो जाएगा। शिक्षा संस्थान पहले ही आंतरिक राजनीति, गुटबाजी और व्यक्तिगत टकरावों से अछूते नहीं हैं। ऐसे माहौल में यदि शिकायतकर्ता पर कोई जवाबदेही न हो, तो निष्पक्ष जांच की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

वर्ड स्मिथ

कैसे हुई पेन शब्द की उत्पत्ति

पेन शब्द की उत्पत्ति भाषा, इतिहास और लेखन परंपरा के आपसी संबंध को समझने का एक रोचक उदाहरण है। आज जिसे हम साधारण-सा लेखन उपकरण मानते हैं, उसका नाम सदियों पुराने सांस्कृतिक और तकनीकी विकास की कहानी अपने भीतर समेटे हुए है।

'पेन' शब्द अंग्रेजी भाषा का है, जिसकी जड़ें प्राचीन लैटिन भाषा में मिलती हैं। लैटिन में Penna शब्द का अर्थ होता है-पंख। प्राचीन काल में कागज पर लिखने के लिए जिस उपकरण का उपयोग किया जाता था, वह वास्तव में पक्षियों के पंखों से बनाया जाता था। हंस, मोर या अन्य बड़े पक्षियों के पंखों की नोक को तेज कर स्याही में डुबोया जाता और फिर उससे लिखा जाता था। ऐसे लेखन उपकरण को अंग्रेजी में Quill Pen कहा जाता था।

मध्यकालीन यूरोप में विद्वान, लेखक और धार्मिक ग्रंथों के नकलनकर्ता इन्हीं पंखों से लिखते थे। उस समय लेखन एक श्रमसाध्य और कौशलपूर्ण प्रक्रिया थी। पंख से लिखने के लिए हाथ की स्थिरता और अभ्यास की आवश्यकता होती थी, क्योंकि स्याही का प्रवाह पूरी तरह लेखक के नियंत्रण पर निर्भर करता था। यही कारण है कि उस दौर में सुलेख (Calligraphy) को एक कला के रूप में देखा जाता था। समय के साथ लेखन तकनीक में परिवर्तन आया। धातु की निब का आविष्कार हुआ, फिर फाउंटेन पेन और आगे चलकर बॉल पेन अस्तित्व में आए। हालांकि लेखन उपकरण का स्वरूप पूरी तरह बदल गया, लेकिन उसका नाम नहीं बदला। 'पेन' शब्द लेखन की उस पुरानी परंपरा की स्मृति के रूप में भाषा में बना रहा। यह शब्द हमें याद दिलाता है कि भाषा अपने भीतर अतीत की छाप सहेज कर रखती है, भले ही समय कितना ही आगे क्यों न बढ़ जाए।

नोटिस बोर्ड

- महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय (एमजेपीआरयू) के बीएससी कृषि व एमएससी कृषि की परीक्षाएं दो फरवरी से शुरू होंगी। गौरतलब है कि रुहेलखंड विश्वविद्यालय के बरेली व मुरादाबाद मंडल में नौ जिलों में 22 कृषि कॉलेज हैं, जिसमें अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को जिले में ही 17 कॉलेज में ही सेंटर दिया गया है।
- बीएचयू में दूसरे सेमेस्टर की कक्षाएं फरवरी में शुरू होगी। सत्र को समय से शुरू कर 60 दिन से ज्यादा कक्षाएं चलाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे पहले एनईपी के तहत चल रहीं सेमेस्टर और मिड टर्म परीक्षाएं समाप्त कराने का लक्ष्य रखा है, जबकि एक ही दिन 33 बहुविषयक परीक्षाएं करा ली जाएंगी।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की 40 हजार से अधिक सीटों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 2 फरवरी से शुरू की जाएगी। नए शैक्षणिक सत्र में यूजी-पीजी स्तर के 25 नए प्रोग्राम भी शुरू किए जा रहे हैं। इस बार बीटेक की कुछ सीटें सीयूईटी से भी भरी जाएंगी। गौरतलब है कि अब तक जेईई स्कोर से ही दाखिले होते थे। तीन साल की एलएलबी को भी शुरू किया गया है। सभी प्रोग्राम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय के टेस्ट सीईटी को देना होगा। अप्रैल-मई में एंट्रेंस होगा।

समानता के लिए समाधान

टकराव नहीं, संतुलन में है

महाविद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक के कैंपस में इस समय माहौल यूजीसी रेगुलेशन-2026 को लेकर चर्चा, बहस और पक्ष-विपक्ष के बीच बंटा हुआ नजर आ रहा है। कहा जा रहा है कि यूजीसी के नए विनियमों से उच्च शिक्षण संस्थानों में एससी, एसटी और ओबीसी बनाम जनरल कैटेगरी के बीच भेदभाव और बढ़ेगा और इन विनियम का दुरुपयोग एडमिशन, नियुक्ति, प्रमोशन हर जगह होगा। इसका दुष्परिणाम यह होगा कि छात्र-छात्रों के बीच जातीय संघर्ष बढ़ने से आपसी समरसता और खत्म हो जाएगी। इसके चलते इन विनियम की सार्थकता जितनी व्यावहारिक रूप से सहज दिख रही है, वास्तविकता से ये उतने ही दूर हैं। इसी तर्क के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके UGC विनियम, 2026 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है।

-मनोज त्रिपाठी, कानपुर

याचिका में कहा गया है कि नए नियम यूजीसी के समानता नियम के सेक्शन 3(C) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता और व्यक्तिगत आजादी जैसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं और यूजीसी अधिनियम 1956 के भी विरुद्ध है। इससे उच्च शिक्षा में समान अवसर देने के अवसर खत्म होंगे। सोशल मीडिया पर भी इस विनियम का भारी विरोध हो रहा है। इस सबके बीच हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि शिक्षा न केवल प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का हथियार भी है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान अलगाववादी बने रहेंगे, तो वे राष्ट्र निर्माण का अपना मुख्य उद्देश्य कैसे पूरा कर पाएंगे। ऐसे में देश को 'शिक्षा के अधिकार' से 'समान शिक्षा के अधिकार' की तरफ आगे बढ़ना जरूरी है और यह तभी संभव है, जब कैंपस के भीतर भेदभावपूर्ण प्रथाओं को हतोत्साहित करने के साथ दंडित करने का प्रावधान सुनिश्चित किया जाए।

इन कारणों से अस्तित्व में आए नए नियम

यूजीसी के अनुसार नए नियमों की जरूरत उच्च शिक्षण संस्थानों में पिछड़ी और अनुसूचित जाति-जनजातियों के विरुद्ध बढ़ते भेदभाव के मामले रोकने और उन पर निगरानी रखने के लिए बनाए गए हैं। 2020 से 2025 के बीच जातिगत भेदभाव से जुड़ी शिकायतों में 100 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई थी। इसके अलावा इस नियम को बनाने के पीछे रोहित वेमुला और पायल ताडवी जैसे मामलों में की गई सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां भी हैं। दरअसल जनवरी 2016 में तेलंगाना में रोहित वेमुला और मई 2019 में पायल ताडवी की आत्महत्या के मामलों के बाद पीड़ित परिजनों ने 29 अगस्त 2019 को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करके जातीय भेदभाव की शिकायतों पर कठोर नियम बनाने की मांग की थी। जस्टिस सूर्यकांत मिश्रा की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने यूजीसी को जातिगत भेदभाव की शिकायतों पर डेटा जुटाने और नए नियम बनाने का निर्देश जनवरी 2025 में दिया था। इसी के बाद फरवरी 2025 में नए नियमों से संबंधित ड्राफ्ट जारी किया गया था। यह भी कहा जा रहा है कि ये विनियम उच्च शिक्षा में जाति-आधारित भेदभाव के विरुद्ध कानूनी और संस्थागत ढांचे को सुदृढ़ करते हैं तथा वर्ष 2019 में आईआईटी दिल्ली के अध्ययन में उठाई गईं उन गंभीर चिंता को संबोधित करते हैं, जिनमें पाया गया था कि ऐतिहासिक रूप से वंचित जातियों के 75 फीसदी छात्र परिसर में भेदभाव का सामना करते हैं।

नए विनियम में यह हैं प्रावधान

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले विनियम-2026 को 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किया है। ये विनियम साल 2012 से लागू भेदभाव-रोधी नियमों का अपडेटेड स्वरूप हैं। इनका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव का उन्मूलन करना है।

- नए विनियमों में जाति आधारित भेदभाव की व्यापक व्याख्या की गई है। जाति-आधारित भेदभाव को अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के विरुद्ध किसी भी अनुचित या पक्षपातपूर्ण व्यवहार के रूप में परिभाषित किया गया है। इसके साथ ही भेदभाव को किसी भी अनुचित, पक्षपाती या भिन्न व्यवहार के रूप में परिभाषित किया गया है, चाहे वह प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष और यह जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान या विकलांगता जैसे आधारों पर लागू होता है। इसमें ऐसे कृत्य भी शामिल हैं, जो शिक्षा में समानता के अधिकार को बाधित करें या मानव गरिमा का उल्लंघन करें।
- प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान के लिए समान अवसर केंद्र (EOC) स्थापित करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य समता, सामाजिक समावेशन एवं समान पहुंच को बढ़ावा देना तथा परिसरों में भेदभाव से संबंधित शिकायतों का समाधान करना है।
- प्रत्येक संस्थान में समान अवसर केंद्र (EOC) स्थापित करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में समाज के सभी वर्गों के लिए समान अवसर और समावेशन सुनिश्चित करना है।
- समान अवसर केंद्र (EOC) के अंतर्गत संस्थान में एक समता कमेटी गठित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता संस्थान के प्रमुख करेंगे। इस कमेटी में ओबीसी, एससी, एसटी, दिव्यांग तथा महिलाओं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य होगा, ताकि समावेशी निर्णय प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। शिकायत मिलते ही समिति बैठक करेगी और रिपोर्ट संस्थान प्रमुख को देगी।
- हर संस्थान को 24 घंटे की इक्विटी हेल्पलाइन चलानी होगी। शिकायतकर्ता की पहचान मांगने पर गोपनीय रखी जाएगी।
- समान अवसर केंद्र को अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी, जबकि समानता कमेटी को वर्ष में कम से कम दो बार बैठक करनी होगी। हर संस्थान को समान अवसर केंद्र की कार्यप्रणाली पर वार्षिक रिपोर्ट यूजीसी को प्रस्तुत करनी होगी।
- नए विनियमों में भेदभाव उन्मूलन और समानता संवर्द्धन की स्पष्ट जिम्मेदारी संस्थानों को निर्दिष्ट की गई है तथा संस्थान के प्रमुख को प्रभावी कार्यान्वयन और अनुपालन के लिए सीधे उत्तरदायी बनाया गया है।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) राष्ट्रीय स्तर पर एक निगरानी समिति बनाएगा, जिसमें वैधानिक पेशेवर परिषदों व आयोगों के प्रतिनिधि तथा नागरिक समाज के सदस्य शामिल होंगे। यह समिति कम से कम वर्ष में दो बार बैठक करके नियमों के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगी, भेदभाव के मामलों की जांच करेगी और रोकथाम के उपाय सुझाएगी।
- नवीन नियमावली में संस्थानों को भेदभाव समाप्त करने, समानता को बढ़ावा देने और इसके लिए उपयुक्त उपाय करने के उत्तरदायित्व दिए गए हैं। संस्थान के प्रमुख को यह सुनिश्चित करने का पूर्ण अधिकार और जिम्मेदारी होगी कि नियमों का पालन हो।

नियमों का अनुपालन न होने पर क्या होगा

उच्च शिक्षा संस्थानों को यूजीसी की योजनाओं में भाग लेने से वंचित किया जा सकता है। उन्हें डिग्री कार्यक्रम, डिस्टेंस लर्निंग एवं ऑनलाइन कार्यक्रम संचालित करने से रोका जा सकता है। अनुदान रोका जा सकता है, नए कोर्स बंद हो सकते हैं। संस्थान को उच्च शिक्षा संस्थानों की सूची से हटाया जा सकता है। इससे ये नियम सिर्फ सलाह नहीं, बल्कि प्रवर्तनीय बन गए हैं।

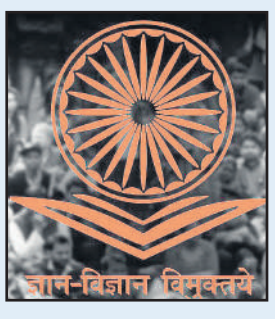

कौन से हैं वह मुख्य बिंदु, जिन पर जताई जा रही है आपत्ति

पिछले साल फरवरी माह में यूजीसी ने इन नियमों का मसौदा (ड्राफ्ट) संस्करण सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया था। इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे से बाहर रखा गया था, लेकिन अधिसूचित नियमों में यूजीसी ने ओबीसी को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे में शामिल कर लिया है। मसौदा नियमों में भेदभाव की परिभाषा अस्पष्ट थी, जिसे अब विस्तारित करते हुए कहा गया है कि जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान या दिव्यांगता के आधार पर कोई अनुचित या भेदभावपूर्ण व्यवहार, जो शिक्षा में समानता को लेकर बाधा डालता है या मानव की गरिमा का उल्लंघन करता है, उसे जातिगत भेदभाव माना जाएगा। इसी तरह मसौदा नियमों में यह प्रस्ताव था कि भेदभाव की झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों को 'हतोत्साहित' किया जाएगा और इसके लिए जुर्माना या सस्पेंड करने का प्रावधान रखा गया था, लेकिन अधिसूचित नियमों में झूठी शिकायतों से संबंधित प्रावधान हटा दिया है।

कैंपस में पहला दिन

सीख और स्मृतियों की यात्रा

इंटर की परीक्षा पास करते ही जीवन ने मुझे पहली बार घर की सीमाओं से बाहर निकलने का अवसर दिया। फर्रुखाबाद की परिचित गलियों और अपनेपन भरे माहौल को पीछे छोड़कर मैं पढ़ाई के लिए कानपुर आया। यह केवल शहर बदलने की यात्रा नहीं थी, बल्कि बचपन से युवावस्था की ओर बढ़ने का पहला ठोस कदम भी था। नवाबगंज स्थित वीएसएसडी कॉलेज में बीकॉम में दाखिला लिया और उसी के साथ एक बिल्कुल नई दुनिया मेरे सामने खुलने लगी।

कानपुर का माहौल मेरे लिए आकर्षक भी था और थोड़ा डरावना भी। नए चेहरे, नई भाषा, नए तौर-तरीके, सब कुछ अनजान था। नए दोस्तों से मिलना और उनके बीच अपनी जगह बनाना आसान नहीं था। कॉलेज को लेकर पहले से कई किस्से सुन रखे थे। यह भी पता चला था कि यहां को-एजुकेशन होती है, इसलिए मन में एक मासूम-सी उत्सुकता और खुशी भी थी। यह भ्रम जल्द ही टूट गया। बीकॉम की हमारी पूरी कक्षा में एक भी छात्रा नहीं थी। को-एजुकेशन की सारी कल्पनाएं पहले ही सेमेस्टर में दम तोड़ गईं। फिर भी कॉलेज जीवन निराशाजनक नहीं था। दोस्तों के साथ हंसी-मजाक, कैंटीन की चर्चाएं और कभी-कभार इधर-उधर घूमने की योजनाएं रोजमर्रा का हिस्सा बन गईं। हालांकि पढ़ाई को लेकर माहौल काफी सख्त था। हमारे प्रोफेसर छात्रों की नीयत तुरंत भांप लेते थे। जरा-सी लापरवाही या बहानेबाजी उनके

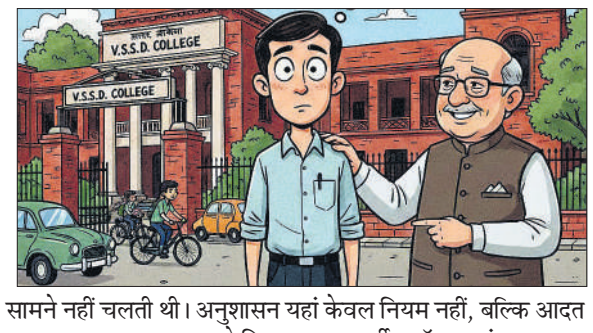

आरके सक्सेना
उद्यमी एवं समाजसेवी

सामने नहीं चलती थी। अनुशासन यहां केवल नियम नहीं, बल्कि आदत बन चुका था। हमारे विभागाध्यक्ष स्वर्गीय डॉ. ज्ञानचंद अग्रवाल एक विलक्षण व्यक्तित्व थे। उनके व्यवहार में कठोरता नहीं, बल्कि अपनापन था। उनकी सरलता, स्नेह और अनुशासन ने हम सब पर गहरा प्रभाव डाला। वे हमें सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं देते थे, बल्कि जीवन जीने की समझ भी देते थे। आज पीछे मुड़कर देखता हूं, तो महसूस होता है कि कानपुर का वह कॉलेज और वहां बिताया गया समय मेरे व्यक्तित्व की नींव बन गया। जो भी आत्मविश्वास, समझ और अभिव्यक्ति मुझमें आज दिखाई देती है, उसके पीछे मेरे कॉलेज और मेरे गुरुओं का अमिट योगदान है। वे दिन स्मृतियों में आज भी जीवित हैं- एक सीख की तरह, एक संस्कार की तरह।

करेंट अफेयर्स

- हाल ही भारत की रक्षा आधुनिकीकरण की झलक 77 वें गणतंत्र दिवस परेड में उस समय स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जब एक उन्नत हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली का पहली बार सार्वजनिक प्रदर्शन किया गया। स्वदेशी रूप से विकसित यह हथियार उच्च-गति और सटीक युद्ध क्षमताओं में भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को दर्शाता है तथा बदलते रणनीतिक वातावरण में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने पर दिए जा रहे विशेष जोर को रेखांकित करता है। हाइपरसोनिक हथियार अपनी असाधारण गति, अनिश्चित उड़ान पथ और उच्च सटीकता के कारण आधुनिक युद्ध में एक क्रांतिकारी परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करते हैं। वर्तमान में केवल कुछ ही देशों के पास परिचालन स्तर की हाइपरसोनिक क्षमताएं हैं। इस क्षेत्र में भारत की प्रगति उसे उन्नत सैन्य शक्तियों के विशिष्ट समूह में स्थापित करती है और भविष्य-उन्मुख रक्षा प्रौद्योगिकियों के प्रति देश की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
- हाल ही भारत और नामीबिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जनवरी 2026 में आयोजित उच्च-स्तरीय राजनयिक परामर्श के दौरान दोनों देशों ने रक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, स्वास्थ्य, कृषि और डिजिटल अवसंरचना जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। यह चर्चा संसाधन सुरक्षा, सतत विकास और उभरती वैश्विक चुनौतियों के साझा दृष्टिकोण को दर्शाती है।
- हाल ही में भारत-यूरोपीय संघ (EU) संबंधों ने 2026 में एक नया चरण शुरू किया, जब यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लेयेन ने भारत का उच्च-स्तरीय दौरा किया। इस यात्रा के दौरान व्यापार, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और जन-जन संपर्क से जुड़े व्यापक समझौते हुए, जो तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में साझेदारी को मजबूत करने की साझा दृष्टि को दर्शाते हैं।
- हाल ही उत्तराखंड राज्य ने अपने नागरिक कानून ढांचे में एक और महत्वपूर्ण सुधार करते हुए समान नागरिक संहिता (UCC) को नए संशोधनों के माध्यम से और सुदृढ़ किया है। इस कदम का उद्देश्य कानून को अधिक व्यावहारिक, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाना है, साथ ही राज्य में नागरिक मामलों में समानता और डिजिटल शासन को मजबूत करना है।

जॉब अलर्ट

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (CBI)

- पद का नाम-फॉरेन एक्सचेंज ऑफिसर (स्केल III) और मार्केटिंग ऑफिसर (स्केल I)
- कुल पद- 350
- नौकरी का स्थान- पूरे भारत में कहीं भी
- वेतन स्केल III: 85,920-1,05,280 और स्केल I: 48,480-85,920
- अंतिम तिथि-03 फरवरी 2026
- परीक्षा की तिथि- फरवरी/मार्च 2026 (संभावित)
- वेबसाइट-centralbankofindia.bank.in

बॉम्बे मर्कंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड (BMC बैंक)

- पद का नाम- मैनेजिंग डायरेक्टर
- पदों की संख्या- उल्लेखित नहीं (मैनेजिंग डायरेक्टर का एक कार्यकारी पद)
- योग्यता- किसी भी विषय में ग्रेजुएट, CAIIB, CA, MBA, बैंकिंग और फाइनेंस या कानून में योग्यता या PG डिग्री वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।
- आयु सीमा-उम्मीदवार की आयु 35 से 65 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
- आवेदन की अंतिम तिथि-15-02-2026 (15 फरवरी 2026 से पहले)
- वेबसाइट-www.bmc.bank.in

सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी (CCRH)

- पद का नाम-विभिन्न पद (जूनियर रिसर्च फेलो, सीनियर रिसर्च फेलो, रिसर्च एसोसिएट, साइंटिस्ट C, प्रोजेक्ट एसोसिएट II, मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजिस्ट, मल्टी-टास्किंग स्टाफ, ऑफिस असिस्टेंट, फार्मासिस्ट/कंपाउंडर/डिस्पेंसर, लैब टेक्नीशियन, प्रिंसिपल प्रोजेक्ट एसोसिएट)
- पदों की संख्या-40
- वेतन-रु. 16,000 से रु. 84,337 (एकमुश्त) + HRA (पदानुसार अलग-अलग, कुछ में वार्षिक वेतन वृद्धि)
- योग्यता-पद के अनुसार अलग-अलग
- आयु सीमा-30 से 64 वर्ष (पद के अनुसार अलग-अलग, इंटरव्यू की तारीख के अनुसार)
- वेबसाइट- https://ccrhindia.ayush.gov.in/

कम्युनिकेशन स्किल: सफल करियर की कुंजी

कम्युनिकेशन स्किल आज के समय में कोई अतिरिक्त योग्यता नहीं रह गई है, बल्कि यह हर छात्र के व्यक्तित्व और सफलता की बुनियाद बन चुकी है। कई शोध यह साबित कर चुके हैं कि जिन विद्यार्थियों में प्रभावी संचार क्षमता होती है, वे पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में आगे रहते हैं। मजबूत कम्युनिकेशन स्किल न केवल आत्मविश्वास बढ़ाती है, बल्कि आपको अपने विचारों को सही शब्दों में ढालने और दूसरों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की ताकत भी देती है। कक्षा में सवाल पूछने से लेकर इंटरव्यू में खुद को प्रस्तुत करने तक- हर जगह संचार कौशल निर्णायक भूमिका निभाता है। कॉलेज का समय इन क्षमताओं को निखारने का सबसे सही दौर होता है।

नवनीत तिवारी
करियर काउंसर

सुनने की बनाएं आदत

अक्सर लोग संचार को केवल प्रभावशाली बोलने की कला मान लेते हैं, जबकि सच यह है कि संवाद की असली शुरुआत ध्यानपूर्वक सुनने से होती है। सुनना केवल शब्दों को ग्रहण करना नहीं, बल्कि सामने वाले की भावना, विचार और दृष्टिकोण को समझने की प्रक्रिया है। जब हम पूरी एकाग्रता से किसी की बात सुनते हैं, तो यह उसके प्रति सम्मान और रुचि को दर्शाता है। सुनने की क्षमता ही सही और संतुलित प्रतिक्रिया का आधार बनती है। इस तरह सुनने की आदत संवाद को सार्थक और भरोसेमंद बनाती है।

शब्दों का चयन सोच-समझकर करें

बोलना आसान है, लेकिन सही समय पर सही शब्द कहना एक कला है। छात्रों को यह समझना चाहिए कि शब्दों का असर गहरा होता है। कभी-कभी एक वाक्य किसी को प्रेरित कर सकता है और वही वाक्य किसी को आहत भी कर सकता है। इसलिए अपनी बात रखने से पहले थोड़ा ठहरें, सोचें और फिर बोलें। प्रत्येक छात्र को इस आदत को विकसित करना चाहिए, क्योंकि एक बार बोले गए शब्द वापस नहीं लिए जा सकते। आपके शब्द सराहना से भरे भी हो सकते हैं और आलोचनात्मक भी। उनमें सामने वाले को अच्छा या बुरा महसूस कराने की शक्ति होती है। इसलिए शब्दों के महत्व को समझें और बोलने से पहले सोचें।

वाद-विवाद से आत्मविश्वास को दें उड़ान

सार्वजनिक रूप से बोलने का डर छात्रों के आत्मविश्वास में सबसे बड़ी बाधा बनता है, जिसे दूर करने में कॉलेज की वाद-विवाद प्रतियोगिताएं अहम भूमिका निभाती हैं। डिबेट में भाग लेने से विद्यार्थी विषय को गहराई से समझना सीखते हैं और अपने विचारों को तार्किक ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित करते हैं। बहस के दौरान अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आते हैं, जिससे सोच का दायरा व्यापक होता है और सहनशीलता भी बढ़ती है। जब छात्र पक्ष और विपक्ष दोनों की तैयारी करते हैं, तो वे किसी भी परिस्थिति में संतुलित और प्रभावी ढंग से अपनी बात रखने में पूर्णरूप से सक्षम होते हैं। साथ ही, प्रतिद्वंद्वी के तर्कों को समझकर उनका संयमित और तथ्यात्मक तरीक से खंडन करना भी सीखते हैं, जो प्रभावी संवाद के लिए आवश्यक कौशल है।

स्पष्ट सोच, प्रभावी अभिव्यक्ति

अगर विचार उलझे होंगे, तो शब्द भी उलझे ही निकलेंगे। इसलिए जरूरी है कि बोलते समय आप मुद्दे पर टिके रहें। लेखन इस दिशा में एक बेहतरीन अभ्यास है। जब आप लिखते हैं और फिर अपने लिखे को पढ़ते हैं, तो सोचने का दायरा विस्तृत होता है और विचारों में स्पष्टता आती है। बोलते समय अपनी बात स्पष्ट और मुद्दे पर केंद्रित रखें। जब आपके विचार स्पष्ट होते हैं, तभी आपकी अभिव्यक्ति में विशिष्टता आती है।

एक हुनर है प्रश्न पूछना भी

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपने सामने वाले के संदेश को सही ढंग से समझा है, प्रश्न पूछना एक आवश्यक कौशल है। यह न केवल किसी विषय को गहराई से समझने में मदद करता है, बल्कि बातचीत को शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने का भी प्रभावी तरीका है। अच्छे प्रश्न पूछने वाले लोग प्रायः अच्छे श्रोता भी माने जाते हैं, क्योंकि वे अपनी राय थोपने के बजाय दूसरों को समझने पर अधिक ध्यान देते हैं। अच्छा संवाद केवल जवाब देने से नहीं, बल्कि सही प्रश्न पूछने से भी बनता है। सवाल पूछने से यह स्पष्ट होता है कि आप बातचीत में रुचि ले रहे हैं और सामने वाले को समझना चाहते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,344.68	25,342.75
बढ़त	487.20	167.35
प्रतिशत में	0.60	0.66

सोना 1,71,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,85,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 29 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2610, राजश्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2425, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 2145, जय जवान 2140, सचिन 2130, सूरज 2140, अवसर 1945, उजाला 2125, गृहणी 13 किग्रा 1985, क्लासिक (किग्रा) 2325, मोर 2335, चक्र टिन 2375, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2560

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000-23000, धनिया 9400-12000, अजवाइन 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, **प्रति किलो :** लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल प्रति कु. : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा,5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4150,लाडली 4100

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल, 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 8700, अरहर पटका मोटा 9300, अरहर कोरा मोटा 9600, अरहर पटका छोटा 11000-11500, अरहर कोरी छोटी 12500

चीनी : पीलीभीत 4400, बहेड़ी 4220

ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने में भारत पूरी तरह सक्षम : हरदीप पुरी

भारत और कनाडा ने ऊर्जा सहयोग के संयुक्त वक्तव्य पर किए हस्ताक्षर. हाजसन ने कहा, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बैठक ऊर्जा संवाद की नई शुरुआत

अनिल त्रिगुणायत,गोवा

अमृत विचार। ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के बीच विकासशील और विकसित राष्ट्रों ने सकारात्मक कदम उठाने की कवायद शुरू कर दी है। भारत में गोवा राज्य के ओएनजीसी परिसर में आयोजित 'भारत ऊर्जा सप्ताह, सम्मेलन इसी कड़ी का हिस्सा। तरलीकृत प्राकृतिक गैस(एलएनजी),तरल पेट्रोलियम गैस(एलपीजी)कच्चे तेल तथा रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों के आपसी आयात-निर्यात को लेकर भारत-कनाडा में बुधवार को संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर किया गया।

दोनों देश हरित हाइड्रोजन व सौर की उत्पादकता और वितरण के संदर्भ में भी मिलकर कार्य करने पर सहमति जताई। विश्व का दूसरा सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले देश कनाडा और विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश भारत के बीच ऊर्जा क्षेत्र में हुआ पहल उत्तरी अटलांटिक तथा पैसिफिक--एशिया के देशों को भी एक नई दिशा प्रदान करेंगे। समझौते के पश्चात भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में हमारा देश एक उभरती शक्ति बन चुका है।

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने में भारत सक्षम है। पुरी ने कहा कि हरित हाइड्रोजन और एलएनजी की उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ इसके विस्तार की स्रोतों पर भी मिलकर कार्य करेंगे। कनाडा और भारत ऊर्जा की विभिन्न आयामों को सही राह दिखाएंगे, भारी निवेश करते हुए उल्लेखनीय कार्य करेंगे। पुरी ने बताया कि ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को लेकर भारत अपने सहयोगी देशों अर्थात ब्राजील,स्वीडन,पोलैंड,रूस, संयुक्त अरब अमीरात(यूएई),ओमन तथा इंडोनेशिया के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।

कनाडा के ऊर्जा मंत्री टिओमी हाज़सन ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत बड़ी शक्ति बन चुका है। कनाडा अपने समुचित संसाधनों के साथ भारत सहयोग देगा और लेगा भी। हाजसन ने यह भी कहा कि करीब 140 करोड़ भारतीयों को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बीड़ा उठाना कोई आसान काम नहीं। तेल शोधन और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यातक देशों में भारत का स्थान विश्व में यूं ही अग्रणी नहीं हो गया है। दोनों देशों के मध्य मंत्रीस्तरीय ऊर्जा संवाद नई शुरुआत है। हम काफी कुछ बेहतर करेंगे। मंत्रियों ने दोनों देशों की सुरक्षा,बेहतरी,आर्थिक विकास हेतु ऊर्जा संसाधन और ऊर्जा आपूर्ति की विविधता को भी रेखांकित किया। भारत व कनाडा के पेट्रोलियम मंत्रालयों ने ऊर्जा क्षेत्र के पूरक प्रकृति तथा ऊर्जा मामलों पर लगातार सहयोग से मिलने वाले पारस्परिक लाभ को भी मान्यता दी। दोनों देशों ने वैल्यू चेन में 'व्यापार से व्यापार' या 'व्यापार से सरकार' सहयोग को प्रोत्साहन देने और आपस में मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

भारत ऊर्जा सप्ताह में भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी तथा कनाडा के ऊर्जा मंत्री टिओमी हाजसन।

भारत-कनाडा में यह बनी सहमति

ट्रांस माउंटेन एक्सपेंशन(टीएमएक्स) पाइपलाइन के माध्यम से कनाडा भारत को कच्चा तेल देगा। भारत कनाडा से एलएनजी,एलपीजी के अलावा अन्य संदर्भित सामग्री आयात करेगा। इसके बदले भारत कनाडा को रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों को बहुतायत में निर्यात करेगा। पहली बार भारत आए कनाडा के पेट्रोलियम मंत्री टिओमी हाजसन ने बताया कि दोनों देश नवीनीकरण ऊर्जा अर्थात हाइड्रोजन,जैव तथा संपोषित विमानन ईंधन बैटरी भंडारण,महत्वपूर्ण खनिज उत्खनन,स्वच्छ प्रौद्योगिकी तथा विद्युत प्रणालियों के नवाचार को आपसी सहयोग से बढ़ावा देंगे। जान लें,भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल और एलपीजी उपभोक्ता,चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक तथा चौथा सबसे बड़ा तेल शोधन क्षमता वाला देश है।

भारत-ईयू के समझौते से युवाओं को मिलेंगे रोजगार के नए अवसर : मुर्मू

राष्ट्रपति के दोनों सदनों में संयुक्त अभिभाषण से हुई बजट सत्र की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर का स्वागत करते हुए बुधवार को कहा कि इससे विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों को गति मिलेगी और देश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। बजट सत्र के पहले दिन संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के अपने प्रदर्शन में और सुधार किया है जिसका सीधा लाभ गरीब एवं मध्यम वर्ग को मिल रहा है।

उन्होंने कहा, मेरी सरकार की नीतियों के परिणामस्वरूप, नागरिकों की आय बढ़ी है, उनकी बचत में वृद्धि हुई है और उनकी क्रय शक्ति में भी सुधार हुआ है। भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जिसे ''सबसे बड़ा समझौता'' कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य दो अरब लोगों का बाजार तैयार करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व ने नियम-आधारित विश्व व्यवस्था की रक्षा के लिए व्यापार एवं रक्षा का बड़े पैमाने पर लाभ उठाने हेतु एक परिवर्तनकारी पांच वर्षीय एजेंडा भी पेश किया है।

खुशहाल किसान पहली प्राथमिकता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सरकार के लिए खुशहाल किसान विकसित भारत की पहली प्राथमिकता है और इसी को ध्यान में रखकर किसान सम्मान निधि के तहत कृषकों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ उन फसलों का भी उत्पादन बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है जिसमें अभी तक हमारा कृषि क्षेत्र पीछे था। मुर्मू ने कहा, कृषि का महत्व समझाते हुए संत तिरुवल्लुवर ने कहा था कि समाज के लोग चाहे जिस भी काम से जुड़े हों, हर व्यक्ति का जीवन एक मेहनती किसान के परिश्रम पर निर्भर होता है। इसीलिए मेरी सरकार खुशहाल किसान को विकसित भारत की पहली प्राथमिकता के रूप में देखती है।

सुधार एक्सप्रेस, जीएसटी से एक लाख करोड़ रुपये की बचत

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सरकार 'सुधार एक्सप्रेस' के पथ पर आगे बढ़ रही है जिससे गरीब एवं मध्यम वर्ग को लाभ हो रहा है। पिछले साल लागू किए गए ऐतिहासिक अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार ने नागरिकों के लिए एक लाख करोड़ रुपये की बचत सुनिश्चित की है। मुर्मू ने कहा कि सरकार ने आयकर कानून में संशोधन किया है और 12 लाख रुपये तक की आय को कर से छूट देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इन सुधारों से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को अभूतपूर्व लाभ मिल रहे हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है।

स्मार्टफोन निर्यात अप्रैल-अगस्त में एक लाख करोड़ रुपये पार

राष्ट्रपति ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और भारत स्मार्टफोन उत्पादन में विश्व में दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में एक लाख करोड़ रुपये का निर्यात हुआ। पिछले 11 वर्षों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में 25 लाख से अधिक नई नौकरियां पैदा हुई हैं और आईटी सेवाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और वैश्विक क्षमता केंद्रों में भी एक करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है।

खरगे ने केंद्र के विकसित भारत को बताया खोखला नारा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हमला बोलते हुए कहा है कि राष्ट्रपति का अभिभाषण एक औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह गया है, जिसमें पुराने दावों और वादों को दोहराया जाता है लेकिन उनके क्रियान्वयन या जवाबदेही पर कोई चर्चा नहीं होती।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार द्वारा दिए गए 'विकसित भारत' के नारे पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया के जरिए कहा कि यह नारा स्पष्ट लक्ष्यों, समय-सीमा और परिणामों के बिना सिर्फ राजनीतिक जुमला है। उनका आरोप है कि बिना ठोस रोडमैप के विकास की बात करना जनता को गुमराह करने के बराबर है। खरगे ने मनरेगा को लेकर भी केंद्र को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने रोजगार की गारंटी देने वाले मनरेगा को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया है, जिससे करोड़ों गरीब और असंगठित श्रमिकों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। मनरेगा ग्रामीण गरीबों के लिए सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि सम्मान के साथ काम करने का अधिकार था।

सेंसेक्स में 487 और निफ्टी में 167 अंकों का उछाल

मुंबई, एजेंसी

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता से बढ़े उत्साह के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 487 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी में 167 अंकों की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 487.20 अंक यानी 0.60 प्रतिशत उछलकर 82,344.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 646.49 अंक की तेजी के साथ 82,503.97 अंक तक पहुंच गया था। वहीं एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 167.35 अंक यानी 0.66 प्रतिशत बढ़कर 25,342.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर दिसंबर तिमाही के नतीजों के बाद करीब नौ प्रतिशत तक उछल गए। इटर्नल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही।

- भारत-यूरोपीय संघ के एफटीए से लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी

चांदी 3.85 लाख, सोना 1.71 लाख रुपये पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोना और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी रहा। कमजोर अमेरिकी डॉलर और वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच दोनों नए शिखर पर पहुंच गए। चांदी में लगातार तीसरे दिन तेजी आई और यह 15,000 रुपये यानी 4.05 प्रतिशत बढ़कर सभी कर सहित 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले सत्र में यह 3,70,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी, जबकि शुक्रवार को यह 3,29,500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 5,000 रुपये यानी तीन प्रतिशत बढ़कर 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। मंगलवार को यह 1,66,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

सोने में तेजी के बीच दो साल में दोगुना हुआ गोल्ड लोन

नवंबर 2023 में था 7.9 लाख करोड़ रुपये, अब 15.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

सोने की कीमतों में तेज उछाल के बीच सुरक्षित माने जाने वाले इस खंड में बैंकों और अन्य कर्जदाताओं की दिलचस्पी बढ़ने से देश में सोने के आभूषण के बदले कर्ज यानी गोल्ड लोन दो साल में करीब दोगुना होकर नवंबर 2025 तक 15.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। क्रिफ हाई मार्क की ओर से बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2025 तक के एक साल में 'सोने के बदले कर्ज' (गोल्ड लोन) में 42% की वृद्धि दर्ज की गई। इससे पहले नवंबर 2024 तक के वर्ष में इसमें 39% की बढ़ोतरी हुई थी। इस वजह से नवंबर 2023 में 7.9 लाख करोड़ रुपये पर रहा कुल गोल्ड लोन पोर्टफोलियो दो साल में बढ़कर 15.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिपोर्ट के मुताबिक, सोने के बदले कर्ज को लेकर बढ़ते भरोसे के कारण खुदरा कर्ज के कुल पोर्टफोलियो में इसकी हिस्सेदारी भी बढ़ी है। नवंबर 2025 के अंत तक कुल खुदरा ऋण में गोल्ड लोन की हिस्सेदारी बढ़कर 9.7% हो गई, जो एक साल पहले 8.1 प्रतिशत थी।

क्रिफ हाई मार्क ने कहा कि ऋण पोर्टफोलियो में यह तेज बढ़ोतरी सोने की ऊंची कीमतों और मजबूत गारंटी की वजह से हो रही है। सोने की कीमतों में आई तेजी से कर्ज लेने वालों की पात्रता बढ़ने से कर्ज की राशि भी ज्यादा हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सक्रिय गोल्ड लोन खातों की संख्या में वृद्धि अपेक्षाकृत सीमित रही और इसमें 10.3% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि 2.5 लाख रुपये से अधिक के कर्ज अब कुल पोर्टफोलियो का लगभग आधा हिस्सा बन चुके हैं जबकि मार्च 2023 में इनकी हिस्सेदारी 36.4 % थी।

पुरुषों ने लिया ज्यादा कर्ज, महिलाओं ने ज्यादा चुकाया

विश्लेषण में पाया गया कि कुल गोल्ड लोन में 56 प्रतिशत से अधिक कर्ज पुरुष उधारकर्ताओं ने लिए। हालांकि कर्ज चुकाने के मामले में महिला कर्जदारों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा है। बाजार हिस्सेदारी के लिहाज से गोल्ड लोन में सरकारी स्वामित्व वाले बैंकों का दबदबा बना हुआ है और इस कारोबार में उनकी हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत है। वहीं, गोल्ड लोन पर केंद्रित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की हिस्सेदारी 8.1 प्रतिशत रही।

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर दो साल के उच्च स्तर 7.8% पर

नई दिल्ली। खनन, विनिर्माण एवं बिजली क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन के दम पर भारत के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर दिसंबर 2025 में दो साल से अधिक के उच्च स्तर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह दावा किया गया है।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा जाने वाला औद्योगिक उत्पादन दिसंबर 2024 में 3.7 प्रतिशत बढ़ा था। आधिकारिक बयान में कहा गया, दिसंबर 2025 में औद्योगिक गति और मजबूत हुई क्योंकि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 7.8 प्रतिशत बढ़कर दो वर्ष से अधिक के अपने उच्च स्तर पर पहुंच गया। नवंबर 2025 में इसमें 7.2 प्रतिशत (संशोधित) की वृद्धि दर्ज की गई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने नवंबर 2025 के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि के अनुमान को पिछले महीने जारी किए गए 6.7 प्रतिशत के अस्थायी अनुमान से संशोधित करके 7.2 प्रतिशत कर दिया है।

- खनन, विनिर्माण एवं बिजली क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन ने दिलाई बढ़त

हफ्ते में दूसरी बार रुपये का लुढ़कने का रिकॉर्ड फिर 91.99 प्रति डॉलर

मुंबई। महीने के अंत में डॉलर की मांग आने से बुधवार को रुपया 31 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 91.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ और एक सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक अमेरिकी डॉलर सूचकांक में नरमी और यूरोप के साथ व्यापारिक समझौते से मिली राहत से रुपया मजबूती से खुला था, लेकिन विदेशी पूंजी की निकासी के दबाव और वैश्विक स्तर पर जारी तनाव से निवेशकों का रुख बनाए नहीं रख सका। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.60 प्रति डॉलर पर खुला और कारोबार के दौरान 91.50 प्रति डॉलर के उच्च स्तर तक गया लेकिन बाद में रुपया डॉलर के मुकाबले 91.99 के निचले स्तर तक फिसल गया। कारोबार के अंत में रुपया 31 पैसे की गिरावट के साथ 91.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इसके पहले 23 जनवरी को भी रुपया 91.99 प्रति डॉलर पर रहा था।

अमेजन करेगी 16,000 कर्मचारियों की छंटनी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन तीन महीने में दूसरी बार बड़े पैमाने पर छंटनी करते हुए लगभग 16,000 नौकरियों की कटौती करने जा रही है। कंपनी ने कहा कि उसकी कर्मचारियों की जगह जनरेटिव यानी सृजन से जुड़े एआई का इस्तेमाल करने की योजना है। महामारी के दौरान बढ़ी हुई कार्यबल संख्या को भी धीरे-धीरे कम किया जा रहा है।

ई-कॉमर्स कंपनी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बेथ गैलेटी ने बुधवार को एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि कंपनी विभिन्न स्तरों को घटा रही है, कर्मचारियों की जिम्मेदारी बढ़ा रही है और नौकरशाही को कम कर रही है। गैलेटी ने कहा कि अमेजन की हाल की छंटनी अक्टूबर में हुई नौकरी कटौती के बाद आई हैं, जब कंपनी ने 14,000 कर्मचारियों को निकालने की घोषणा की थी। उन्होंने बताया कि अमेजन की इकाइयों ने अक्टूबर में ये संगठनात्मक बदलाव पूरे कर लिए थे, लेकिन कुछ विभागों ने इसे अब तक पूरा नहीं किया है।

- कर्मचारियों की जगह एआई का इस्तेमाल करने की घोषणा की
- इससे पहले कंपनी ने 2023 में खत्म की थीं 27,000 नौकरियां

गैलेटी ने कहा कि अमेरिका में काम कर रहे कर्मचारियों को कंपनी के भीतर नई भूमिका खोजने के लिए 90 दिन का समय दिया जाएगा। जो कर्मचारी नया पद नहीं पा सकेंगे या नई नौकरी नहीं लेना चाहेंगे, उन्हें नौकरी से निकाले जाने के बाद दी जाने वाली क्षतिपूर्ति, नौकरी खोजने में सहायता सेवाएं और स्वास्थ्य बीमा सुविधाएं दी जाएंगी। गैलेटी ने कहा, इन बदलावों के साथ हम उन रणनीतिक क्षेत्रों और कार्यों में नियुक्तियां और निवेश भी जारी रखेंगे, जो हमारे भविष्य के लिए बेहद अहम हैं। यह अमेजन की 2023 के बाद सबसे बड़ी छंटनी है, जब कंपनी ने 27,000 नौकरियां खत्म की थीं।

आधार एप से आसान होगा उम्र का डिजिटल सत्यापन

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) नया आधार एप लाया है जिसका उपयोग डिजिटल व्यक्तिगत संरक्षण अधिनियम के तहत कोई अतिरिक्त डेटा साझा किए बगैर उम्र सत्यापन के लिए किया जा सकता है।

एप की पेशकश के अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने कहा कि सरकार ने निजी संस्थाओं को सुरक्षित आधार पर आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करके सेवा प्रदान करने में सक्षम बनाने के लिए ''आधार प्रमाणीकरण नियम 2020 के लिए आधार प्रमाणीकरण में संशोधन किया है। कृष्णन ने कहा, हम अक्सर डिजिटल व्यक्तिगत संरक्षण अधिनियम अधिनियम के तहत यह चर्चा करते रहते हैं कि उम्र की पुष्टि कैसे की जाएगी। मुझे लगता है कि अब हम ऐसी स्थिति में हैं कि आधार एप के जरिए उम्र की जांच आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए किसी अतिरिक्त जानकारी साझा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उम्र की पुष्टि ऑनलाइन मंच, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेम और ई-कॉमर्स मंच को यूजर की उम्र जांचने में मदद करेगी। इससे बच्चों को अनुपयुक्त सामग्री या उत्पादों तक पहुंच से बचाया जा सकेगा।

वोडाफोन आइडिया तीन वर्षों में 45000 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली। कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया अगले तीन वर्षों में 45,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है ताकि विकास की पटरी पर लौट सके। वोडाफोन आइडिया (वीआई) के सीईओ अभिजीत किशोर ने कहा कि कंपनी अपने प्रतिस्पर्धियों के बराबर आने के लिए 22 में से 17 दूरसंचार सर्किल में नेटवर्क कवरेज का विस्तार करेगी और अगले तीन वर्षों में पांच सर्किल में 2जी साइटों को ऑनलाइन नेटवर्क में बदलने का प्रयास करेगी।

महत्वपूर्ण प्रगति का दावा

सरकार के आधिकारिक सूत्रों ने कहा– ईयू से समझौता अमेरिका से व्यापारिक संबंधों का विकल्प नहीं

भारत और अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। दावा किया गया है कि इसको लेकर बातचीत में बहुत महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। आधिकारिक सूत्रों ने यह भी कहा है कि भारत के यूरोपीय संघ के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते को अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों के विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम चरण में पहुंचाने के दौरान भी भारत ने अमेरिका के साथ वार्ता की गति बनाए रखी। भारत-ईयू एफटीए को अमेरिका के साथ व्यापार संबंधों की मौजूदा स्थिति के विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजार भी उतना ही अहम है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत में बहुत महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और दोनों पक्ष सकारात्मक नतीजे की उम्मीद कर रहे हैं।

एक सूत्र ने कहा, इस दिशा में प्रयास जारी हैं। हम वार्ता का सकारात्मक परिणाम आने को लेकर आशान्वित हैं। भारत और अमेरिका ने पिछले वर्ष द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर कई दौर की बातचीत की थी, लेकिन अगस्त में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाए जाने के बाद वार्ता में बाधा आई। इनमें रूसी तेल खरीद को लेकर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क भी शामिल था। आव्रजन नीति और अन्य मुद्दों पर भी दोनों देशों के संबंधों में तनाव देखा गया। भारत और ईयू के बीच एफटीए संपन्न होने के बाद यह धारणा बनी है कि यह अमेरिका की शुल्क नीति के जवाब में उठाया गया कदम है। हालांकि सूत्रों ने इसे खारिज करते हुए कहा कि यह समझौता दोनों पक्षों के आपसी हित और लाभ के आधार पर किया गया है।

ईयू को डेयरी, चावल, गेहूं, दाल, जीएम उत्पादों पर रियायत नहीं

नई दिल्ली। भारत ने यूरोपीय संघ के साथ हुए द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के तहत डेयरी, चावल, गेहूं, दालें, चाय, जीएम उत्पाद और कॉफी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षण देते हुए कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि बीफ एवं पोल्ट्री, मछली एवं समुद्री उत्पाद, पनीर, मक्का, फल एवं सब्जियां, मेवे, खाद्य तेल, मसाले और तंबाकू जैसे कई अन्य संवेदनशील क्षेत्रों को भी संरक्षण दिया गया है। मंत्रालय के अनुसार, इन क्षेत्रों का सीधा संबंध छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका से होने की वजह से यह संरक्षण दिया गया है। एक अधिकारी ने कहा,भारत ने किसी भी समझौते में डेयरी क्षेत्र को शुल्क रियायत नहीं दी है, भविष्य में भी इस क्षेत्र को संरक्षित रखा जाएगा।

- बीफ, पोल्ट्री, मछली, समुद्री उत्पादों को भी दिया संरक्षण

25 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली कारों पर ही रियायत

नई दिल्ली। भारत ने ईयू के साथ हुए व्यापार समझौते में व्यापक बाजार में बिकने वाली कारों को पूरी तरह सुरक्षित रखा है और सिर्फ 25 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली यात्री कारों पर ही आयात शुल्क में क्रमिक छूट दी जाएगी। एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि 25 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली कारों पर दी जाने वाली छूट सालाना 2.5 लाख कारों तक ही दी जाएगी। इसके अलावा यह कोटा मुख्य रूप से यूरोपीय संघ की पुरानी और मशहूर कार विनिर्माता कंपनियों को दिया जाएगा।

कैम्ब्रिज विवि ने भारत में अपनी पहुंच बढ़ाते हुए शुरू किया नया शोध केंद्र

- स्नातक छात्रों को मिलेंगे विवि में प्रवेश के अतिरिक्त मौके

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन के प्रतिष्ठित कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने भारत में अपनी पहुंच का विस्तार करते हुए एक नए शोध केंद्र की शुरुआत और शीर्ष स्तर के स्नातक छात्रों के लिए अतिरिक्त प्रवेश मार्गों की घोषणा की है।

विश्वविद्यालय ने मंगलवार को बताया कि कैम्ब्रिज-इंडिया सेंटर फॉर एडवांस्ड स्ट्डीज (सीएएस) नवाचार, शोध और शिक्षण पर केंद्रित होगा तथा ब्रिटेन के अग्रणी विश्वविद्यालय और भारत की तेजी से बढ़ती ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करेगा। यह नया केंद्र भारत में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की गतिविधियों के लिए एक केंद्रीय मंच के रूप में काम करेगा और बौद्धिक आदान-प्रदान, नीति निर्माण में योगदान और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देगा। कैम्ब्रिज की कुलपति डेबोरा प्रेंटिस ने कहा कि कैम्ब्रिज-इंडिया सीएएस भारत के श्रेष्ठ शोधकर्ताओं और नवोन्मेषकों के साथ सहयोग स्थापित करने और इस तेजी से बढ़ती ज्ञान अर्थव्यवस्था के साथ संबंध मजबूत करने का एक रोमांचक अवसर है।

प्रतिभाओं को मिलेगा अवसर

विश्वविद्यालय ने कैम्ब्रिज इंडिया रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना भी की है, जो एक कंपनी के रूप में कार्य करेगा। इसके माध्यम से आम नागरिक, कैम्ब्रिज के पूर्व छात्र और अन्य हितधारक भारत से कैम्ब्रिज में अध्ययन करने वाले छात्रों की छात्रवृत्ति, शुल्क,अन्य खर्चों के लिए धन दे सकेंगे।

प्रोफेसर प्रेंटिस ने यह भी घोषणा की कि विवि कुछ स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए अतिरिक्त आवश्यकताओं के साथ सीबीएसई की 12वीं कक्षा की योग्यता को मान्यता देगा।

सवालों के घेरे में उड़ते महल

महाराष्ट्र के बारामती में 28 जनवरी 2026 को हुए भीषण विमान हादसे ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार सहित विमान में सवार सभी पांच व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। पुणे के बारामती हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान निजी विमान लियरजेट 45 दुर्घटनाग्रस्त होकर आग के गोले में तब्दील हो गया। विमानन क्षेत्र में तकनीक और सुरक्षा के उच्चतम मानकों के बावजूद ऐसी घटनाएं हवाई सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ी करती हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की प्राथमिक रिपोर्टों के अनुसार, खराब दृश्यता और तकनीकी खराबी हादसे के संभावित कारण हो सकते हैं। इस हादसे से विमान के रखरखाव पर भी अंगुली उठ रही है। वीआईपी उड़ानों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा को भी अनिवार्य बना दिया है।

विमान दुर्घटना

हादसे में खोईं हस्तियां

- विजय रूपाणी (12 जून 2025) : अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया था जिसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री की भी मृत्यु हुई थी।
- जनरल बिपिन रावत (8 दिसंबर 2021) : तमिलनाडु के कुन्नूर में वायुसेना का हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ, जिसमें सीडीएस जनरल रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य सैन्य अधिकारियों की मृत्यु हुई।
- दोर्जी खांडू (30 अप्रैल 2011) : अरुणाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर दुर्गम पहाड़ियों में क्रैश हो गया था। ● वाईएस राजशेखर रेड्डी (2 सितंबर 2009) : हेलीकॉप्टर हादसे में आंध्र के सीएम की मृत्यु हुई थी।

हादसों के प्रमुख कारण

- मानवीय भूल : लगभग 50% से अधिक हादसों का कारण पायलट की गलती होती है। इसमें गलत निर्णय लेना, थकावट या आपातकालीन स्थिति में सही प्रतिक्रिया न दे पाना शामिल है।
- तकनीकी खराबी : विमान के इंजन में खराबी, हाइड्रोलिक सिस्टम का फेल होना या लैंडिंग गियर का न खुलना गंभीर हादसों की वजह बनता है।
- खराब मौसम : घना कोहरा, तेज हवाएं या अचानक बिजली गिरना पायलट के लिए दृश्यता और नियंत्रण की चुनौती पैदा करता है।
- एयर ट्रैफिक कंट्रोल की गलती : एटीसी द्वारा गलत निर्देश देना या दो विमानों के बीच सुरक्षित दूरी न रख पाना हवाई टक्करों का कारण बन सकता है।
- रखरखाव में कमी : विमान के पुराने पुर्जों को समय पर न बदलना या सुरक्षा जांच में ढिलाई बरतना जानलेवा साबित होता है।

सुरक्षा के कड़े पहरेदार

- उड़ान समय सीमा : पायलटों की थकान कम करने के लिए काम के घंटों, आराम की अवधि का सख्त निर्धारण।
- सुरक्षा ऑडिट : सभी एयरलाइन और निजी चार्टर विमानों का समय-समय पर सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य है।
- मौसम प्रोटोकॉल : खराब दृश्यता के दौरान विमानों को टेक-ऑफ या लैंडिंग की अनुमति नहीं देना।
- विमान की स्थिति : एक निश्चित सीमा से पुराने या बार-बार तकनीकी खराबी वाले विमानों के संचालन पर प्रतिबंध।

खराब रिकॉर्ड

- बारामती में हादसाग्रस्त विमान वीएसआर वेंचर्स प्रालि का था, कंपनी का सेफ्टी रिकॉर्ड काफी खराब रहा है। यह तीन साल से भी कम समय में दूसरा बड़ा विमान हादसा है। इससे पहले, 2023 में मुंबई एयरपोर्ट पर इसी कंपनी का एक और विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था।

वर्ल्ड ब्रीफ

वेनेजुएला में अमेरिकी दूतावास फिर खोलने की तैयारी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने संसद को बताया है कि वह वेनेजुएला में बंद अमेरिकी दूतावास को दोबारा खोलने की दिशा में कदम उठा रहा है। इसके तहत कर्मचारियों की एक टीम वहां भेजी जाएगी, जो सीमित राजनयिक कामकाज संभालेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कर्मचारी एक अस्थायी परिसर में रहकर काम करेंगे। इस दौरान मार्च 2019 में बंद किए गए मौजूदा दूतावास परिसर को आवश्यक मानकों के अनुरूप तैयार किया जाएगा।

द. कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी को 20 महीने की सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल की पत्नी किम कोन-ही को रिश्वत लेने के आरोप में 20 महीने जेल की सज़ा सुनाई गई है। सोल की केंद्रीय जिला अदालत ने बुधवार को 1.28 करोड़ वॉन (लगभग 9,010 अमेरिकी डॉलर) की ज़ब्ती के साथ जेल की सज़ा सुनाई। अदालत ने कहा कि किम ने प्रथम महिला के तौर पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल निजी फायदे के लिए किया।

नेपाल में नकली भारतीय मुद्रा के साथ दो बिहारी गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाली अधिकारियों ने हिमालयी देश के रौताहट जिले में बिहार के दो लोगों को नकली भारतीय मुद्रा नोटों के साथ गिरफ्तार किया है। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के प्रवक्ता मनीष थापा के अनुसार, बिहार के सीतामढ़ी जिले के निवासी 30 वर्षीय बिक्रम कुमार पासवान और 42 वर्षीय राहेश कुमार साह को मंगलवार रात दक्षिणी नेपाल में 2500 रुपये मूल्य की नकली मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों को नियमित सुरक्षा जांच के दौरान पकड़ा गया। उनके पास 500 और 200 रुपये के नकली नोट थे।

उत्तर-पश्चिमी नेपाल के पहाड़ी इलाकों में भारी हिमपात

काठमांडू। उत्तर-पश्चिमी नेपाल के विभिन्न हिस्सों में हुए भारी हिमपात से कई इलाकों में दो-दो फुट तक बर्फ जम गई और कुछ स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मंगलवार रात हुई बर्फबारी से पहाड़ियां और पर्वत बर्फ से ढक गए, जबकि अधिकांश स्थानों पर बारिश भी हुई। भारी हिमपात के कारण कागबेनी-कोराला मार्ग बंद हो गया है।

ईयू के देशों में आयुष चिकित्सकों के लिए खुले अनंत संभावनाओं के द्वार

प्रधानमंत्री मोदी बोले-व्यापार समझौते के बाद यूरोपियन देशों में दे सकेंगे अपनी सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के बाद, भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली से जुड़े चिकित्सक अब यूरोपियन संघ के देशों में अपनी सेवाएं दे सकेंगे। केरल में आर्य वैद्यशाला चैरिटेबल अस्पताल के शताब्दी समारोह में मोदी ने कहा कि आयुष चिकित्सक भारत में हासिल की गई व्यावसायिक योग्यता के आधार पर यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों में अपनी सेवाएं दे सकेंगे, जिससे आयुर्वेद और योग से जुड़े युवाओं को बहुत फायदा होगा।

प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा कि ईयू के साथ हाल में घोषित ऐतिहासिक व्यापार समझौते से भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और उसके चिकित्सकों को काफी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता यूरोप में आयुष आरोग्य केंद्र बनाने में भी मदद करेगा और इस उपलब्धि के लिए उन्होंने आयुर्वेद तथा आयुष से जुड़े सभी आगंतुकों को बधाई दी।

समझौते से भारत को ज्यादा लाभ : अमेरिका

न्यूयॉर्क। यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते पर ट्रंप प्रशासन की पहली प्रतिक्रिया में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि भारत आगे रहा और इस समझौते से भारत को खूब लाभ होगा। ग्रीर ने मंगलवार को कहा कि मैंने अब तक इस सौदे के कुछ विवरण देखे हैं। इसमें भारत को सबसे ज्यादा फायदा होगा। उसकी यूरोपीय बाजार में पहुंच बढ़ेगी। ऐसा लगता है कि भारत को कुछ अतिरिक्त आव्रजन अधिकार मिले हैं। मुझे पक्का तो नहीं पता, लेकिन यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लायन ने भारतीय कामगारों के यूरोप में आवागमन के बारे में बात की है। इसलिए मुझे लगता है कि भारत को इससे काफी फायदा होगा।

आयुर्वेद एक इलाके तक सीमित नहीं रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्य वैद्यशाला ने आयुर्वेद को बचाने, सुरक्षित रखने और आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने इसके संस्थापक वैद्यरत्नम पी एस वारियर के योगदान को भी याद किया। मोदी ने कहा भारत में आयुर्वेद कभी किसी एक ज़माने या इलाके तक सीमित नहीं रहा है और हर ज़माने में, इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति ने ज़िंदगी को समझने, संतुलन बनाने और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने का रास्ता दिखाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्य वैद्यशाला 600 से ज़्यादा आयुर्वेदिक दवाओं का उत्पादन करती है और देश के अलग-अलग हिस्सों में इसके अस्पताल आयुर्वेदिक तरीकों से रोगियों का उपचार करते हैं।

मोदी ने कहा कि भारत सदियों से आयुर्वेद के जरिए लोगों का इलाज कर रहा है, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के अंदर और बड़े पैमाने पर विदेशों में इसकी अहमियत समझाने की कोशिशें नहीं की गईं। उन्होंने कहा कि इसका एक बड़ा कारण साक्ष्य आधारित अनुसंधान और शोधपत्रों की कमी रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब आयुर्वेदिक पद्धतियों को विज्ञान के सिद्धांतों पर परखा जाता है, तो लोगों का भरोसा और मजबूत होता है। उन्होंने खुशी जताई कि आर्य वैद्यशाला ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे संस्थानों के साथ मिलकर आयुर्वेद को लगातार विज्ञान और अनुसंधान की कसौटी पर परखा है। मोदी ने कहा कि संस्थान ने दवा अनुसंधान, क्लिनिकल शोध और कैंसर देखभाल पर ध्यान केंद्रित किया है।

अमेरिका का एक और सैन्य बेड़ा अरमाडा ईरान की ओर बढ़ रहा

- ट्रंप ने सैन्य चेतावनी देने के साथ कूटनीतिक कदम भी बढ़ाया

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अपने सख्त रुख की ओर लौटते हुए कहा है कि एक और सैन्य बेड़ा अरमाडा ईरान की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने अमेरिका के आयोवा राज्य के क्लाइव में एक चुनाव-प्रचार जैसे आयोजन में कहा, वैसे इस समय एक और अरमाडा बड़ी खूबसूरती से तैरते हुए ईरान की ओर बढ़ रहा है। हम देखेंगे। उम्मीद है कि वे हमसे समझौता कर लें। उन्हें हमसे पहले ही समझौता कर लेना चाहिए था। कम से कम देश तो बचेगा।

ट्रंप के बयान से अमेरिका की सैन्य दबाव के साथ कूटनीति की संभावना वाली दोहरी रणनीति झलकी है। इसी क्रम में एक्सियोस को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि ईरान के साथ स्थिति परिवर्तनशील है और बड़े अमेरिकी सैन्य बेड़ों को क्षेत्र के और करीब तैनात किया गया है। उन्होंने दावा किया कि ईरानी अधिकारी कई बार बातचीत की इच्छा जता चुके हैं। इसके बाद एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की कि यदि ईरान तय शर्तों के तहत संपर्क करता है, तो अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने शर्तें बतायीं, जिनमें यूरेनियम संवर्धन पर रोक, संवर्धित यूरेनियम हटाना, लंबी दूरी की मिसाइल कार्यक्रम पर सीमायें और क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों के समर्थन का अंत शामिल है। ईरान ने इन शर्तों को सिरे से खारिज किया है, हालांकि बातचीत की इच्छा भी जतायी है। ट्रंप ने जून में किए गए अमेरिकी हमलों का भी जिक्र करते हुए दावा किया कि तीन प्रमुख ठिकानों पर वार कर ईरान की परमाणु क्षमताओं को 'नष्ट' कर दिया गया। इस बीच, अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन के नेतृत्व वाला स्ट्राइक ग्रुप हिंद महासागर में तैनात किया गया है, जिससे वह अमेरिकी केंद्रीय कमान के परिचालन क्षेत्र और ईरान के संभावित लक्ष्य क्षेत्रों के और करीब आ गया है।

ईरान ने पश्चिमी एशिया के देशों से संपर्क साधा

दुबई। ईरान के अधिकारियों ने देश पर अमेरिकी हमले के खतरे को लेकर बुधवार को पश्चिमी एशिया के कई देशों से संपर्क साधा। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने संकेत दिया है कि वे अपने हवाई क्षेत्र को किसी भी हमले के लिए इस्तेमाल नहीं होने देंगे। मिस्र के शीर्ष राजनयिक बदर अब्देलट्टी ने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और पश्चिमी एशिया के लिए अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ से अलग-अलग बातचीत की ताकि क्षेत्र को अस्थिरता के नए दौर में जाने से बचाने के लिए शांति स्थापित करने की दिशा में काम किया जा सके। सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान से फोन पर बात कर उन्हें अपनी ओर से भरोसा दिलाया।

स्पेन में करीब पांच लाख अवैध प्रवासी होंगे वैध

मैड्रिड। स्पेन सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए करीब पांच लाख अवैध प्रवासियों को कानूनी दर्जा देने की योजना को मंजूरी दी है। आव्रजन मंत्री एलमा सैज़ ने कहा कि इस योजना के तहत नियमित किए जाने वाले प्रवासी देश के किसी भी हिस्से में, किसी भी क्षेत्र में काम कर सकेंगे। उन्होंने प्रवासन के सकारात्मक प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यह नीति मानवाधिकार, एकीकरण, सामाजिक सह-अस्तित्व और आर्थिक विकास के अनुकूल है। राष्ट्रीय प्रसारक आरटीवीई से बातचीत में सैज़ ने कहा, यह केवल अनुमान हैं, लेकिन आंकड़ा लगभग पांच लाख के आसपास हो सकता है। यह योजना उनपर लागू होगी जो पांच महीनों से स्पेन में रह रहे हैं।

पाकिस्तान जासूसी मामले में सुनाई 5 साल की सजा

- एनआईए अदालत के समक्ष आरोपी ने कबूला जुर्म

नई दिल्ली,एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने सिम कार्ड के फर्जी इस्तेमाल और सोशल मीडिया मंच के दुरुपयोग से जुड़े पाकिस्तान जासूसी षड्यंत्र मामले में एक प्रमुख आरोपी को पांच साल से अधिक की सजा सुनाई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी अल्ताफहुसैन घनचीभाई उर्फ शकील ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान जुर्म कबूल कर लिया था।

इस सुनवाई में अभियोजन पक्ष ने 37 गवाहों से पूछताछ की थी। आंध्र प्रदेश के विशा खापत्तनम स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने मंगलवार को इस मामले में सजा सुनाई। अदालत ने आरोपी को सिम कार्ड, ओटीपी और सोशल मीडिया सहित विशिष्ट पहचान सुविधाओं के दुरुपयोग का दोषी ठहराया। अदालत ने दोषी पाए गए अल्ताफहुसैन को गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत पांच साल और छह महीने के साधारण कारावास और 5,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत दो साल और छह महीने के साधारण कैद की सजा और 5 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

रूस ने यूक्रेनी ट्रेन पर किया हमला पांच लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन के खारकीव क्षेत्र में मंगलवार रात पैसेंजर ट्रेन पर हुए कथित रूसी ड्रोन हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने एक्स पर एक वीडियो साझा कर यह जानकारी दी। ज़ेलेंस्की ने इस हमले को आतंकवाद की करतूत बताते हुए एक छोटा वीडियो पोस्ट किया, जिसमें ट्रेन के एक डिब्बे में आग लगी हुई दिखायी दे रही थी। क्षेत्रीय आपातकालीन सेवाओं ने बाद में कहा कि आग बुझा दी गयी है। ज़ेलेंस्की ने लिखा कि ट्रेन के डिब्बे में नागरिकों को मारने का कोई सैन्य औचित्य नहीं है, और न ही हो सकता है। खासकर, ट्रेन में 200 से ज़्यादा लोग थे, और 18 लोग उस डिब्बे में थे, जिस पर रूसी ड्रोन में से एक ने हमला किया था।

केरल में पीएफआई के ठिकानों पर छापेमारी

- राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 20 स्थानों पर की छानबीन

कोच्चि, एजेंसी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और उससे जुड़े संगठनों के खिलाफ केरल के तीन जिलों में एक साथ व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान कुल 20 स्थानों पर तलाशी ली गई।

सुबह तड़के शुरू हुई इस कार्रवाई में पीएफआई कार्यकर्ताओं और उसके सहयोगी संगठन सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) से जुड़े लोगों के आवासों और कार्यालयों को निशाना बनाया गया। एसडीपीआई को प्रतिबंधित पीएफआई का सहयोगी संगठन माना जाता है। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान चावक्काड में पूर्व पीएफआई जिला नेता और वर्तमान एसडीपीआई कार्यकर्ता फामिस अबूबक्कर के आवास की भी गहन तलाशी ली गई, जहां एनआईए की टीम ने दस्तावेजों और अन्य सामग्री की जांच की। यह अभियान मुख्य रूप से एर्नाकुलम, त्रिशूर और पालक्काड जिलों में केंद्रित रहा, जहां कई टीमों ने एक साथ उन ठिकानों पर तलाशी ली। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा संगठन को गैरकानूनी घोषित किए जाने के बावजूद उसके नेटवर्क राज्य के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय माने जा रहे हैं।

परमाणु कार्यक्रम को मजबूत करेगा उत्तर कोरिया

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के नए हथियार के परीक्षण का निरीक्षण करने के दौरान कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के आगामी सम्मेलन में उनकी सरकार अपने परमाणु कार्यक्रम को और मजबूत करने की योजना की घोषणा करेगी। सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब एक दिन पहले दक्षिण कोरिया और जापान ने कहा था कि उन्होंने उत्तर कोरिया की ओर से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को किम जोंग उन की मौजूदगी में बड़े और उन्नत रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का परीक्षण किया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 13 .55 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

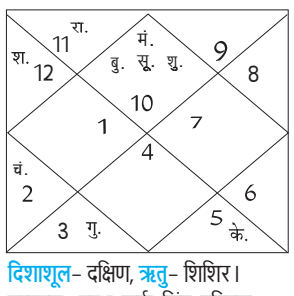

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-रोहिणी 07 .31 तक तत्पश्चात मृगशिरा 30 जनवरी 05 .29 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष — आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी। नए विषयों के अध्ययन में रुचि ले सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को कठिन निर्णय लेने पड़ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मिठास बढ़ेगी।

वृष — आज का दिन कारोबार में विस्तार करने के लिए अनुकूल है। उत्तम भोजन का आनंद लेंगे। कुछ नजदीकी लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। मित्रों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर योजना पर चर्चा कर सकते हैं।

मिथुन — आज अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। कानूनी मामलों को लेकर जल्दबाजी न करें। किसी को धन उधार न दें। पुराने मामले को लेकर परेशानी हो सकती है। विद्यार्थियों की शिक्षा में थोड़ी बाधा उत्पन्न हो सकती है।

कर्क — आज नई संपत्ति खरीद सकते हैं। व्यवसाय में अपेक्षा से अधिक लाभ हो सकता है। प्रेमीजन के साथ एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे। अपने खानपान की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है।

सिंह — आज नकारात्मक विचारों से दूर रहें। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलने की संभावना बन रही है। विरोधियों पर आप भारी पड़ेंगे। किसी महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर दुविधा की स्थिति में फंस सकते हैं।

कन्या — आज विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। नौकरी में अतिरिक्त काम करना पड़ सकता है। व्यापार को लेकर कोई बड़ा सौदा हो सकता है। कारोबारी यात्राओं के दौरान आपको थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। उच्चाधिकारियों के बीच आपकी अत्यधिक चर्चा होगी।

तुला — आज अपने काम से असंतुष्ट हो सकते हैं। अनावश्यक खर्च अचानक से बढ़ सकते हैं। इसके कारण आपके निजी जीवन में कुछ उथल-पुथल हो सकती है। व्यवसाय को लेकर कुछ अदूरदर्शी निर्णय लेने से बचें। थोड़ा सोच-विचार कर ही काम करें।

वृश्चिक — आज आपको काफी कुछ सीखने को मिलेगा। किसी पुराने निवेश से आपको बड़ा धन लाभ प्राप्त हो सकता है। आप अपने काम में सुधार लाने का प्रयास करेंगे। राजनीतिक लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहने वाला है। आपके कष्टों का निवारण होगा। आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहेगा। सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं।

मकर — आज व्यापार में अधिक परिवर्तन न करें। भौतिक सुख-साधनों पर आप धन खर्च कर सकते हैं। अपने प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। बच्चों के व्यवहार से आप थोड़ा परेशान हो सकते हैं।

कुंभ — आज कुछ पारिवारिक शत्रु आपको परेशान कर सकते हैं। नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है। परिवार के किसी सदस्य को लेकर थोड़े चिंतित रहेंगे। मौसम में बदलाव के कारण सिरदर्द हो सकता है। अपनी जीवनशैली को अनुशासित रखें।

मीन — आज अपने संपर्क क्षेत्र का व्यावसायिक उपयोग करेंगे। लोगों से आपको अत्यधिक प्रेम व सम्मान मिलेगा। नौकरी के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपको सफलता मिल सकती है। कड़ी मेहनत के द्वारा आपके कार्य सफल होंगे।

सुडोकू -45

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2				8		
		1	5					7
	3			8		9		4
		5	2			7		8
	8						9	
2		9			6	1		
7		3		9			8	
					1	5		
		6				3		

सुडोकू - 44 का हल

5	8	9	1	4	3	6	2	7
4	2	1	9	7	6	3	8	5
6	3	7	2	5	8	1	9	4
8	6	2	4	3	7	9	5	1
7	9	4	5	8	1	2	6	3
3	1	5	6	9	2	4	7	8
2	4	3	7	6	5	8	1	9
1	7	8	3	2	9	5	4	6
9	5	6	8	1	4	7	3	2

जो भारतीय बल्लेबाज तीनों फॉर्मेट खेलते हैं, उन्हें अपने लाल गेंद की स्किल को निखारने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है और यही हाल के वर्षों में टेस्ट क्रिकेट में उनकी कमजोरियों की एक बड़ी वजह है।
–राहुल द्रविड़

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 29 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारतीय बल्लेबाजों का स्पिन के सामने कमजोर पड़ना आश्चर्यजनक

नई दिल्ली। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इयान स्मिथ अब भी 2024 के आखिर में भारत में न्यूजीलैंड की टेस्ट श्रृंखला में 3-0 की ऐतिहासिक जीत को लेकर हैरान हैं और उनका मानना है कि हाल के दिनों में लाल गेंद की क्रिकेट में घरेलू मैदान पर भारतीय बल्लेबाजों के संघर्ष की बड़ी वजह स्पिन के खिलाफ घटती क्षमता रही है। खब्बू स्पिनर एजाज पटेल और मिचेल सैंटनर भारत में उस यादगार टेस्ट सीरीज की जीत के मुख्य सूत्रधार थे। इससे परिणाम से मेजबान टीम का 12 वर्षों से चला आ रहा अजेय क्रम टूट गया।

फाइनल में जगह पक्की करने उतरेगा आरसीबी

वडोदरा। तालिका में शीर्ष पर काबिज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) लगातार दो मैच में हार को पीछे छोड़कर यूपी वॉरियर्स के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मैच में जीत दर्ज करके फाइनल में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगा। आरसीबी (10 अंक) डब्ल्यूपीएल प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने वाली एकमात्र टीम है पर वॉरियर्स के खिलाफ जीत से उसकी फाइनल में जगह भी पक्की हो जाएगी। वहीं दूसरी तरफ प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए कड़ी चुनौती का सामना कर रही वॉरियर्स की टीम को अपनी शीर्ष स्कोरर फोबे लिचफील्ड की चोट से बड़ा झटका लगा है। लिचफील्ड टूर्नामेंट से बाहर हो गई है और एमी जोन्स को उनके स्थान पर लिया गया है। आरसीबी पहले पांच मैच जीत कर सभी टीमों से काफी आगे निकल गई थी, पर उसके बाद दो हार से झटका लगा है।

दुबे के ताबड़तोड़ अर्धशतक के बावजूद न्यूजीलैंड ने भारत को 50 रनों से हराया

चौथा टी-20 मुकाबला : कीवी टीम ने पांच मैचों की सीरीज का अंतर 3-1 किया

विशाखापत्तनम, एजेंसी

शिवम दुबे ने बेहद आक्रामक अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन यह न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां बुधवार को खेले गए चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में भारत की 50 रन की हार को टालने के लिए पर्याप्त नहीं था। न्यूजीलैंड ने सात विकेट पर 215 रन बनाने के बाद भारत को 18.4 ओवर में 165 रन पर आउट कर दिया।

दुबे ने 23 गेंदों पर 65 रन (तीन चौके, सात छक्के) की विस्फोटक पारी खेली और 216 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए लगभग अकेले संघर्ष किया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने पांच मैचों की सीरीज में अंतर को 3-1 कर दिया। इशान किशन के चोट के कारण बाहर रहने से अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव से तेज शुरुआत की उम्मीद थी। लेकिन अभिषेक भारत की पहली ही गेंद पर आउट हो गए, जब उन्होंने मैट हेनरी की गेंद को डीप पॉइंट पर डेवोन कॉन्वे के हाथों में थमा दिया। सूर्यकुमार यादव के रक्षात्मक शॉट को जैकब डफी ने शानदार रिटर्न कैच में तब्दील किया और भारत का स्कोर नौ रन पर दो विकेट हो गया। रिंकू सिंह (39) और संजू सैमसन (24) ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन वे पावरप्ले में या उसके बाद रन गति नहीं बढ़ा सके। रिंकू को जैक फोक्स ने पगबाधा आउट किया, जबकि डफी की गेंद पर शानदार फ्लिक शॉट से छक्का लगाने वाले सैमसन को मिचेल सैंटनर की सीधी गेंद ने बोल्ड कर दिया। हार्दिक पांड्या भी कोई खास योगदान नहीं दे सके और 11वें ओवर में भारत का स्कोर 82 रन पर पांच विकेट हो गया। इसके बाद दुबे और हर्षित राणा (9) पर जिम्मेदारी आ गई। दुबे ने बेखौफ बल्लेबाजी की और लगातार बढ़ती रन गति के दबाव को शायद ही महसूस किया, जो ज्यादातर समय 14 के आसपास बनी रही। जब वह 46 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे तो मैदानी अंपायर ने उन्हें पगबाधा करार दिया लेकिन डीआरएस के जरिए वह आउट होने से बच गये। उन्होंने ईश सोढ़ी के तीसरे ओवर में 29 रन बटोरे, जिसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल थे। दुबे ने डफी की गेंद पर स्क्वायर लेग के ऊपर छक्का लगाकर महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह भारत की ओर से इस प्रारूप में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। छठे विकेट के लिए दुबे और हर्षित राणा ने 63 रन जोड़े, जिसमें राणा का योगदान चार रन का रहा। लेकिन दुबे की किस्मत तब साथ छोड़ गई, जब राणा का सीधा शॉट हेनरी के हाथ से टकराकर नॉन-स्ट्राइकर एंड पर स्टंप्स से जा टकराया। इसके साथ भारत की उम्मीदें खत्म हो गई।

इससे पहले टिम सिफर्ट की तूफानी अर्धशतकीय पारी से न्यूजीलैंड ने 200 रन के पार पहुंचाया। सिफर्ट (36 गेंदों पर 62 रन, सात चौके, तीन छक्के) न्यूजीलैंड के सबसे सफल बल्लेबाज रहे, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल सका। 'बिग बैश लीग' खेलकर टीम से जुड़े सिफर्ट ने शुरुआत से ही अपने इरादे साफ कर दिए और अर्शदीप सिंह के एक ओवर में लगातार तीन चौके जड़े। अगले ओवर में उन्होंने हर्षित राणा को लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्का जड़कर अपनी ताकत और टाइमिंग का प्रदर्शन किया। इसके बाद राणा के अगले ओवर में सिफर्ट ने लगातार गेंदों पर एक छक्का और एक चौका लगाया और फिर जसप्रीत बुमराह की गेंद को साइट-स्क्रीन के ऊपर भेजकर एक और छक्का जमाया। न्यूजीलैंड ने चौथे ओवर में 50 रन पूरे कर लिये और पावरप्ले के बाद टीम का स्कोर बिना किसी नुकसान के 71 रन था।

जीत का जश्न मनाती न्यूजीलैंड की टीम। एजेंसी

15 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर शिवम दुबे तीसरे सबसे तेज पचासा लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए

शिवम दुबे।

न्यूजीलैंड

215/7 (20 ओवर)

डेवोन कॉन्वे का रिंकू बो कुलदीप	44
टिम सिफर्ट का रिंकू बो अर्शदीप	62
रचिन रवींद्र का एवं बो बुमराह	02
फिलिप्स का रिंकू बो कुलदीप	24
मार्क चैपमैन का राणा बो बिश्नोई	09
डेरिल मिचेल नाबाद	39
मिचेल सैंटेनर रन आउट	11
जैक फोक्स का रिंकू बो अर्शदीप	13
मैट हेनरी नाबाद	06

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-33-2, राणा 4-0-54-0, बुमराह 4-0-38-1, बिश्नोई 4-0-49-1, कुलदीप 4-0-39-2

भारत

165/10 (18.4 ओवर)

अभिषेक शर्मा का कोन्वे बो हेनरी	00
संजू सैमसन बो सैंटेनर	24
सूर्यकुमार यादव का एवं बो डफी	08
रिंकू सिंह पगबाधा फोक्स	39
पंड्या का फोक्स बो सैंटेनर	02
शिवम दूबे रन आउट	65
हर्षित राणा का रवींद्र बो सोढ़ी	09
रवि बिश्नोई नाबाद	10
अर्शदीप का सैंटेनर बो सोढ़ी	00
बुमराह का सोढ़ी बो सैंटेनर	04
कुलदीप का सिफर्ट बो डफी	01

गेंदबाजी : हेनरी 3-0-24-1, डफी 3.4-0-33-1, फोक्स 3-0-29-1, सोढ़ी 4-0-46-2, सैंटेनर 4-0-26-3, फिलिप्स 1-0-7-0

इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ जीती सीरीज

कोलंबो। हैरी ब्रूक (नाबाद 136) और जो रूट (नाबाद 111) की आतिशी शतकीय पारियों और इसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे में 53 रन से जीत दर्ज की और सीरीज भी अपने नाम कर ली। यह तीन साल में पहली बार है जब इंग्लैंड ने विदेश में द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज जीती। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 357 का कुल स्कोर बनाया। जवाब में श्रीलंका 304 रनों पर आलआउट हो गई।

महिला सीनियर कबड्डी शुरू

हैदराबाद। 72वीं महिला सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप के पहले दिन हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ ने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। बालायोगी स्टेडियम में मंगलवार को शुरू हुई चैंपियनशिप में पहले दिन कई निर्णायक नतीजे देखने को मिले। भारत के महिला कबड्डी विश्व कप जीत के तुरंत बाद हो रही इस चैंपियनशिप में विश्व चैंपियन टीम के कई सदस्य अब अपने-अपने राज्यों और संस्थागत टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए एक-दूसरे के खिलाफ खेल रहे हैं। यह प्रतियोगिता 30 जनवरी तक चलेगी।

अर्शदीप और हार्दिक होंगे सफलता की कुंजी : रोहित

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 विश्व कप

9 दिन शेष

टी20 विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि आगामी टूर्नामेंट में हरफनमौला हार्दिक पंड्या और बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भारत की सफलता की कुंजी होंगे। गत चैम्पियन भारत प्रबल दावेदार के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगा।

रोहित ने जियो हॉटस्टार से कहा जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह दोनों का साथ में होना हमारे लिये बहुत सकारात्मक है क्योंकि दोनों विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अर्शदीप नयी गेंद से स्विंग कराने में माहिर है और शुरूआती विकेट लेता है। वह नयी गेंद से और डैथ ओवरों में गेंदबाजी करता है। शुरुआत और अंत बहुत महत्वपूर्ण है और वह दोनों में मजबूत है।

उन्होंने कहा वह नई गेंद को स्विंग कराके बायें हाथ के बल्लेबाजों को स्लिप में कैच आउट करा सकता है और दाहिने हाथ के बल्लेबाजों के पैड को निशाना बना सकता है। नई गेंद के गेंदबाजों के लिये यह कौशल काफी अहम है। वह हमेशा विकेट लेने की कोशिश करता है और यही वजह है कि वह पहला ओवर डालता है।

रोहित ने कहा टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसने शानदार गेंदबाजी की। मुझे अभी भी याद है कि क्विंटोन डि कॉक को क्रीज पर जमने के बाद उसने आउट किया और 19वें ओवर में दो या तीन रन ही दिये जिससे दक्षिण अफ्रीका दबाव में आ गई। उन्होंने कहा वह टी20 विश्व कप 2026 में भी भारत के लिये अहम साबित होगा। भारत ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीता जिसके बाद रोहित ने इस प्रारूप से विदा ले ली।

हार्दिक की भूमिका के बारे में रोहित ने कहा हार्दिक पंड्या जब भी टीम में होता है तो उसकी भूमिका बड़ी होती है। वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी में निरंतरता से खेलता है। टीम दबाव में होती है तब उसकी बल्लेबाजी अहम होती है। अगर 15 या 16 ओवर में हमारा स्कोर 160 है और हार्दिक क्रीज पर है तो वह 210 या 220 तक ले जा सकता है। हमारे चार विकेट भी 50 रन पर गिरे हों तो वह पारी को संभाल सकता है। रोहित ने कहा कि कुलदीप यादव और वरूण चक्रवर्ती दोनों को अंतिम एकादश में रख पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी कि कुलदीप और वरुण दोनों को साथ में कैसे उतारें। दो तेज गेंदबाजों को ही उतारने पर यह संभव है। वैसे मैं होता तो दोनों को टीम में रखता क्योंकि दोनों विकेट लेते हैं और बल्लेबाज उन्हें भांप नहीं पाते।

टाटा स्टील शतरंज मास्टर्स

गुकेश हारे प्रज्ञानानंद की पहली जीत

विज आन ली (नीदरलैंड्स)। विश्व चैंपियन डी. गुकेश को टाटा स्टील मास्टर्स में के नौवें दौर में बुधवार को यहां जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ पराजय झेलनी पड़ी, जबकि अर्जुन एरिगैसी को अमेरिका के हैंस मोक नीमैन के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा।

डी. गुकेश।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का टिकट पक्का करने वाले इकलौते भारतीय आर प्रज्ञानानंद ने टूर्नामेंट में पहली बार सफलता का स्वाद चखा। विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव उज्बेकिस्तान के हमवतन नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के साथ बराबरी की बाजी खेली। अब्दुसत्तोरोव छह अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। सिंदारोव नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फोरेस्ट और तुर्किये के यागिज कान एरदोग्मुस के साथ 5.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

खेल संघों को राष्ट्रीय प्रतीक और लोगो के अनाधिकृत उपयोग को बंद करने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

- **खेल मंत्रालय ने निर्देशों का उल्लंघन करने पर मान्यता निलंबित करने की चेतावनी दी**

खेल मंत्रालय ने बुधवार को राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को निर्देश दिया कि वे अपनी स्टेशनरी और डिजिटल मंचों पर राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों तथा मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के लोगो के अनधिकृत उपयोग से परहेज करें।

मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि निर्देशों के उल्लंघन की स्थिति में मान्यता निलंबित की जा सकती है। राष्ट्रीय महासंघों की वेबसाइटों पर, खासकर होम पेज के निचले हिस्से में, संबद्धता दर्शाने के लिए साइ और मंत्रालय के लोगो दिखाई देना आम बात है। उनकी स्टेशनरी पर भी ये लोगो अंकित रहते हैं और मंत्रालय के प्रतीक में राज्य प्रतीक शामिल होता है।

मंत्रालय ने कहा यह पाया गया है कि कुछ एनएसएफ अपने लेटरहेड, वेबसाइट, विजिटिंग कार्ड और अन्य संचार सामग्रियों पर सरकारी लोगो और प्रतीकों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे यह गलत धारणा बनती है कि वे भारत सरकार या साई का प्रत्यक्ष हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा इस प्रकार का उपयोग अनधिकृत है और राष्ट्रीय खेल विकास संहिता, 2011 के प्रावधानों के विपरीत है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इन निर्देशों का कोई भी उल्लंघन गंभीरता से लिया जाएगा और मौजूदा दिशानिर्देशों तथा कानूनों के तहत उचित कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने कहा इसमें मान्यता का निलंबन या वित्तीय सहायता की रोक भी शामिल है।

भारत का राज्य प्रतीक मौर्य सम्राट अशोक के सारनाथ स्थित सिंह स्तंभ से लिया गया है, जो वर्तमान में सारनाथ संग्रहालय में संरक्षित है। सिंह स्तंभ की आकृति में एक आधार पर स्थापित तीन सिंह दर्शाए गए हैं, जिनके मध्य में धर्मचक्र, दाईं ओर बैल और बाईं ओर दौड़ता हुआ घोड़ा अंकित है, जबकि दोनों छोरों पर धर्मचक्र की आकृतियां हैं।इसके उपयोग से संबंधित मौजूदा कानून के अनुसार, केवल केंद्र सरकार ही उन मामलों में इसके उपयोग की अनुमति दे सकती है, जहां आधिकारिक संबद्धता का संकेत मिलता हो। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भले ही एनएसएफ को सरकार से मान्यता प्राप्त हो और वे वित्तीय सहायता के पात्र हों, लेकिन इससे उन्हें भारत सरकार, मंत्रालय या साई के नाम, प्रतीक या लोगो के उपयोग का अधिकार नहीं मिल जाता। सरकार ने कहा, "एनएसएफ केवल मंत्रालय द्वारा दी गई मान्यता का पाठ्य रूप में उल्लेख कर सकते हैं, लेकिन किसी भी आधिकारिक लोगो या प्रतीक का उपयोग नहीं कर सकते। एनएसएफ को जारी निर्देश में कहा गया है कि सरकार और साइ के लोगो का उपयोग केवल प्रतियोगिता या आयोजन विशेष प्रचार सामग्री, जैसे बैनर, बैकड्रॉप, विज्ञापन, साइनज या स्मृति चिन्ह" तक सीमित रहेगा। यह अनुमति भी केवल उन्हीं मामलों में होगी, जहां आयोजन को वित्तीय सहायता दी गई हो या औपचारिक मान्यता प्रदान की गई हो। निर्देश दिया गया है कि वे हर जगह से अनधिकृत लोगो तत्काल हटाएं और यह सुनिश्चित करें कि भारत सरकार के साथ उनकी संबद्धता गलत तरीके से प्रस्तुत न की जाए।

विश्व के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन जोकोविच भाग्य के सहारे आगे बढ़े, महिला वर्ग में एलिना रिबाकिना और जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया

यानिक सिनर खिताबी हैट्रिक से दो जीत दूर

मेलबर्न, एजेंसी

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और पिछले दो बार के चैंपियन यानिक सिनर ने बुधवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच भाग्य के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे। जोकोविच पहले दो सेट हार गए थे और वह घर वापस लौट के बारे में सोचने लग गए थे, लेकिन तभी भाग्य ने पलटी खाई क्योंकि पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए।

सिनर ने एक अन्य मैच में अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को दो घंटे 23 मिनट तक चले मैच में 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया। वह लगातार तीसरी बार खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने से केवल दो जीत दूर हैं। जोकोविच दो बार यह कारनामा कर चुके हैं। सिनर को सेमीफाइनल में अधिक तरोताजा जोकोविच का सामना करना है जिन्हें चौथे दौर में वाकओवर मिला था। पुरुष वर्ग का अन्य सेमीफाइनल विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच खेला जाएगा।

महिला वर्ग में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रिबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका आमना सामना होगा। रिबाकिना ने विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से जबकि छठी वरीय पेगुला ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 (6-1) से हराया। मुसेटी ने जोकोविच के खिलाफ पहले दो सेट 6-4, 6-3 से जीते। उन्होंने तीसरे सेट के तीसरे गेम में अपने दाहिने पांव के ऊपरी हिस्से में चोट लगने के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उन्होंने एक और गेम खेला, पर फिर आगे नहीं खेल सके। जब मुसेटी ने मैच से हटने का फैसला किया तब जोकोविच तीसरे सेट में 3-1 से आगे चल रहे। इस तरह से जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में 11वां खिताब और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद जारी रखी। उनका कहना है इस बार वे भाग्यशाली रहे।

एलिना रिबाकिना।

जेसिका पेगुला।

अत्यधिक कैमरों पर स्वियातेक भी झल्लाईं

मेलबर्न। इगा स्वियातेक ने बुधवार को यहां उसी विषय को आगे बढ़ाया जिसे कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में मंगलवार को उठाया था। गॉफ का क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद कोर्ट के बाहर निराशा में रैकेट तोड़ने का वीडियो वायरल हो गया था जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई थी। गॉफ ने कहा था कि उन असीमित पहुंच वाले कैमरों के बारे में विचार करने की जरूरत है जो खिलाड़ियों को लॉकर रूम से लेकर कोर्ट तक और बीच में लगभग हर जगह ट्रैक करते हैं। स्वियातेक से बुधवार को पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से क्वार्टरफाइनल में 7-5, 6-1 से हारने के बाद पूछा गया कि खिलाड़ियों के लिए ऐसे क्षेत्रों की कमी के बारे में वह कैसा महसूस करती हैं जहां कैमरों की नजर ना हो। स्वियातेक ने कहा सवाल यह है कि हम टेनिस खिलाड़ी हैं या हम चिड़ियाघर के जानवरों की तरह हैं, जहां उनकी शौच करते समय भी निगरानी की जाती है।